जयपुर

मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 12 | वर्ष : 27 | अंक : 292

मिशन पत्रकारिता का प्रहरी

महानगर टाइम्स

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

www.mahanagartimes.com

जयपुर, शनिवार, 14 सितंबर, 2024

जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत अलवर पहुंचे

अलवर (मसं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आश्रम एक्सप्रेस ट्रेन से शुक्रवार शाम करीब 6 बजे अलवर पहुंचे। डॉ. भागवत जंक्शन से थोड़ी दूर स्थित संघ कार्यालय केशव कृपा पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत के प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो ने बताया कि डॉ. भागवत यहां विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में शामिल होंगे। 14 सितंबर को सुबह ऑर्चिड गार्डन में शाखा के कार्यक्रम में पहुंचेंगे। 15 सितंबर को सुबह इंदिरा गांधी खेल मैदान में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 16 सितंबर को आदर्श विद्या मंदिर के कार्यक्रम में जाएंगे। इसी दिन मातृ वन में पौधरोपण भी करेंगे। इसके बाद 17 सितंबर को अलवर से पावटा जाएंगे, जहां महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल होंगे।

पूर्व मंत्री सुंदरलाल काका का निधन

पिलानी (झुंझुनूं) (मसं.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुंदरलाल का 91 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। वे 5 सितंबर से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती थे, जहां गुरुवार देर रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। लोग उन्हें 'काका' कहकर बुलाते थे। इससे पहले फेफड़ों में इंफेक्शन और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें 23 अगस्त को भी एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके कुछ दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। सुंदरलाल काका की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव झुंझुनूं जिले की बुहाना तहसील के कलवा पहुंची। गांव में स्थित फार्म पर बड़े बेटे बिजेंद्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान लोगों ने सुंदरलाल के पुत्र कैलाश मेघवाल को ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि सुंदरलाल सात बार विधायक रहे। 1972 में पहली बार कांग्रेस के टिकट से झुंझुनूं जिले की सूरजगढ़ विधानसभा सीट से विधायक बने। इसके बाद कभी निर्दलीय तो कभी कांग्रेस से विधानसभा में पहुंचे। बाद में भाजपा में शामिल हो गए। 2003 में भाजपा के टिकट से जीते। वे 2018 तक भाजपा से विधायक रहे।

पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम किया

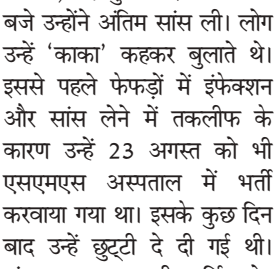

नई दिल्ली (मसं.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार आइलैंड की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। शाह ने कहा कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जनवरी 2023 को नेताजी की 126वीं बर्थ एनिवर्सरी पर अंडमान और निकोबार आइलैंड के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का फैसला लिया था।

राइजिंग राजस्थान के तहत सीएम का जापान दौरा

'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' प्रदेश में निवेश का मूलमंत्र : शर्मा

महानगर संवाददाता

जयपुर/ओसाका। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इन दिनों राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन को लेकर निवेशकों को आमंत्रित करने दक्षिण कोरिया और जापान गए हुए हैं। अभी सीएम जापान में हैं। शुक्रवार को सीएम शर्मा ने ओसाका में अप्रवासी राजस्थानियों से मुलाकात कर उन्हें प्रदेश में आने का न्यौता दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जापान के उद्योगपतियों ने पहले भी हमारे साथ नीमराणा के जापानी जोन में निवेश किया है और प्रदेश सरकार ने उन्हें हर सुविधा दी है। अब हम धीलोट में जापानी निवेशकों के लिए एक और हब खोलने जा रहे हैं। हमें आने वाले 5 सालों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाना है। हमारी सरकार निवेशकों के मुद्दे सुलझाने और राज्य में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। नीमराणा इन्वेस्टमेंट जोन की सफलता से स्पष्ट है कि हम आगे भी राजस्थान और जापान की साझेदारी को और मजबूत करने का कार्य करते रहेंगे। हमारी सरकार राजस्थान एक्सपोर्ट प्रोमोशन नीति, राजस्थान : एक जिला एक उत्पाद नीति, राजस्थान डाटा सेंटर नीति, एमएसएमई नीति जैसी कई महत्वपूर्ण नीतियां ला रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का भी कार्य कर रहा है। राजस्थान सौलर, ऑटोमोटिव जैसे सेक्टर्स में भी प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

हमारी सरकार ने की राजनिवेश पोर्टल की पहल

हमारी सरकार ने राजनिवेश पोर्टल की पहल की है, जो 14 विभागों की 123 सेवाओं को एकीकृत करता है और समयबद्ध तरीके से निवेशकों को मंजूरी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एक आदर्श निवेश की जगह है। जहां कुशल मानव संसाधन के साथ ही प्राकृतिक संसाधन भी प्रचुरता के साथ उपलब्ध हैं। साथ ही रोड की कनेक्टिवटी भी सही है। उन्होंने कहा कि आप राजस्थान में निवेश करके भारत और जापान के संबंधों को और मजबूती देने का कार्य करें।

प्रदेश भाजपा इकाई करेगी मुख्यमंत्री का स्वागत

जापान से लौटने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शनिवार को प्रदेश भाजपा इकाई स्वागत करेगी। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में समारोह आयोजित होगा। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर सभी मोर्चों के अध्यक्ष, विधायक और मंत्री मौजूद रहेंगे। राठौड़ ने कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रवासियों को राजस्थान में निवेश के लिए निमंत्रण दिया गया है। इससे प्रदेश में रोजगार बढ़ाने के किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

एसओजी-एटीएस ने गत 10 वर्षों में 50 से अधिक आरोपियों को किया गिरफ्तार

आतंकियों की पनाहगाह बना हुआ है राजस्थान

● हिमांशु शर्मा

जयपुर। भारत के पड़ोसी देश ही नहीं, बल्कि राजस्थान भी आतंकियों की पनाहगाह बना हुआ है। राजस्थान में एसओजी-एटीएस ने गत 10 सालों में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल करीब 50 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विधायक संदीप शर्मा के विधानसभा के पूछे गए सवाल पर राज्य सरकार ने जानकारी दी थी कि प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया एवं अन्य आतंकी संगठनों की मदद करने वाले व इनसे जुड़े गिरफ्तार व्यक्तियों की कुल संख्या 50 को पार कर गई है।

गत अगस्त 2024 में ही हुई एक कार्रवाई ने फिर से देश से लेकर प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चिंता पैदा कर दी है। इस कार्रवाई में भिवाड़ी में अलकायदा का आतंकी मॉड्यूल पकड़ा गया है। वहीं इससे पहले भी इंडियन मुजाहिदीन, आईएसआईएस से लेकर पीएफआई और टेरर फंडिंग से जुड़े आरोपियों को भी पकड़ा गया है। टेरर फंडिंग के एक केस में तो एटीएस को पैसा इस्लामिक कंट्री तक में भेजे जाने के इनपुट मिले। इंटरनेशनल एंगल देखते हुए उस मामले में एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) से जांच तक कराने की सिफारिश तक की गई। वहीं प्रदेश में 2023 में हुए विधानसभा चुनावों से पहले ही राजस्थान के कई जिलों में आतंकी नेटवर्क की तलाश में एक साथ एनआईए ने छापे मारे। प्रदेश से जुड़े आतंकी संगठनों के तार का नेटवर्क खंगालने के लिए एटीएस कई जिलों में पहुंची और कार्रवाई की। एनआईए ने राजस्थान में टेरर फंडिंग मामलों को ट्रेस करने और बैंक खाते खंगालने तक का काम किया और कई लोगों से पूछताछ की थी। वर्ष 2014 से 2024 तक की गई अलग-अलग कार्रवाईयों में गिरफ्तार आतंकियों की जांच में इनके इंडियन मुजाहिदीन संगठन, आईएसआईएस, आईएसआईएल, पीएफआई जैसे संगठनों से जुड़े होने के सबूत सामने आए।

कांग्रेस सरकार में कार्रवाई में कमजोर रही एटीएस

प्रदेश के कई जिलों में आतंक के स्लीपर सक्रिय हैं। राजस्थान में एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के पास इन्हें बेनकाब करने का जिम्मा रहा है। केंद्रीय एजेंसियां समय-समय पर एटीएस को उन संदिग्ध जिलों के बारे में सूचना देती रहती है, जिनमें आतंकी मॉड्यूल काम कर रहे हैं, लेकिन सूचना मिलने के बाद भी प्रदेश में 2018 से 2023 तक रहे कांग्रेस के शासनकाल में एटीएस ने आतंकियों का मॉड्यूल तलाशने के बजाय डोडा पोस्त, अवैध डीजल, नकली गुटखा, पान मसाला, कालाबाजारी व सट्टेबाजों को पकड़ने पर ध्यान दिया। गौरतलब है कि 2008 में जयपुर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद एटीएस का गठन किया गया था।

एंटी टेरर फंडिंग सेल ही नहीं

बताया जाता है कि एटीएस के पास आतंक की फंडिंग को पकड़ने का तंत्र नहीं है। हालांकि राजस्थान एटीएस एवं एसओजी की ओर से 10 सालों में पकड़े गए 50 आतंकियों के प्रकरण संख्या 08/2016 में पुलिस थाना एसओजी का अनुसंधान एनआईए से करवाने के लिए 14 मार्च 2017 को पत्र लिखा गया। वहीं एटीएस एवं एसओजी की मांग पर सरकार ने आतंकियों की जांच एनआईए से करवाने के लिए संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय को 18 अप्रेल 2017 को पत्र लिखा। एनआईए को जांच के लिए लिखने का कारण एंटी टेरर फंडिंग सेल नहीं होना रहा। एनआईए बैंकिंग और ऑडिट एक्सपर्ट्स के जरिए टेरर फंडिंग पर नजर रखती है। इंटरनेशनल लेन-देन का इनपुट मिलने पर एनआईए को जांच के लिए लिखा गया तो राजस्थान में एनआईए पिछले 4 साल में पीएफआई और गैंगस्टर-आतंकवाद सांठगांठ वालों के करीब 1 दर्जन से अधिक खाते सीज कर चुकी है।

कई देशों में आतंकी संगठन एक्टिव

भारत सहित पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, म्यामार आदि देशों में आतंकी संगठन एक्टिव हैं। भारत में एक दशक में पकड़े गए सभी आतंकी एक ही समुदाय विशेष के हैं। इनमें से कई तो अनपढ़ हैं और कई इंजीनियर व पढ़े-लिखे हैं। गत माह भिवाड़ी से जिन 6 संदिग्धों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया, उनके तार आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़े हुए हैं। इस कार्रवाई के दौरान एटीएस ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड में एटीएस के साथ मिलकर कई शहरों में छापेमारी की है। ऑपरेशन में अलकायदा से प्रेरित एक मॉड्यूल अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) का खुलासा हुआ। शुरुआती जांच में इस मॉड्यूल का संचालन रांची का डॉ. इश्तियाक कर रहा था। वह देश के विभिन्न इलाकों में बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में जुटा था।

कुछ भटके लोग भारत मां को दे रहे हैं पीड़ा: धनखड़

अमेरिका में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर उपराष्ट्रपति का जुबानी हमला

महानगर संवाददाता

किशनगढ़। अमेरिका में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जुबानी हमला किया है। राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ भटके लोग संविधान की शपथ लेने के बावजूद भारत मां को पीड़ा दे रहे हैं। वे राष्ट्र की परिकल्पना को समझ नहीं पा रहे हैं। पता नहीं कौन-से स्वार्थ को ऊपर रखकर भारत मां को लहूलुहान करना चाहते हैं।

उपराष्ट्रपति अजमेर के किशनगढ़ में केंद्रीय यूनिवर्सिटी के एक समारोह में शुक्रवार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्या हम कल्पना भी कर सकते हैं कि हम देश के अंदर या बाहर देश के प्रति सही आचरण नहीं करेंगे, जो हमारे देश के राष्ट्रवाद को कुंठित करता है। उन्होंने कहा कि हमारे सपने पूरे करो, दुश्मनों के सपने पूरे करने में क्यों लगे हुए हो? इतिहास ने उनको कभी माफ नहीं किया है, जिन्होंने देश के साथ ऐसा आचरण किया है। गौरतलब है कि अमेरिका दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने मंगलवार को आरक्षण पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे। फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।

'कुछ लोगों पर राजनीति हावी हो गई'

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों पर राजनीति इतनी हावी हो गई है कि राष्ट्रहित को भूल गए। विदेश जाकर राष्ट्रहित पर कुठाराघात करने लगे हैं। विदेश में उन लोगों से मिल रहे हैं, जिनकी करतूत जगजाहिर है। ऐसे लोगों के साथ बैठकर चिंतन करने में हमारे दिल पर क्या गुजरी होगी। मैं अंदाजा लगा सकता हूं। मेरा उनसे आग्रह रहेगा कि हर भारतीय देश के बाहर कदम रखता है तो हमारे राष्ट्रवाद का राजदूत है। हमारी संस्कृति का राजदूत है और इसको अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिपक्ष के नेता के रूप में प्रमाणित किया है, जो बाद में भारत के प्रधानमंत्री बने।

खरनाल में वीर तेजाजी महाराज के किए दर्शन

उपराष्ट्रपति ने सपत्नीक तेजाजी महाराज की जन्मस्थली खरनाल में लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के दर्शन किए और देश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों तथा क्षेत्रवासियों से चर्चा भी की।

राजस्थान में हुआ सफल परीक्षण, ढाई साल में सेना में होगा शामिल

पहाड़ी इलाकों में दौड़ेगा स्वदेशी हल्का टैंक

महानगर संवाददाता

जैसलमेर। भारत में बने लाइट टैंक जोरावर का जैसलमेर में सफल परीक्षण किया गया। हल्का होने के कारण जोरावर पहाड़ी इलाकों में बहुत तेजी से दौड़ सकता है। ये टैंक अधिक ऊंचाई वाले लद्दाख जैसे इलाकों में तैनात किए जाएंगे। रेगिस्तानी इलाकों में शुक्रवार को किए गए फील्ड टेस्ट के दौरान लाइट टैंक ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए सभी टारगेट को पूरा किया। प्रारंभिक चरण में टैंक के फायरिंग प्रदर्शन का कड़ाई से मूल्यांकन किया गया और इसने दिए लक्ष्यों पर आवश्यक सटीकता हासिल की।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की इकाई लड़ाकू वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान ने लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के सहयोग से टैंक को विकसित किया है। ढाई साल से कम समय में 25 टन वजनी लाइट टैंक जोरावर को डिजाइन करने के साथ ही उसका पहला प्रोटोटाइप भी बनाया और उसकी टेस्टिंग भी की गई है। जोरावर को सभी परीक्षणों के बाद साल 2027 तक भारतीय सेना में शामिल किए जाने की उम्मीद है।

यह उपलब्धि महत्वपूर्ण डिफेंस सिस्टम और टेक्नोलॉजी में भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इसके लिए भारतीय लाइट टैंक के सफल परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और सभी एसोसिएट भागीदार की जितनी सराहना की जाए कम है।
-राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना के 2 जवान शहीद

श्रीनगर (मसं.)। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चत्तरू में शुक्रवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में सेना के 2 जवान शहीद हो गए। इनकी पहचान नायब सूबेदार विपन कुमार और सिपाही अरविंद सिंह के रूप में हुई है। तीन और जवान घायल हुए हैं। मुठभेड़ देर रात तक जारी रही।

सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में दी जमानत

177 दिन बाद जेल से बाहर आए केजरीवाल

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार शाम करीब 6:15 बजे तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। वे 177 दिन बाद जेल से निकले। इससे पहले सुबह सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में उन्हें जमानत दी थी। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो ईडी केस में बेल देते वक्त लगाई थीं।

जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने कहा कि मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है। मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। इन लोगों को लगा कि मुझे जेल में डालकर मेरा हौसला तोड़ देंगे। आज मैं जेल से बाहर आ गया हूं और मेरा हौसला 100 गुना ज्यादा बढ़ गया है। देश को अंदर से कमजोर कर रही राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ ऐसे ही लड़ूंगा। इसके बाद उन्होंने घर पहुंचकर माता-पिता का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व दिल्ली में पटाखा चलाना बैन होने के बावजूद आप कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के स्वागत में पटाखे चलाए। गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई ने केस दर्ज किया है। ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। शराब नीति केस में ईडी ने उन्हें 21 मार्च को अरेस्ट किया था। बाद में 26 जून को सीबीआई ने जेल से हिरासत में लिया था।

सूखे का होगा अंत

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने बताई आगामी योजना, बारिश करने या रोकने में होंगे सक्षम

पांच साल में मौसम को कंट्रोल कर सकेंगे वैज्ञानिक

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में इतने एक्सपर्ट बन जाएंगे कि वे बारिश, बिजली और ओलों की बारिश पर नियंत्रण कर लेंगे। यानी जब जहां जरूरत होगी, वहां बारिश करवा पाएंगे। अगर कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है तो उसे रोक देंगे या कम कर देंगे। ऐसा ही वे बिजली और ओलों के साथ भी कर सकेंगे। इस बारे में एक अंग्रेजी अखबार को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने बताया कि हम बारिश को दबाने और बढ़ाने का शुरुआती एक्सपेरीमेंट करने जा रहे हैं। पहले 18 महीनों तक लैब में क्लाउड चैंबर्स बनाकर उनके अंदर प्रयोग किए जाएंगे, लेकिन यह पक्का है कि पांच साल में हम निश्चित तौर पर कृत्रिम तरीके से मौसम में बदलाव ला सकते हैं। यानी आर्टिफिशियल वेदर मॉडिफिकेशन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सरकार की योजना मिशन मौसम का हिस्सा है। इसे आगे बढ़ाने की मंजूरी कैबिनेट से मिल चुकी है। जब रविचंद्रन से यह पूछा गया कि किसी दिवस विशेष पर बारिश को कम किया जा सकता है तो उन्होंने कहा कि ये ट्राई किया जा सकता है।

मिशन मौसम के तहत और क्या करेंगे वैज्ञानिक?

मिशन मौसम के तहत सिर्फ बारिश, बिजली और ओलों पर नियंत्रण ही नहीं होगा, बल्कि मौसम की एकदम सटीक भविष्यवाणी करने की तैयारी भी चल रही है। शॉर्ट और मीडियम रेंज फोरकास्ट को 5-10 फीसदी तक लाने का प्रयास है। इसके लिए आईएमडी एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है। हम एक भी प्राकृतिक प्रक्रिया को मिस नहीं करेंगे। पहले ही बता देंगे कि किस इलाके में बादल फटने वाला है। ऐसी जानकारियों के लिए साइंटिस्ट मौसम जीपीटी बना रहे हैं। यह चैटजीपीटी की तरह का एप्लीकेशन होगा। यहां मौसम संबंधी जानकारियां बेहद तेजी से मिलेंगीं। यह लिखित में भी होंगी और ऑडियो फॉर्मेट में भी।

इन देशों में होता है बारिश कंट्रोल करने का प्रयास

बारिश को तेज करने या उसे दबाने का काम अमेरिका, कनाडा, चीन, रूस और ऑस्ट्रेलिया समेत कुछ और देशों में होता है। इसके लिए क्लाउड सीडिंग प्रोजेक्टस चलते हैं। कहीं पर ओवरसीडिंग कराई जाती है। इससे ओले गिरने की आशंका कम हो जाती है, ताकि फसलों और फलों के बागान को नुकसान न हो। फिलहाल इसके लिए जो प्रयोग चल रहा है, उसे क्लाउड एयरोसोल इंटरैक्शन एंड प्रेसिपिटेशन इनहैंसमेंट एक्सपेरिमेंट नाम दिया गया है।

एक बारिश पर लागत 10 से 15 लाख रुपए

कृत्रिम बारिश पर 10 से 15 लाख का खर्च आएगा। अब तक दुनिया में 53 देश इस तरह का प्रयोग कर चुके हैं। कानपुर में छोटे विमान से इस आर्टिफिशियल रेन के छोटे ट्रायल किए गए हैं। कुछ में बारिश हुई तो कुछ में सिर्फ बूंदाबांदी। उदाहरण के तौर पर कृत्रिम बारिश से वायु प्रदूषण का इलाज खोजा जाता है।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने किया जनाना व महिला चिकित्सालय का दौरा, स्टूडेंट्स डॉक्टर्स को देख जताई नाराजगी

'मरीजों की जान के लिए खतरा बन सकती है लापरवाही'

रोस्टर के तहत सीनियर डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाने के दिए निर्देश

महानगर संवाददाता

जयपुर। महिला चिकित्सालय और जनाना अस्पताल में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने देर रात औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों अस्पतालों में न ही कोई सीनियर डॉक्टर मौजूद था और न ही कोई प्रशासनिक अधिकारी, जिससे राठौड़ हैरान रह गईं। अस्पताल के कॉमन एरिया में लाइटें बंद मिलीं, जबकि जगह-जगह जाले और गंदगी दिखने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। राठौड़ ने कहा कि यह स्थिति आपातकालीन सेवाओं और रोगियों की देखभाल में बड़ी लापरवाही है, जिससे मरीजों की जान को खतरा हो सकता है।

अस्पताल की स्वच्छता और प्रबंधन पर उठाए सवाल

राठौड़ ने सबसे पहले जनाना अस्पताल का दौरा किया, जहां उन्होंने कॉमन एरिया में बंद लाइटें देखी और जगह-जगह जाले और गंदगी मिली। यह देख उन्होंने अस्पताल की स्वच्छता और प्रबंधन पर सवाल उठाए। इसके बाद वे महिला चिकित्सालय पहुंचीं, जहां स्थिति कुछ बेहतर नहीं थी। महिला चिकित्सालय में भी केवल स्टूडेंट डॉक्टर्स की उपस्थिति देखकर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और सीनियर डॉक्टर्स की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। राठौड़ ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि सीनियर डॉक्टर्स की रात की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार सुनिश्चित की जाए ताकि आपातकालीन स्थिति में आने वाले रोगियों को तत्काल और बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

अस्पताल में महिला गार्ड्स की करें तैनाती

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया और कहा कि अस्पताल में पर्याप्त संख्या में गार्ड लगाए जाएं, खासकर महिला चिकित्सालय में महिला गार्ड्स की तैनाती की जाए। साथ ही, अनाधिकृत व्यक्ति यों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए और सभी संवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता के सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया। इस निरीक्षण के बाद, राठौड़ ने संबंधित अधिकारियों को अस्पतालों की व्यवस्थाओं में सुधार लाने और रोगियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए।

अतिक्रमण नहीं किए जाएंगे बर्दाश्त : शर्मा

महानगर संवाददाता

जयपुर। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने शुक्रवार को गुर्जर की थड़ी, शांति नगर, द्रव्यवती नदी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से उनकी समस्याएं जानी और मौके पर अधिकारियों को उनसे समाधान के निर्देश दिए।

विधायक शर्मा सुबह के समय वार्ड 52 के विभिन्न हिस्सों में निरीक्षण पर निकले। इस दौरान उन्हें 80 फीट रोड पर अतिक्रमणों की भरमार मिली। स्थानीय लोगों ने अतिक्रमणों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। इस पर विधायक ने लोगों को जल्द कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि शहर में अतिक्रमणों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद उन्होंने मौके से ही अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने और सड़कों के गड्ढे भरने के निर्देश दिए।

विधायक शर्मा का किया स्वागत

शांति नगर-बी कॉलोनी के लोगों ने विधायक गोपाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान शर्मा ने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर क्षेत्र की पार्षद पूनम शर्मा, वार्ड अध्यक्ष मुरारीलाल, महिला मोर्चा की गुड़िया, कॉलोनी अध्यक्ष राम मनोहर, संजय सैनी, धर्मेंद्र सिंह परिहार, हिमांशु शर्मा, अभिषेक कटारिया, नंदन सिंह, मनीष कुमावत बूथ अध्यक्ष, गोविंद, कृष्ण कुमार, रामगोपाल, रामलाल, मुन्नी, नवीन, संजय सैन आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं-बालिकाओं के लिए संचालित योजनाओं का करें प्रचार : सोनी

महानगर संवाददाता

जयपुर। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेंद्र सोनी ने बुधवार को निदेशालय महिला अधिकारिता का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के समग्र विकास के लिए संचालित योजनाओं का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान निदेशालय भवन के सभी कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई नियमित रूप से रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विभाग के रिकॉर्ड रूम को भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इसके बाद शासन सचिव सोनी ने अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही उन्होंने विभाग में संचालित पत्रावलियों को ई-फाइल के माध्यम से प्रस्तुत करने, राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने तथा तय समय में लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक राजेश सिंह और महिला अधिकारिता के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक शर्मा ने नारायणी धाम जा रही पदयात्राओं का किया अभिनंदन

सैन समाज राष्ट्रहित के प्रति सदैव समर्पित : गोपाल शर्मा

महानगर संवाददाता

जयपुर। 'नारायणी पूज रही पहाड़ा में... चालो रे माता के धाम' ये उद्घोष सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने शुक्रवार को जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल पर सैन समाज की नारायणी धाम की पदयात्राओं के स्वागत के दौरान किया।

इस मौके पर सैन महाराज और नारायणी माता के जयकारे गूंज रहे थे। समाज के पदाधिकारियों की ओर से विधायक गोपाल शर्मा, कालीचरण सराफ समेत सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया।

सैन समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी विजय सैन ने बताया कि समाज के पावन तीर्थ स्थल श्री नारायणी धाम, अलवर जा रही विभिन्न क्षेत्रों की पदयात्राओं का महासंगम प्रतिवर्ष जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल पर होता है। यहां श्रद्धालुओं के स्वागत अभिनंदन के साथ ही भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जाती है। पूरे प्रदेश से आने वाली पदयात्राओं का स्वागत विधायक गोपाल शर्मा ने किया। समारोह में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ और वरिष्ठ भाजपा नेता सुमन शर्मा भी शामिल हुई।

'सैन समाज के लिए प्रमुख तीर्थस्थल है नारायणी धाम'

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि श्री सैन महाराज और नारायणी माता के आशीर्वाद की छत्रछाया में पवित्र नारायणी धाम जा रही पदयात्राओं के महासंगम में सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं के अभिनंदन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शर्मा ने कहा कि श्री नारायणी धाम संपूर्ण भारत के सैन समाज के लिए प्रमुख तीर्थस्थल है। ये पदयात्राएं समाज की परंपरा और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता की पावन अभिव्यक्ति हैं। विधायक शर्मा ने कहा कि सैन समाज राष्ट्रहित के प्रति सदैव सजग और समर्पित रहा है। नारायणी माता की कृपा हम सभी श्रद्धालुओं पर बरसती रहे।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सरना, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष वर्तिका सैन, कैलाश नापित, मुरारी लाल भुज, बबलू खैरथल, सुनील गोयल, राजेश सवाई माधोपुर, रमन चौहान, विष्णु बेंगलुरु, सुनील गहलोत, नरेश सारसोप, राजेश नटवाड़ा, सत्यनारायण अरनिया, गोविंद अलीगढ़, कैलाश बोकडावास, बाबूलाल, शंकर, कालूराम, भंवर मेरू, सत्यनारायण पराणा, बाबूलाल, लक्ष्मण डांगरथल, परमेश्वर, राधेश्याम, कजोड़, रमेश, मोहित माथुर, भाजपा युवा नेता जितेंद्र चौधरी, योगेश और सविता सैन आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल, सीएम, विधानसभा अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

हिंदी को तकनीक से जोड़ आधुनिक विश्व की भाषा बनाएं : बागड़े

महानगर संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने हिंदी दिवस पर कहा कि हिंदी भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति है। हिंदी भाषा देश के स्वाभिमान की प्रतीक है। विश्वभर में फैले भारतवासियों को यह अपनत्व की डोर से जोड़ती है। उन्होंने हिंदी को तकनीक से जोड़ते हुए आधुनिक विश्व की भाषा बनाए जाने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हिंदी भाषा सदियों से हम भारतवासियों के विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम रही है। देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ ही दुनिया के कोने-कोने में बसे करोड़ों भारतीयों को मातृभूमि से जोड़े रखने में हिंदी भाषा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हिंदी भाषी राज्यों में अग्रणी है। ऐसे में हिंदी के विकास का वाहक बनने का दायित्व हमारे कंधों पर अधिक आ जाता है। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपने कामकाज एवं व्यवहार में हिंदी भाषा का अधिकाधिक उपयोग कर इसके गौरव को बढ़ाने में अहम योगदान देने का आह्वान किया।

भारतीय संस्कृति की सच्ची परिचायक है हिंदी : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि हिंदी समृद्ध भाषा है। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में हिंदी भाषा का बहुत बड़ा योगदान है। एक भाषा के रूप में हिंदी भारत की पहचान के साथ भारतीय जीवन मूल्य, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक है। हिंदी सरल, सहज और सुगम भाषा है। हिंदी भाषा को दुनियाभर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मिलते हैं। देवनानी ने कहा कि हिंदी भाषा का महत्व अब विदेशी धरती पर भी बड़ा है। यह आपसी सौहार्द को बढ़ाने वाली भाषा है। हिंदी भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डोटासरा ने की धर्मिक कार्यक्रमों में शिरकत

जयपुर (मसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को वीर तेजाजी महाराज की दशमी तथा लोकदेवता बाबा रामदेव की जयंती पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत की। डोटासरा अजमेर जिले के सुरसुरा ग्राम पहुंचे व वीर तेजाजी महाराज के ऐतिहासिक वार्षिक मेले में सम्मिलित हुए। उसके बाद नागौर जिले परबतसर स्थित वीर तेजाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। डोटासरा का मंदिर समिति द्वारा स्वागत किया गया।

जेडीसी ने आईपीडी टावर और निर्माणाधीन सेटेलाइट अस्पताल का किया दौरा

तय समय सीमा में प्रोजेक्ट पूरा करने के दिए निर्देश

महानगर संवाददाता

जयपुर। जेडीसी आनन्दी ने शुक्रवार को निर्माणाधीन प्रमुख परियोजना आईपीडी टॉवर और शिवदासपुरा में निर्माणाधीन सेटेलाईट अस्पताल का दौरा किया। साथ ही जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल व टोंक रोड पर चल रहे सड़क मरम्मतीकरण के कार्यों का मौका निरीक्षण भी किया। जेडीसी ने दौरे के दौरान आईपीडी टॉवर व कॉर्डियो भवन की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। आईपीडी टॉवर के विभिन्न चिकित्सीय तलों के कार्य के लिए प्रस्तावित इस्तेमाल व कार्य में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री और कार्य की प्रगति में आरी बाधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्डियो भवन के कार्य को अक्टूबर-2024 तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

दीपावली से पहले सड़कों की मरम्मत के दिए नर्देश

जेडीसी ने दीपावली व राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 के मद्देनजर सभी सड़कों को समयसीमा में सुधारने के निर्देश दिए। सांगानेर से हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के सामने की सड़क की चौड़ाई बढ़ाने में आ रही कठिनाईयों व उनका शीघ्र निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान बने जन आंदोलन : डॉ. सौम्या गुर्जर

महानगर संवाददाता

जयपुर। ग्रेटर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में शुक्रवार को 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के तहत आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समितियों के चेयरमैन, जोन उपायुक्त, स्वाथ्य उपायुक्त और अधिशाषी अभियन्ता मौजूद रहे। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बैठक में सभी जोन उपायुक्तों को निर्देश दिए कि स्वच्छता ही सेवा अभियान को जन आंदोलन बनाकर जनमानस को इस अभियान से जोड़ा जाए। इस अभियान की थीम 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' रखी गई है। इसलिए आमजन को इस अभियान के साथ जोड़कर उनके स्वभाव और संस्कारों में स्वच्छता की आदत बनी रहे इसके लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही सभी दुकानों, थड़ी-ठेले वालों को गीले व सूखे कचरे के डस्टबिन रखने की समझाइश करें साथ ही व्यापार मण्डलों, सब्जी मण्डियों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की समझाइश करें।

महापौर ने कहा कि सेग्रीकेशन का काम धरातल पर दिखना चाहिए। इसके लिए आमजन को पाबंद करे और गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग डालने के लिए समझाइश करें। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत सीटीयू को पूरी तरीके से साफ कर उसका सौन्दर्यीकरण कर विकास समितियों, संस्थाओं को गोद दिया जाए, जिससे भविष्य में उस स्थान पर कभी भी कचरा ना हो। महापौर ने सभी जोन उपायुक्तों को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत हो रही 8 प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे आज से मनाएगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

जयपुर (मसं)। हर वर्ष की भांति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर रेलवे द्वारा उनके स्वच्छता के प्रति संकल्प को पूर्ण करने के लिए स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाकर उनके स्वप्न को साकार करने का प्रयास किया जाता है। भारतीय रेलवे पर लगातार स्वच्छता में सिरमौर उत्तर पश्चिम रेलवे स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे पर इस वर्ष चौदह सितम्बर से एक अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर आयोजन किया जा रहा है। दो अक्टूबर को गांधी जयंती 'स्वच्छ भारत दिवस' के रूप में मनाया जायेगा। महाप्रबंधक अमिताभ के दिशा निर्देशानुसार 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे के मंडलों, कारखानों, एवं अन्य इकाइयों में कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों, स्वास्थ्य इकाइयों एवं रेलवे ट्रैक में श्रमदान के माध्यम से गहन स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

वक्फ कानून आखिरी दिन पक्ष-विपक्ष ने लगाया जोर, मंदिरों और मस्जिदों में स्कैन करवाए क्यूआर कोड

मुस्लिम खिलाफ में तो हिंदू समर्थन में चला रहे स्कैन अभियान

महानगर संवाददाता

जयपुर। वक्फ कानून में संशोधन को लेकर देश मे बहस जारी है। एक तरफ जहां मुसलमान विरोध में हैं और वक्फ कानून में संशोधन का क्यूआर कोड के जरिए ऑनलाइन वोटिंग कर विरोध कर रहे हैं। राजधानी में शहर आराध्य गोविंददेव जी मंदिर में बीते दो दिन से हिंदू समाजजन बिल के समर्थन में क्यूआर कोड के जरिए ऑनलाइन वोटिंग में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। मंदिर के बाहर क्यूआर कोड लगाकर समर्थन की अपील की गई है।

वहीं, लोगों ने बड़ी संख्या में वोटिंग भी की। लोगों ने कहा कि हम सभी ने एकजुट होकर भारत सरकार से अपील की है कि वक्फ बोर्ड को हटाया जाए, ताकि सनातन धर्म से जुड़े मंदिरों की जमीन और मकानों की रक्षा हो सके। मंदिर में एकत्रित होकर भक्तों ने अपनी सहभागिता दी। स्कैन कोड के माध्यम से मेल और पत्र भारत सरकार को भेजे।

हिंदू बोले -बहुसंख्यक क्यों उठाए खर्च

वक्फ एक आस्तिक द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए ट्रस्ट द्वारा रखी जाने वाली संपत्ति है। वक्फ शब्द के वास्तविक अर्थ के अनुसार, संपत्ति को अल्लाह की सेवा में रखा जाता है। इसलिए, संपत्ति और उसका उपयोग इस्लामी कानून के तहत शासित है। वक्फ अधिनियम में यह भी अनिवार्य है कि सरकार हर 10 साल में सभी वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण कराए। सर्वेक्षण का खर्च उठाता है करदाता। करदाता, जो कि बहुसंख्यक समुदाय है, को इसका खर्च क्यों उठाना चाहिए? भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत समस्त भारतीय नागरिकों को समानता का अधिकार मिलता है। कानून के सामने सभी भारतीय समान हैं लेकिन यह अधिनियम तो पूर्णतः इस समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है। वक्फ अधिनियम के प्रावधानों और उपयोग से पूरी तरह स्पष्ट है।

हम समानता व न्याय की मांग करते हैं

वक्फ अधिनियम को तत्काल निरस्त किया जाए। देश भर में वक्फ बोर्डों के पास मौजूद सभी संपत्तियों को सरकार द्वारा अपने अधीन कर लिया जाए। ऐसी हर संपत्ति की जांच के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय समितियां गठित की जाएं ताकि इसे उनके असली उत्तराधिकारियों को वापस किया जा सके। वहीं वक्फ अधिनियम को तत्काल निरस्त करने, देशभर में वक्फ बोर्डों के पास मौजूद सभी संपत्तियों को सरकार द्वारा अपने अधीन करने की मांग शामिल हैं। इसके अलावा यह भी मांग है कि ऐसी हर संपत्ति की जांच के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय समितियां गठित की जाएं तो इसे उनके असली उत्तराधिकारियों को वापस किया जा सके।

इनका कहना है

'कानून में बदलाव न हो। इससे वक्फ संपत्तियों को नुकसान होगा। यह काला कानून है। वक्फ संशोधन बिल संविधान विरोधी है। संविधान में वर्णित अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों के हनन का कारण बन सकता है।'

–शब्बीर कुरैशी मोहम्मदी,
जौहरी बाजार जामा मस्जिद के सदर

'इस बिल के बदलाव से सारे अधिकार जिला कलेक्टर के पास चले जाएंगे। वक्फ संपत्तियां सीधे उनके अधीन जाएगी, जो बिल्कुल गलत है। वक्फ मुसलमानों का धार्मिक मामला है और उसमें गलत नीयत के साथ जो संशोधन किए जा रहे हैं वह गलत है। वक्फ की सम्पति पर गलत तरीके से कब्जा करने की किसी भी कोशिश का हम विरोध करेंगे।'

-सैयद हबीब उर रहमान नियाजी,
दरगाह मीर कुर्बान अली

शिक्षक संघ राष्ट्रीय की नई कार्यकारिणी

जयपुर (मसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा बनीपार्क की कार्यकारिणी का निर्वाचन किया गया। निर्वाचन अधिकारी नवदत्त सिंह एवं पर्यवेक्षक रघुनंदन शर्मा के सानिध्य में कार्यकारिणी का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। जिसमें विद्याधर शर्मा अध्यक्ष, गोविन्द प्रसाद गुप्ता मंत्री, राकेश शर्मा कोषाध्यक्ष, सुरजा राम यादव सभा अध्यक्ष, प्रदीप शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गीतांजलि शर्मा महिला मंत्री का निर्वाचन हुआ। प्रदेश महा समिति के 6 एवं जिला महासमिति के लिए 24 सदस्यों का निर्वाचन किया गया। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण जिला मंत्री ओमप्रकाश टेलर एवं देवाराम प्रधानचार्य रामपुरा पावटा उपस्थित रहे।

कर्नल बैसला की जयंती मनाई

जयपुर (मसं)। प्रताप नगर स्थित देवनारायण मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. अर्जुन गुर्जर व सभी समाज के लोगों ने देवनारायण बोर्ड के चेयरमैन ओमप्रकाश भंडाना से प्रताप नगर में देवनारायण बालिका छात्रावास बनाने की मांग की। डॉ. शिव व विशाल खेतड़ी ने बताया कि हमें शिक्षा को बढ़ावा देकर समाज में जागृति पैदा करनी है। समाज को भी अच्छा स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा का महत्व कायम करना है। इस अवसर पर विशाल खेतड़ी, सतवीर पोसवाल, मिंटू सिंह, हेमराज गोनेर, कुलदीप शर्मा, राकेश, प्रदीप बोकन आदि मौजूद रहे।

जूही प्रजापति ने जीता स्वर्ण

जयपुर (मसं)। बनीपार्क की महारानी सीनियर सैकंडरी स्कूल में 68वी जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें एक बार फिर जयपुर की बेटी द पैलेस स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा जूही प्रजापति ने अपने अंडर 17 आयुवर्ग 32 किलो ग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब हुई। पदक जीतते ही जूही एसजीएफआई स्टेट कराटे चैंपियनशिप के लिए चयनित हो गई। जूही के कोच निर्मल बोहरा और प्रधानअध्यापक उर्वासी वर्मन ने जूही को बधाई दी है।

वीर तेजाजी की धूमधाम से मनाई जयंती

जयपुर (मसं)। रोड नं. 14 स्थित लक्ष्मी नारायणपुरी कॉलोनी में भाद्र पद शुक्ल दशमी, शुक्रवार को लोक देवता वीर तेजाजी व बाबा रामदेव जी की जयंती मनाई गई। स्थानीय निवासी व समाजसेवी बाबूलाल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान दिन में हवन का आयोजन किया गया। हवन के बाद दिनभर मेले में सैकड़ों श्रद्धालु ढोल नगाड़े बजाते हुए पहुंचे। इस दौरान वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति के सामने बड़ी ज्योत के सामने ही वीर तेजाजी महाराज, ग्वाल बाबा, नाग जी महाराज, वजीण माता की सवारी भी निकाली। श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। लोक देवता तेजाजी महाराज ने नीम के पत्तों का श्रद्धालुओं के झाड़ा भी लगाया। श्रद्धालुओं ने खीर, पुआ, पूड़ी व नारियल का भोग लगाया।

फाल्गुन और सुहेल का फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन

जयपुर (मसं)। सैंट जेवियर्स स्कूल के छात्र फाल्गुन पारीक और सुहेल मुंशी का शुक्रवार को राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन हुआ है। मोहित राजोरिया सैंट जेवियर्स स्कूल में फुटबॉल टीम के कप्तान है। दोनों छात्र अंडर-17 में है। फाल्गुन पारीक भाजपा के आलोक पारीक के पुत्र है जो सैंट जेवियर्स स्कूल की सी-स्कीम शाखा में अभी 11 कक्षा में अध्यनरत है।

शिक्षा है सशक्त और विकसित राष्ट्र की आधारशिला : बिरला

प्राइवेट कॉलेज वेलफेयर सोसाइटी का सम्मान समारोह

जयपुर/कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शुक्रवार को प्राइवेट कॉलेज वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में शिरकत की। बिरला ने कहा कि व्यक्ति और समाज निर्माण में शिक्षक की बड़ी भूमिका है। शिक्षा किसी भी समाज की बुनियाद होती है। एक सशक्त और विकसित राष्ट्र की आधारशिला शिक्षा पर ही टिकी होती है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी महाविद्यालयों की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

बाबा रामदेव जी का लक्की मेला

जयपुर/दौसा। दोसा जिले में बाबा रामदेव मेला समिति की ओर से शुक्रवार को दो दिवसीय बाबा रामदेव जी महाराज का लक्की मेला आयोजित हुआ। समिति अध्यक्ष शिवचरण मेहरा ने समारोह की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल रहे। इस मौके पर मंत्री मेघवाल ने ट्रस्ट में शैड लगवाने, लाइब्रेरी एवं अन्य विकास के लिए कार्य करवाने की घोषणा की। आयोजन समिति ने उपस्थित अतिथियों को माला मोमेंटो एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री मुंशीलाल कुंडारा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोमाराम टाटीवाल, राजस्थान प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा उपस्थित रहे।

केंद्रीय नेतृत्व की तीन सेक्टर रणनीति पर तैयार हुई हरियाणा की सोशल इंजीनियरिंग

प्रदेश के 100 नेता संभालेंगे हरियाणा का रण

महानगर संवाददाता

जयपुर। हरियाणा के चुनावी रण में राजस्थान से बड़ी संख्या में नेता मोर्चा संभालेंगे। पार्टी ने करीब 100 नेताओं को 60 से अधिक सीटों का जिम्मा सौंपा गया है। इनमें पांच स्टार प्रचारकों के साथ 20 प्रवासी नेता शामिल है। इस पूरी रणनीति के पीछे केंद्रीय नेतृत्व ने सोशल इंजीनियरिंग के साथ पड़ौसी राज्य, संस्कार और संस्कृति जैसे फैक्टरों को भी आधार बनाया है। खास बात है कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल से सर्वाधिक नेताओं को हरियाणा में भेजा है।

प्रदेश के कई जिले हरियाणा की सीमाओं के सटे होने के चलते वहां के जातीय समीकरण, संपर्क और आपसी रिश्तेदारी बहुत है। यही वजह है कि हरियाणा चुनाव में पड़ौसी राज्य राजस्थान के कंधों पर पूरी जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें 50 से अधिक महिला और 40 पुरुष नेता और कार्यकर्ता सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवाणी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और मेवात में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे है।

60 से अधिक सीटों का जिम्मा सौंपा गया

केंद्र की तीन सेक्टर रणनीति पर फोकस

भाजपा की तीन सेक्टर रणनीति में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को विशेष ध्यान में रखा गया है। पार्टी की यह रणनीति सीमावर्ती जिलों, दलित और राजपूत वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसी वजह से 40 स्टार प्रचारकों की सूची में राजस्थान से पांच नेताओं को प्रमुख कैम्पेनर बनाया है। इन नेताओं को जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण के लिहाज से अलग-अलग सीटों पर इनकी सभाएं होंगी।

इन नेताओं के हाथों में हरियाणा की कमान

सीएम भजनलाल शर्मा

7 सीमावर्ती जिलों की विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार का जिम्मा सौंपा है। पड़ौसी राज्य के सीएम फैज होने के नाते हरियाणा में बड़ी संख्या में चुनावी रैलियां करेंगे और पार्टी के लिए वोट मांगेंगे।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे

राजस्थान से सटी 7 सीमावर्ती जिलों की कमान राजे के हाथों में होगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष होने के नाते पार्टी की बड़ी जनाधार रखने वाली नेता हैं।

डॉ. सतीश पूनियां

हरियाणा के चुनाव प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी डॉ. सतीश पूनियां के पास है। वे बतौर प्रदेश चुनाव प्रभारी भाजपा को लीड कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी

राजस्थान में महिला नेता के तौर पर बड़ा राजपूत चेहरा है। हरियाणा में करीब आधा दर्जन सीटों पर राजपूत वोटर्स निर्णायक भूमिका में है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

हरियाणा में जाट के बाद बड़ा वोट बैंक दलित वोट बैंक भी है। ऐसे में केंद्र की राजनीति में मुख्य धारा में रहने वाले मेघवाल पर हरियाणा की दलित बाहुल्य सीटों की जिम्मेदारी रहेगी। इनके कई चुनावी रैलियां प्रस्तावित है।

राजस्थान के शेखावाटी अंचल से सर्वाधिक नेताओं को हरियाणा में भेजा है

इन नेताओं को भेजा

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद दामोदर अग्रवाल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल, पीपी चौधरी, विधायक बाबा बालकनाथ, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक कुलदीप धनकड़, गुरवीर सिंह बराड़, पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि नैयर, पूर्व विधायक बिहारीलाल विश्नोई, पूर्व जिलाध्यक्ष बलवीर विश्नोई, पूर्व सांसद मनोज राजोरिया, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, पूर्व जिलाध्यक्ष आत्माराम तरड़, पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, चूरू जिला अध्यक्ष प्रभा धांधावत, चूरू जिला उपाध्यक्ष नीलम पूनिया, किसना नेता सुमन कुलहरी समेत अन्य नेता शामिल हैं।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 12 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

महानगर संवाददाता

जयपुर। भगवान झूलेलाल सेवा समिति के तत्वावधान में 10वां सामूहिक विवाह सम्मेलन रविवार को आयोजित होगा। मीडिया प्रभारी पीयूष बच्चानी ने बताया कि सम्मेलन में 12 जोड़ों का सामूहिक विवाह करवाया जाएगा। विवाह समारोह का आयोजन लायंस पैराडाइस, न्यू सांगानेर रोड पर होगा। संरक्षक दादा सुन्दर ठाकुर ने बताया कि प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज एवं भगवान झूलेलाल की आराधना कर नवयुगलों के सुखी वैवाहिक जीवन की प्रार्थना की जाएगी। महासचिव लालचंद खानवानी ने बताया कि दोपहर 1 बजे जयपुर के प्रसिद्ध सुन्दर बेंड की मधुर स्वरलहरियों के साथ शीश महल भगवान झूलेलाल मंदिर से बारात रवाना होगी। मुख्य संयोजिका शोभा बसंतानी व समन्वयक किशोर दादलानी ने बताया कि वासुदेव खेमानी की ओर से निशुल्क बैंडवादन किया जाएगा। संयोजक द्वय मनीष संगतानी व श्याम कमलानी ने बताया कि दिन में 3.15 बजे महाराज धीरज शर्मा व अन्य पंडितों द्वारा सनातन धर्म पद्धति एवं सिंधी रीति-रिवाजो से फेरे करवाए जाएंगे। प्रवक्ता मूलचंद बसंतानी ने बताया कि इस विशाल आयोजन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है।

बच्चानी ने बताया कि इस अवसर पर एक रंगीन स्मारिका का विमोचन संतों द्वारा किया जाएगा, जिसमें वर-वधु का परिचय और समाज के भामाशाहों की सूची भी प्रकाशित की जाएगी। अध्यक्ष गिरधारी सम्भनानी ने बताया कि इस बार 105 से अधिक उपहारों की घोषणा की गई है।

भारतीय व्हीलचेयर हैंडबॉल टीम का किया सम्मान

महानगर संवाददाता

जयपुर। यूनाइट फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को वर्ल्ड व्हीलचेयर हैंडबॉल चैंपियनशिप में हिस्से लेने वाली भारतीय टीम का सम्मान किया गया। फाउंडेशन सचिव विजय पंडित ने टीम के सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इजिप्ट में 17 से 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल महासंघ की ओर से आयोजित वर्ल्ड व्हील चेयर हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान फाउंडेशन के संरक्षक शक्ति सिंह राठौड़, भरत राज चौधरी, तनीषा, प्रथम मिश्रा, डॉ. दीपक शर्मा, प्रतीक गोदारा और डॉ. सुमित तिवारी समेत अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

झालाना क्षेत्र में धर्म परिवर्तन कराने वाले दंपती को लोगों ने रंगे हाथ पकड़ा

हिंदू परिवार को तरह-तरह का लालच देकर फंसा रहे थे, पुलिस ने लिया हिरासत में

महानगर संवाददाता

जयपुर। गांधी नगर थाना क्षेत्र के झालाना इलाके में नर्सरी के सामने शुक्रवार को धर्म परिवर्तन कराने वालों को लोगों ने रंगे हाथ पकड़ा है।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जमवारामगढ़ निवासी आरोपी दंपती को हिरासत में ले लिया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इनके खिलाफ जबरन धर्मांतरण कराने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यह दंपती कई परिवारों का धर्म परिवर्तन करवाने की कोशिश कर रहे थे। कई लोगों को इन्होंने बहकाकर हिंदू धर्म छोड़कर धर्म परिवर्तन करने को मजबूर किया है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से यह दंपती हिंदू परिवारों को धर्म परिवर्तन करने का लोभ लालच देकर प्रार्थनाएं कराता है। शुक्रवार को भी तीन हिंदू परिवारों में प्रार्थना कराकर जब चौथे घर में प्रार्थना करने के लिए घुसा तो वहां एक व्यक्ति ने हिंदू संगठनों को सूचना दे दी। तब ये लोग पकड़ में आए। जानकारी के अनुसार अब तक यह दंपती करीब 100 परिवारों का धर्म परिवर्तन करा चुके हैं। कुछ हिंदू परिवारों ने इनके ब्रेनवाश करने पर हिंदू देवी-देवताओं तक की फोटो और प्रतिमाएं भी अपने घरों से हदा दीं। आरोप है कि कुछ लोगों को इन्होंने मकान बनाने, बच्चों की शादियां करने और बीमारियों से निजात दिलाने के लिए पैसे देने का लालच देकर जीसस ईशा मसीह को मानने को मजबूर किया था।

यूपीएस के विरोध में उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ ने निकाली रैली

महानगर संवाददाता

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल की ओर से भारत सरकार द्वारा लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के विरोध में शुक्रवार को रैली निकाली गई। इस दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल पदाधिकारी प्रवीण सिंह चौहान, मोहन पुनिया, सुनील यादव, मनीष शर्मा, प्रमोद डांगी, दीपक वर्मा, लोकेश कसाना सहित सभी शाखाओं के पदाधिकारी याकत अली, बिमलेश शर्मा, राजेश मीना, अनवर हुसैन, राजेश जांगिड़, अर्जुन लाल कुमावत सहित हजारों की संख्या में रेल कर्मी उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल कार्यालय पर एकत्रित होकर रैली के रूप में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुंचे ओर सभा मे शामिल हुए। रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मंडल द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई लेकिन यह योजना भी एनपीएस की तरह कर्मचारियो के साथ धोखा है योजना में भी कई कमियां होने के कारण यह पूरी तरह से सुरक्षित नही है। इसलिए हमारी मुख्य मांग ओपीएस की बहाली है।

मंडल मंत्री महेश शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा हर प्रकार से कमर्चारियों बेवकूफ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार को एनपीएस को ही नया स्वरूप देकर यूपीएस के नाम पर कर्मचारी हितों को कुचल रही है। सभा को उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के जोनल महासचिव विनोद मेहता ने भी संबोधित किया।

जीएसएस आउटसोर्सिंग के आधार पर देने के लिए निविदा आमंत्रित

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि सब स्टेशनों के परिचालन व संधारण में मितव्ययता लाने के लिए अन्य राज्यों की ट्रांसमिशन कम्पनियों के अध्ययन के बाद निगम के रीस्ट्रक्चरिंग प्रस्ताव के बाद वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त कर 132 केवी के ग्रिड सब स्टेशनों (बी एवं सी श्रेणी) के परिचालन व संधारण का कार्य आउटसोर्सिंग के माध्यम से देने के लिए आदेशित किया है। इस आदेश के अनुसार निगम नए बनने वाले 132 केवी के ग्रिड सब स्टेशनों (बी एवं सी श्रेणी) के परिचालन व संधारण आउटसोर्सिंग के आधार पर ही किया जाना सुनिश्चित करेगा और इसी के अधीन पदों पर नवीन भर्ती की कार्रवाई नहीं करेगा। राज्य सरकार द्वारा प्रति कलस्टर (3 नग 132 केवी सब स्टेशन) एक सहायक अभियंता, दो कनिष्ठ अभियंता और तीन तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों की संशोधित स्वीकृति दी गई है, जो इस कलस्टर पर संवेदक के कार्य का सुपरविजन और सब स्टेशन से संबंधित लाइनों के रख-रखाव का कार्य करेंगे। आदेश के अनुसार वर्ष 2016 से निरंतर खुली निविदा प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न फर्मों को कार्यादेश जारी किए जा रहे हैं। जिसके तहत उदयपुर, सिरोही, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर, कांकाणी, चित्तौड़गढ़, भाड़ला, बाड़मेर, बबई, रतनगढ़, मेड़ता, जैसलमेर, अलवर, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा वृत्त के अब तक 204 नग 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन के परिचालन व संधारण का कार्य आउटसोर्सिंग माध्यम के आधार पर दिया गया है। जिसमें वर्तमान में 4 फर्मों की ओर से कार्य संपादित किए जा रहे हैं। यह निगम की अनवरत प्रक्रिया के अधीन संपादित हो रहे हैं। इसी प्रक्रिया के क्रम में निगम द्वारा वर्तमान में 150 नग 132 केवी के ग्रिड सब स्टेशनों के परिचालन व संधारण का कार्य आउटसोर्सिंग के माध्यम के आधार पर निविदा मांगी गई है। निविदा में प्रस्तावित 150 नग का आधार पूर्व में दिए गए सब स्टेशनों की कार्यादेश अवधि का समापन, वर्तमान में कार्यरत एक फर्म द्वारा प्रदत्त सब स्टेशनों पर असंतोषजनक कार्य परिचालन एवं निगम में निकट समय में स्थापित होने जा रहे सबस्टेशनों का संकलन है। प्रक्रिया के माध्यम से संचालन की लागत में मितव्ययता बरती जा सकेगी और साथ ही नए ग्रिड सब स्टेशनों व सेवानिवृत्ति के आधार पर कम पड़ रही कर्मचारियों की संख्या की पूर्ति की जा सकेगी। इसलिए सब स्टेशनों के परिचालन एवं संधारण का कार्य आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराना राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अधीन है और इस प्रक्रिया को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित खबरें जैसे निगम को निजी फर्मों को सौंपना, निगम का निजीकरण आदि प्रकाशित किया जाना पूर्णतया भ्रामक व निरर्थक है।

दो दिन और बादलों की गहमागहमी के बाद निकलेगी तेज धूप, पूर्वी राजस्थान के सात जिलों में यलो अलर्ट

मानसूनी तंत्र कमजोर पड़ने से आगामी पांच दिन नहीं होगी भारी बारिश

महानगर संवाददाता

जयपुर। बंगाल की खाड़ी से झारखंड-छत्तीसगढ़ एमपी होते हुए एक कम दवाब वाला परिसंचरण तंत्र अब उत्तर दिशा यानी की हिमालय की ओर चला गया है। ऐसे में उस परिसंचरण तंत्र की परिधि में आने वाले पूर्वी राजस्थान के उन जिलों में भी बारिश हो सकती है, अन्यथा आगामी पांच दिन बरसात होने की संभावना नहीं के बराबर है। इसके अलावा एक और कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में बन रहा है, लेकिन एक तो वह इतना प्रभावशाली नहीं, दूसरा उसमें गति भी नहीं है। साथ ही उसके या तो बिहार की ओर जाने की संभावना या फिर उप्र तक पहुंचते ही बिखर जाने की संभावना है। अभी बंगाल की खाड़ी आए वेदर सिस्टम ने राजस्थान के पूर्वी हिस्से को तरबतर कर दिया। भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, बारां, दौसा समेत कई जिलों में बीते दो दिन में लगातार तेज बारिश हुई।

सवाई माधोपुर, धौलपुर में भारी बारिश के कारण कई कस्बों और गांवों में जलभराव की स्थिति हो गई। सवाई माधोपुर के खंडार में एक धार्मिक स्थल का निर्माणधीन हिस्सा पास के मकान पर गिर गया। मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं, धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। डिग्गी कल्याणजी मंदिर के ऊपर बिजली गिर गई, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। डिग्गी कल्याणजी मंदिर में जिस वक्त बिजली गिरी, तब वहां करीब 25 से 30 लोग थे। बिजली गिरने से मंदिर में लगे कुछ उपकरण खराब हो गए हैं। जयपुर के आमेर सागर बांध से मगरमच्छ निकलकर भैरव मंदिर पहुंच गया। लोगों की नजर जैसे ही मगरमच्छ पर पड़ी इधर-उधर भागने लगे।

सूचना पर वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर मगरमच्छ को पकड़ा और बुलेट पर रखकर नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ा। राजस्थान में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 61 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। वहीं 14 से 16 सितंबर तक राजस्थान में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी और कुछ स्थानों पर छुटपुट, जबकि कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

प्रदेश के 5 जिलों में 100 फीसदी से अधिक बरसात

इस बार मरुधरा में मेह की मेहर शानदार रही। 5 जिलों में तो बरसात सौ फीसदी से भी अधिक हुई। इनमें जैसलमेर में 152 फीसदी, टोंक में 104, सवाईमाधोपुर में 102, धौलपुर में 109 और दौसा में 145 फीसदी बरसात हुई। पश्चिमी राजस्थान में इस बार कुछ ज्यादा ही बरसात हुई। जोधपुर-बीकानेर संभाग के सभी जिलों में हनुमानगढ़ को छोड़कर सभी में सामान्य से 60 फीसदी अधिक बरसात हुई।

संक्षिप्त खबर

बाबा रामदेव जयंती पर निकाली शोभायात्रा

महानगर संवाददाता

खाटूश्यामजी। बाबा रामदेव महाराज की जयंती पर करनी माता मन्दिर से बाबा रामदेव की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल हुए। भक्त रोहिताश महाराज ने बताया कि यह 18वीं पदयात्रा है, इस उपलक्ष्य में मन्दिर पर भजन कीर्तन किया गया और भंडारे का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में भक्त बाबा रामदेव के भजनों पर झूमने लगे और रोहिताश के सानिध्य में करीब बीस भक्तों ने दंडवत प्रणाम भी किया। इस यात्रा के मनमोहक दर्शन अनेक लोग ने किए। इस अवसर पर शीशराम, मुकेश, महेन्द्र, मुकेश, सुनील कुमार, हरीश, प्रेम सोलंकी, दशरथ बोहरा, महेन्द्र घाटमदास आदि ने भाग लिया।

पांच पालकियों में सवार होकर आज नगर भ्रमण करेंगे भगवान

महानगर संवाददाता

खाटूश्यामजी। प्रसिद्ध बाबा श्याम धार्मिक नगरी में जल झूलनी एकादशी पर शनिवार को भगवान अलग-अलग मंदिरों से एक साथ पांच पालकियों में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। बाग का सीताराम मंदिर में सांवरमल शर्मा, जानकीनाथ मंदिर में पंडित जितेंद्र शर्मा, रामजीद्वारा स्थित सीताराम मंदिर में रामस्वरूप माटोलिया, बाबा श्याम मंदिर में स्थित गोपीनाथ मंदिर में राधेश्याम व्यास व गोपाल व्यास और मुख्य बाजार स्थित राम-लक्ष्मण मंदिर में गुलाबचंद महंत की ओर से पालकियों को सजाया जा रहा है। गौरतलब है कि जन्माष्टमी को कृष्ण जन्म के बाद जल झूलनी एकादशी पर खाटूश्यामजी कस्बे में एक साथ पांच पालकियों में भगवान विराजमान होकर नगर भ्रमण करते हैं। इस दौरान जगह-जगह भगवान की पूजा-अर्चना व एकादशी की कथा कर आरती उतारी जाती है।

छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए किया तैयार

जीओ स्पेशल साइंस पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। कस्बे के दी आनंदीलाल पोदार ट्रस्ट द्वारा संचालित सेठ ज्ञानीराम बंशीधर पोद्दार कॉलेज, पोद्दार जीपीएस व पानाबाई सीनियर सेकंडरी स्कूल में एसरी इंडिया दिल्ली की ओर से तीन दिवसीय जीओ स्पेशल साइंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सभी पोद्दार शैक्षणिक संस्थानों में कक्षा 8 से स्नातक स्तर तक के छात्रों को

मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनोद कुमार सैनी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को अनुभवी पेशेवरों और विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिलता है। मेंटर छात्रों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को जटिल अवधारणाओं को समझने और अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

इस कार्यशाला के माध्यम से भू-स्थानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए छात्रों को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी गई और छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार किया गया। इस अवसर पर एसरी टीम के सीईओ लक्ष्मी परमेश्वरम ने कहा कि एसरी इंडिया इसरो के सहयोग से भारत को जीओ स्पेशल साइंस के क्षेत्र में हब बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

इस सेमिनार के माध्यम से हम जीआईएस व जीपीएस तकनीकी के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए पेटेंट की सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। यह सम्पूर्ण कार्य इसरो के पूर्व चेयरमेन किरण कुमार, आईएमडी के पूर्व महानिदेशक डॉ. जेके रमेश और भारत के पूर्व महासर्वेक्षक गिरिश कुमार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

पोद्दार ट्रस्ट के चेयरमैन राजीव के. पोदार, ट्रस्टी वेदिका पोद्दार, अधिशाशी निदेशक एमडी शानभाग ने कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और विद्यार्थियों से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

लोक देवता वीर तेजाजी के मेले में उमड़ा जन सैलाब

गायक कलाकारों ने कथा ज्ञान का खोला भंडार, श्रोता सुनकर हुए भावुक

महानगर संवाददाता

रामगढ़ पचवारा। उपखंड मुख्यालय बाग वाली ढाणी स्थित वीर तेजाजी मंदिर में शुक्रवार को लोक देवता वीर तेजाजी मेले पर भक्कों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। उपखंड के दर्जनों गांवों के महिला-पुरुषों ने लोक देवता वीर तेजाजी महाराज मंदिर में जानवरों की रक्षार्थ प्रसाद चढ़ाते हुए अर्जी लगाई। इस अवसर पर मेले में गायक कलाकारों द्वारा पचवारा ढांचा ज्ञान कथा और वीर तेजाजी महाराज की कथा सुनाई गई। पचवारा के नामी गायक कलाकारों ने अपनी गायकी के चलते कार्यक्रम में संमा बांध दिया। कलाकारों ने तेजाजी की कथा सुनाकर महिलाओं और पुरुषों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम के दौरान लोकेश डांसर ने पचवारा ढांचा पर नृत्य कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर

दिया। वहीं उपखंड मुख्यालय स्थित लोक देवता वीर तेजाजी महाराज के मेले में लालसोट विधायक रामविलास डूंगरपुर ने शिरकत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर युवा नेता रमेश मेहर, राजेंद्र मीणा, राकेश मीणा, फूलचंद मीणा, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि विनोद मीणा, पूर्व सरपंच कजोड़ मीणा, हजारी लाल मीणा आदि ने लालसोट विधायक रामविलास डूंगरपुर का माला पहनाकर व साफा बंधवाकर स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की मांग पर लालसोट विधायक रामविलास डूंगरपुर ने बागवाली कोठी स्थित तेजाजी महाराज के स्थान पर विधायक कोटे से एक सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की। वहीं मंदिर प्रांगण में सीसी रोड व पानी की टंकी लगाने का आश्वासन दिया।

जिंद बाबा की बावड़ी के लिए जमीन आवंटन की मांग

लालसोट। उपखंड मुख्यालय लालसोट की ग्राम पंचायत टोडा ठेकला जिंद बाबा की बावड़ी स्थित पहाड़ियों की तलहटी में स्थित वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में मेला भरा, जिसमें दूर-दराज के लोगों ने पहुंचकर अपने पशुओं की रक्षार्थ दुआ मांगी। लालसोट विधायक ने भी मेले में पहुंचकर तेजाजी से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक से 1000 वर्ष पुरानी जिंद बाबा की बावड़ी के लिए जमीन आवंटन मांग की। इस मौके पर पूर्व भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रामजीलाल डोई, वैध मस्तराम महंत, रेवडमल गुर्जर, मीठालाल प्रजापत, हरकेश शाहपुरा, गुलाब बंजारा, भौरी लाल बंजारा, उप सरपंच मनोहर प्रजापत, हीरालाल प्रजापत, सुरज्ञान डोई सहित हजारों की तादाद में लोग मेले में उपस्थित रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सालय में भगवानजी हलवाई की मनाई पुण्यतिथि

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। कस्बे के राजकीय भगवानजी हलवाई होम्योपैथिक चिकित्सालय में भगवानजी हलवाई की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर उनकी फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर और दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर वृक्षमित्र श्रवण कुमार सांखू, डॉक्टर सुनील गुप्ता, एडवोकेट तरुण मिंतर, महन्त योगी नाथ आदि का सम्मान किया गया। इस दौरान भगवाजी हलवाई की याद में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल ने कहा कि भगवानजी हलवाई ने हमारे नवलगढ़ का नाम देश-विदेश में रोशन किया है। सिकाई के राजभोग इन्हीं की देन है। 90 वर्षों से इनकी तीन पीढ़ियां राजभोग बनाकर अपनी पहचान बना रखी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता सुरेंद्र सैनी फूलवाला ने की। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चोटिया, डॉक्टर सुनील गुप्ता, योगीनाथ महाराज, ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य महाराज आदि अतिथि मौजूद रहे। इनके अलावा सेकसरिया, डीपी शर्मा, राधेश्याम बागवान, मूलचंद सैनी, पार्षद जायंती बील, संजय सैनी, सूबेदार गोकुलचंद सैनी, हरीश हिंदुस्तानी, अनिल सैनी, बनवारी सैनी, गिरधारी सैनी सहित अनेक गणमान्य जन मौजूद रहे।

रोमांचक मुकाबले में कोलीड़ा ने जीता फुटबॉल का खिताब

महानगर संवाददाता

सीकर। पनलावा गांव में गोगापीर सेवा समिति के तत्वावधान में संपन्न हुई ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में कोलीड़ा की टीम ने पुनिया का बास को हराकर खिताब जीत लिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान पर हुई प्रतियोगिता का फाइनल मैच शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद पुनिया का बास के खिलाड़ी ने गोल कर बढ़त बनाई। मैच के अंतिम क्षणों में पुनिया के बास के गोल एरिया में हुए फाउल पर कोलीड़ा को पेनल्टी किक मिला, जिसे कोलीड़ा के राजेश भार्गव ने गोल में तब्दील कर अपनी टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया। इसके बाद टाई ब्रेकर में भी दोनों टीमें 4-4 के स्कोर से बराबर रही। अंत में सडनडेथ के पहले किक पर कोलीड़ा के खिलाड़ी ने गोल कर दिया, जबकि पुनिया के बास के खिलाड़ी के किक पर कोलीड़ा के गोल कीपर अभिषेक ने गेंद को रोक कर अपनी टीम को विजयश्री दिलाई। समापन समारोह में विजेता टीम को 11 हजार रुपए व उप विजेता टीम को 71 सौ रुपए के साथ ट्रॉफी दी गई। इस अवसर पर नंदलाल गोवला, दयानंद बिजारनिया, दीपेंद्र सिंह, इंद्राज खाखल, विजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई खिलाड़ी व खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री सुंदरलाल के निधन पर जताया शोक

महानगर संवाददाता

झुंझुनूं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की ओर से शुक्रवार को मदरसा तंजीमुल इस्लाम में पूर्व कैबिनेट मंत्री व शेखावाटी के प्रखर दलित नेता काका सुंदरलाल के निधन पर शोक प्रकट किया, साथ ही शोकाकुल परिवारजनों को दुख की इस कठिन घड़ी में धैर्य व संबल प्रदान करने की दुआ मांगी। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के जिलाध्यक्ष शोकत अली चोहान ने कार्यकर्ताओं को बताया कि भैरोसिंह शेखावत युग के भाजपा नेता काका सुंदरलाल से उनकी 1991 में मुलाकात हुई। इसके बाद जब भी सुंदर काका मुझे बैठकों में मिलते थे तो मुझे मियांजी के नाम से बुलाते थे। चोहान ने बताया कि सुंदर काका के ये यादगार लम्हे हमेशा याद दिलाते रहेंगे कि हमने एक महान नेता को खोया है। इस अवसर पर मोर्चे के जिला महामंत्री रुस्तम अली कांट, हाजी मो. अय्यूब, शाहिद फारूकी, साजिद रंगरेज सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

तेजादशमी पर लोकदेवता वीर तेजाजी को रिझाया

महानगर संवाददाता

चाकसू। भाद्रपद की शुक्ल दशमी पर शुक्रवार को लोकदेवता वीर तेजाजी व बाबा रामदेव जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कस्बे में स्थित मनोहकरा तालाब पर तेजाजी मंदिरों में अल सुबह से ही मेले सा माहौल नजर आया और दिनभर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। कस्बे में तेजाजी मंदिर पर क्षेत्रीय विधायक रामअवतार बैरवा भी पहुंचकर क्षेत्र में सुखशांति की कामना की। गोठियो को तेजाजी गायन करते देख विधायक अपने आप को रोक नहीं पाए और साथ बैठकर मंजिरे बजाने लगे। मंदिर में लोकदेवता तेजाजी की विशेष झांकियां सजाई गई। इस मौके पर लोगों ने वीर तेजाजी के धोक लगाकर जहरीले जंतुओं से रक्षा की कामना की।

सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के अभिनंदन समारोह में बोले मंत्री अविनाश गहलोत

महानगर संवाददाता

सीकर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने गुरुवार देर रात महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा संचालित सावित्री बाई फुले बीएड एवं डिग्री कॉलेज के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान

किया। गहलोत ने सैनी समाज संस्था को पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार द्वारा छात्रावास के लिए आवंटित भूमि की राशि जमा कराने के बाद समाज को भूमि पर कब्जा दिलवाने की मांग पर उन्होंने कहा कि वे अपनी ओर से इसके लिए राज्य सरकार को अपनी सिफारिश भेज चुके हैं और शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर इसका समाधान करवाने के प्रति आश्वस्त किया।

संबोधन से पूर्व सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष राज कुमार दैया ने पुष्पहार पहना कर, संरक्षक मदन लाल सैनी ने साफा पहनाकर और रतन लाल सैनी भाजपा युवा नेता व आनंद कुमार टाक ने शॉल ओढ़ा कर सामाजिक न्याय मंत्री गहलोत का अभिनंदन किया।

संस्थान के महामंत्री ओपी सैनी ने संस्थान एवं दोनों महाविद्यालयों के इतिहास व उपलब्धियों से गहलोत को अवगत करवाया। समाज की ओर से एडवोकेट रतन लाल सैनी ने स्वागत संबोधन प्रदान किया। सामाजिक न्याय मंत्री गहलोत ने संस्थान परिसर में सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा व सावित्री बाई फुले की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर महाविद्यालय परिसर का अवलोकन किया। संस्थान सदस्य मदनलाल आड़तिया, घीसालाल सैनी हर्ष, विष्णु सिंगोदिया सैनी जागृति संस्थान अध्यक्ष, मनोहर लाल सैनी पूर्व महामंत्री, गणपत लाल सैनी ने गहलोत को स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर सैनी समाज संस्था के संरक्षक भंवर लाल सैनी गार्ड, शेखावाटी माली सैनी महासभा के अध्यक्ष डीएम सैनी, संस्थान के कोषाध्यक्ष नेमीचंद सैनी, पूर्व महामंत्री आरके चोबदार, पार्षद सुरेश सैनी, बीजेपी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुरेश सैनी आदि मौजूद रहे।

उपजिला अस्पताल स्टाफ ने श्रमदान कर की साफ-सफाई

महानगर संवाददाता

खाटूश्यामजी। उपजिला अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ ने मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. निर्मल सिंह के 'अपना अस्पताल स्वच्छ अस्पताल' और 'हरित राजस्थान' के ध्येय को साकार करते हुए अस्पताल परिसर की साफ-सफाई कर श्रमदान किया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोगराज सिंह निठारवाल ने बताया कि बारिश और मौसमी बीमारियों को देखते हुए सभी कार्मिकों ने श्रमदान

कर अस्पताल परिसर के गड्ढों, गमलों, कूलर आदि में एकत्रित पानी को साफ किया और चारों तरफ उगी हुई घासफूस काटकर सफाई की। साथ ही हरित राजस्थान प्रोग्राम के तहत लगाए गए पौधों की भी साफ-सफाई की। इस अवसर पर डॉ. कानाराम, डॉ. अवीकेश, डॉ. रामवतार शर्मा, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुभाष मिश्रा, नर्सिंग ऑफिसर गीता बुरडक, बिमला बुरानिया, विमला ओला, संतोष ओला, महेंद्र नुवाल आदि ने श्रमदान किया।

महाआरती के साथ हुई रामदेव महाराज की मूर्ति की स्थापना

महानगर संवाददाता

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती ग्राम कंचनपुर स्थित रामदेव मंदिर में शुक्रवार को महाआरती के साथ रामदेव महाराज की मूर्ति की स्थापना की गई। समिति के भंवर लाल श्रीवास्तव ने बताया कि रामदेव जयंती पर ग्रामीणों और भक्तगणों के सहयोग से रामदेव महाराज की मूर्ति की स्थापना और महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। श्रीवास्तव ने बताया कि विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की गई और पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर समिति के सदस्य व अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। इसी प्रकार ग्राम नांगल भीम में रामदेव की जयंती के उपलक्ष्य में रात्रि जागरण किया गया और सुबह रामदेव की ट्रैक्टर-ट्रॉली व डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। भक्त रतन लाल घसिया ने बताया कि इस मौके पर हरफूल देबाणा, हजारीलाल पंवार, अशोक घसिया, संजय काजला, राजेश यादव, कैलाश, रामलाल सहित गांव के अनेक लोग मौजूद थे।

प्रभारी सचिव ने की आपदा और बचाव राहत कार्यों की समीक्षा

महानगर संवाददाता

सवाई माधोपुर। जिले में हो रही अतिवृष्टि से आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान भण्डार व्यवस्था निगम अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक और जिला प्रभारी सचिव संदीप वर्मा ने जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। प्रभारी सचिव ने कहा कि बोदल में पुलिया का टूटना गंभीर मुद्दा है। इस पुलिया के टूटने से राजस्थान व मध्यप्रदेश राज्यों के मध्य संपर्क कट जाएगा, इसकी सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारी को इस पुलिया का निरीक्षण कर स्वयं की निगरानी में गुणवत्तायुक्त कार्य करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी एनएच को सड़कों पर बनी पुलियाओं व रपटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजामात करने के साथ-साथ चेतावनी बोर्ड लगवाने और नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह को शहर की सभी मुख्य सड़कों पर बनी पुलिया की सुरक्षा के इंतजाम करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को जिले की सभी नगर निकाय क्षेत्रों में रात्रि में पुलिया पर मोटरसाइकिल गश्ती दल लगाने, बेरिकेडिंग करवाने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

'शहीदों के बलिदान की स्मृतियां संजोए रखना सबका दायित्व'

शहीद रामनिवास का 31वां शहादत दिवस समारोह आयोजित

महानगर संवाददाता

श्रीमाधोपुर। अजीतगढ़ की ढाणी जोधाकावाली में शहीद आईटीबीपी जवान रामनिवास मीणा का 31वां शहादत समारोह कल्याणपुरा सरपंच पवन कुमार सांई की अध्यक्षता और रिटायर्ड कमांडेट आरएस मीणा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि शहीद देश की धरोहर होते है, ऐसे में शहीदों के बलिदान की स्मृतियों को संजोए रखने का

दायित्व प्रत्येक भारतीय का है। इससे पूर्व ग्रामीणों ने शहीद के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित करके श्रृद्धांजलि दी और राष्ट्र ध्वज फहराकर राष्ट्रगान गाया। इस मौके पर सीटीसी अलवर आईटीबीपी से एएसआई राधेश्याम मीना, भगवत राम, वार्ड पंच श्रवण कुमार, रामजीलाल मीणा, रामसिंह शेखावत, एसबीआई प्रबंधक कल्याण चंद मीणा समेत अनेक गणमान्य लोग व स्कूली विद्यार्थी मौजूद थे। समारोह में सरपंच पवन सांई ने कहा कि जल्द ही शहीद के नाम स्कूल का नामकरण और सड़क निर्माण का कार्य किया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा से मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि रामनिवास 5 सितम्बर 1989 को आईटीबीपी में भर्ती हुए थे और 11 सितम्बर 1993 को यूथ कांग्रेस कार्यालय के बाहर रायसिन्हा रोड नई दिल्ली में आतंकी हमले के दौरान हुए बम बलास्ट में शहीद हो गए थे।

सूर्य करेगा कन्या राशि में गोचर

कई राशियों को कॅरियर-कारोबार में मिलेगा लाभ

महानगर संवाददाता

जयपुर। सूर्य जल्दी ही राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। ज्योतिष में सूर्य को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। सूर्य आत्मा का कारक ग्रह होता है और यह व्यक्ति के मान-सम्मान, नेतृत्व क्षमता और पेशेवर जीवन पर प्रभाव डालता है। जिन जातकों की कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में होते हैं उन्हें समाज में उच्च पदों की प्राप्ति होती है। सूर्यदेव हर माह अपनी राशि परिवर्तन करते हैं।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 16 सितंबर को सूर्यदेव बुधदेव की राशि कन्या में गोचर करने वाले हैं। सूर्य और बुध की आपस में मित्रता का भाव रहता है। सूर्य के कन्या राशि में गोचर करने से कुछ राशि वालों को अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं।

मेष राशि

आपकी राशि से सूर्य देव पांचवें भाव के स्वामी हैं। जो अब कन्या राशि में गोचर करने के कारण छठे भाव में गोचर करेंगे। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार कुंडली का छठा भाव रोग, शत्रु और कर्ज को होता है। सूर्य का कन्या राशि में गोचर करने से आपके लिए बहुत ही फलदायी साबित होगा। सूर्य का गोचर विशेषकर छात्रों के लिए बहुत ही लाभकारी साबित होगा। ऊर्जा में वृद्धि और एकाग्रता में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि

कर्क राशि वाले जातकों के लिए सूर्यदेव दूसरे भाव के स्वामी हैं और अब जब सूर्य का गोचर होगा तो यह आपके तीसरे भाव में प्रवेश करेंगे। कुंडली का तीसरा भाव पराक्रम का होता है। ऐसे में आपको परेशानियों से मुक्ति मिल जाएगी। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। करियर में सूर्यदेव आपके वृद्धि करेंगे। यात्रा का अच्छा संयोग भी बनेगा।

वृश्चिक राशि

इस राशि के जातकों के लिए सूर्य देव दसवें भाव के स्वामी हैं अब ये आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करेंगे। कुंडली का 11वां भाव लाभ प्राप्ति, उच्च पद और बड़े भाई-बहन को दर्शाता है। सूर्य का कन्या राशि में गोचर आपको बहुत ज्यादा लाभ प्रदान करने में सहायक होगा। आय के स्रोतों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होगी। पहले के मुकाबले आपकी आर्थिक में अच्छा खासा सुधार देखने को मिलेगा।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए सूर्य आपके नौवें भाव के स्वामी होते हैं। सूर्य के कन्या राशि में गोचर करने से यह आपके दसवें भाव में होंगे। कुंडली का दसवां भाव कर्म का होता है। ऐसे में आपकी आर्थित स्थिति मजबूत होगी और लाभ के अवसरों में लगातार वृद्धि देखने को मिलेगी।

लोक देवता बाबा रामदेव जयंती और तेजा दशमी पर दर्जनों स्थानों पर भरे आस्था के मेले

गैरी गैरी बिरखा भाया रूणीचा रा धणीया...

महानगर संवाददाता

जयपुर। तेजाजी दशमी और बाबा रामदेव जयंती शुक्रवार को श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाई गई। सुबह से ही श्रद्धालु तेजाजी और बाबा रामदेव मंदिरों में पहुंचे और परिवार सहित ढोक लगाई। पूजा-अर्चना कर खीर, पूड़ी, पुआ, नारियल, पताशे का भोग लगाकर जहरीले जीव-जंतुओं से रक्षा करने की प्रार्थना की।

मुख्य रूप से मानसरोवर, वीर तेजाजी (वीटी) रोड स्थित तेजाजी मंदिर में मेला भरा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया। मानसरोवर के आसपास के गांवों के लोग जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे। सांगानेर स्थित तेजा जी के बाड़े में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु ढोक लगाने पहुंचे। यहां ज्योत प्रज्जवलित की गई। श्रद्धालुओं ने गेहूं सहित अन्य साबुत अनाज का दान किया। अजमेर रोड, गजसिंहपुरा में तेजाजी महाराज का मेला भरा जहां आसपास के श्रद्धालु ढोक देने पहुंचे। नाहरी का नाका शास्त्रीनगर स्थित बाबा रामदेव मंदिर में बाबा का अभिषेक किया गया। बाबा को पांच बार पोशाक धारण कराई गई। शाम को 1008 दीपकों से महाआरती की गई। मानसरोवर, धोलाई में पत्रकार कॉलोनी के पास स्थित बाबा रामदेव और तेजाजी के मंदिर में मेला भरा। टोंक रोड, शिवदासपुरा स्थित तेजाजी मंदिर टीबड़ी और सांगानेर के रामपुरा, बीलवा में भजन संध्या का आयोजन हुआ। बरकत नगर, गोनेर रोड, मुरलीपुरा, हसनपुरा, सोडाला, बाढ़ देवरी, मुहाना, सांगानेर सांगासेतू रोड, बंबाला पुलिया, आदर्शनगर, शास्त्रीनगर सहित अन्य जगहों पर भी तेजाजी दशमी भक्तिभाव के साथ मनाई गई। झोटवाड़ा की शिल्प कॉलोनी, चौमूं पुलिया के नीचे स्थित बाबा रामदेव और तेजाजी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ढोक लगाने पहुंचे। अंबाबाड़ी और रोड नंबर चौदह स्थित रामदेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

सोडाला में निकली वीर तेजाजी महाराज की ध्वज यात्रा

तेजा दशमी पर शुक्रवार को सोडाला स्थित प्राचीन श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर में वार्षिक मेला भरा। मंदिर पुजारी मूलचंद शर्मा ने अभिषेक कर आरती उतारी। सुबह से रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दिनभर तेजाजी के भजन और जयकारे गूंजते रहे। शाम को लवाजमे के साथ वीर तेजाजी महाराज की ध्वज यात्रा निकाली गई। ध्वज यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। रामनगर सोडाला से लवाजमे के साथ रवाना हुई ध्वज यात्रा नया तेजाजी मंदिर, बाबा रामदेव महाराज मंदिर होते हुए मुख्य सोडाला स्थित प्राचीन तेजाजी महाराज के मंदिर में पहुंची। यहां भाजपा सिविल लाइंस जयपुर मंडल के भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष गौरव गुर्जर, भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मोहन लाल गुर्जर, राजस्थान माली समाज महासचिव संजय सैनी, भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला मंत्री लक्ष्मण सिंह, सिविल लाइंस मंडल मंत्री प्रमोद भारद्वाज, मुकेश गुर्जर, अविनाश, राहुल, गोकुल पचारिया सहित अन्य ने आरती उतारी।

घूमंतु बस्तियों में गूंजे रामसा पीर के भजन

घूमंतु जाति उत्थान न्यास की ओर से राजधानी की विभिन्न बस्तियों में बाबा रामदेव महाराज की जयंती मनाई गई। न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आकेड़ा डूंगर स्थित सपेरा बस्ती में बाबा रामदेव जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। बस्तीवासियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों पर बाबा रामदेव जी के भजन सुनाए। इस मौके पर बाबा रामदेव जी महाराज की झांकी सजाई गई। बस्तीवासियों ने नारियल और बताशे का भोग लगाया। इसके बाद भोजन प्रसादी हुई। वीकेआई रोड नंबर नौ, बत्तीस दुकान स्थित लुहार बस्ती में बाबा रामदेव महाराज के मंदिर के सामने भजन-कीर्तन हुए।

जलझूलनी एकादशी आज, मंदिरों में सजाई जाएंगी विशेष झांकियां

महानगर संवाददाता

जयपुर। भाद्रपद शुक्ल एकादशी 14 सितंबर को जल झूलनी एकादशी के रूप में मनाई जाएगी। ठिकाना मंदिर श्री गोविंददेवजी में जलझूलनी एकादशी झूलन महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि जलझूलनी एकादशी पर्व पर ठाकुर श्रीजी को प्रातःकाल मंगला झांकी बाद पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। नई लाल रंग का नटवर वेश एवं विशेष शृंगार धारण कराए जाएंगे। ग्वाल झांकी बाद 04:45 से 5:35 तक जलझूलनी पूजन होगा इस दौरान ठाकुर श्रीजी के दर्शन पट बंद रहेंगे।

महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री शालिग्रामजी भगवान (नारायण जी) को विशेष छोटी चांदी के खाट पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण पश्चिमी चौक तुलसी मंच पर ले जाया जाएगा। यहां वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक कर चंदन शृंगार किया जाएगा। इसके बाद आरती की जाएगी और भोग अर्पण किया जाएगा। हरिनाम संकीर्तन की स्वर लहरियों के साथ तुलसी मंच की चार परिक्रमा कराकर पुनः ठाकुर श्री शालिग्राम जी को खाट पर विराजमान किया जाएगा। मंदिर की एक परिक्रमा कराकर निज मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। शालिग्राम जी को ठाकुर श्रीजी के समीप विराजमान किया जाएगा। उसके बाद संध्या झांकी आरती दर्शन होंगे।

झांकियों के समय में आंशिक परिवर्तन

जलझूलनी एकादशी पर गोविंददेवजी मंदिर की झांकियों के समय में आंशिक परिवर्तन रहेगा।

मंगला झांकी- सुबह 4:30 से 5:15 तक
धूप झांकी- सुबह 07:45 से 9.00 तक
शृंगार झांकी- 9:30 से 10:15 तक
राजभोग झांकी-10:45 से 11:30 तक
ग्वाल झांकी- 04:00 से 04: 15 तक
जलझूलनी पूजन- 04:45 से 5:35 तक
(ठाकुर श्रीजी के दर्शन पट बंद रहेंगे)
संध्या झांकी- शाम 05:45 से 06:45 तक
शयन झांकी- रात्रि 08:00 से 08:30 तक।

दशलक्षण महापर्वः उत्तम संजम गहु मन मेरे, भव भव के भांजैं अघ तेरे

वीतराग धर्म का उत्तम संयम लक्षण मनाया

महानगर संवाददाता

जयपुर। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में शुक्रवार को छठे दिन वीतराग धर्म का उत्तम संयम लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दिगंबर जैन मंदिरों में सुबह श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म में उत्तम संयम लक्षण की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना की गई।

इस मौके पर चातुर्मास स्थलों पर संतों ने उत्तम संयम लक्षण पर प्रवचन दिया। प्रवचन में कहा कि काय छहों प्रतिपाल, पंचेन्द्रिय मन वश करो। संजम-रतन संभाल, विषय-चोर बहु फिरत है। उत्तम संजम गहु मन मेरे, भव भव के भांजैं, अघ तेरे। सुरग-नरक-पशुगति में नाही। आलस-हरन करन सुख ठाही। अर्थात मनुष्य को अपनी पांचों इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए। शनिवार को वीतराग धर्म का उत्तम तप लक्षण मनाया जाएगा।

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में भजन संध्या

सेठी कॉलोनी स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के तहत शुक्रवार को उत्तम वीतराग धर्म की आराधना की गई और सुगंध दशमी मनाई गई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीनदयाल जैन पाटनी और मंत्री धर्मीचंद कासलीवाल ने बताया कि शाम को आयोजित भजन संध्या में संजय रायजादा और नेहा काला ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। सांसद मंजू शर्मा, विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, समाजसेवी रवि नैयर, पार्षद नीरज अग्रवाल और लक्ष्मी सुथार अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पशु-पक्षी सेवा के लिए आश्रम को गाड़ी भेंट

महानगर संवाददाता

जयपुर। मानसरोवर के रजत पथ स्थित भारत माता पार्क के श्री राधा गोविंद देव जी मंदिर में प्रभात फेरी मंडल की ओर से हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। मंडल के सदस्य मनोज बियानी ने पशु पक्षियों की सहायता के लिए सुखधाम सेवा आश्रम को गाड़ी भेंट की। यह गाड़ी स्वर्ण पथ से नारायण विहार तक पशु पक्षियों के लिए चिह्नित दस स्थानों पर चारा, केले, मूंग, मक्का, बाजार, बिस्कुट, पानी की व्यवस्था करेगी। मुख्य अतिथि देवेंद्र मोहन माथुर, चरणजीत मक्कड़, राजेंद्र शर्मा का साफा, शॉल और प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। मनोज बियानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि आश्रम की ओर से हर अमावस्या को डेढ़ सौ बच्चों को नाश्ता कराया जाता है। द्रव्य नदी के किनारे चींटियों को दाना और आमेर के मावठे और जलमहल में मछलियों का दाना डाला जाता है।

अग्निहोत्री व्याख्याता प्रतिनिधि निर्वाचित

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीतारामपुरी में राष्ट्रीय शिक्षक संघ की उप शाखा हवामहल के वर्ष-2014-25 के चुनाव संपन्न हुए। रमेश चंद गुप्ता अध्यक्ष और मुकेश चंद अग्निहोत्री व्याख्याता प्रतिनिधि निर्वाचित हुए।

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में होगा 2100 कन्याओं का वंदन

महानगर संवाददाता

जयपुर। आदर्शनगर के दशहरा मैदान में 26 से 30 सितंबर तक होने वाले हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में 27 सितंबर को कन्या वंदन कार्यक्रम होगा। शुकवार को हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला समिति के सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी को कन्या वंदन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी किया। दीया कुमारी ने कहा कि प्राचीन भारतीय परंपराओं के माध्यम से बालिकाओं और नारियों का सम्मान और गरिमा का पुनर्निर्माण आवश्यक है। भारत में परिवार का केंद्र नारी है, जो सर्वोच्च आदर्श और प्रभु की प्रतिनिधि है। इस कार्यक्रम के माध्यम से नारी के इसी महत्व को उजागर किया जाएगा, ताकि समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा मिल सके।

प्रदेश सचिव सोमकांत शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 2100 कन्याओं का वंदन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं की गरिमा को पुनर्स्थापित करना है। व्यापक राष्ट्रीय हित में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से कन्या वंदन और सुवासिनी वंदन के जरिए भारतीय परंपरा में महिलाओं के सम्मान को पुनः स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होगा, जिसमें बालिकाओं और महिलाओं के प्रति आदर और आभार प्रकट किया जाएगा, जिससे उनके योगदान को सराहा जा सके।

इस अवसर पर हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष सुभाष बापना, सुमन बापना, प्रदेश उपाध्यक्ष शीला अग्रवाल, नवीन आटोलिया, सीमा दया, अंशु हर्ष, मनदीप सिंह, कोमल चौहान मौजूद रहे।

जैन मंदिरों और घरों में अग्नि पर खेई सुगंधित धूप

सुगंध दशमीः प्रेरक झांकियों ने दी बड़ी सीख

महानगर संवाददाता

जयपुर। दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत शुक्रवार को सुगंध दशमी मनाई गई। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने मंदिरों में अष्ट कर्म के नाश करने के लिए अग्नि पर धूप खेई। फिर घरों में भी सुगंधित धूप दी। शाम को जैन दर्शन, तीर्थंकरों के जीवन चरित्र पर आधारित ज्ञानवर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई गई। झांकियों को देखने के लिए जैन समाज के लोग परिवार सहित कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनियों के जैन मंदिर पहुंचे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की अलग-अलग टीम ने झांकियों का अवलोकन किया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि राजधानी के 20 से अधिक दिगंबर जैन मंदिरों में एक से बढ़कर एक झांकियां सजाई गई।

ये रहीं प्रमुख झांकियां

मनिहारों का रास्ता : श्री दिगंबर जैन मंदिर बड़ा दीवानजी में महिला जागृति संघ द्वारा राजमहल से जंगल की ओर झांकी।
सिद्धार्थ नगर : श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर स्वामी में जैन धर्म आदिनाथ काल से वर्तमान तक की झांकी।
बापूनगर : गणेश मार्ग के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में नंदीश्वर द्वीप, ज्ञान तीर्थ टोडरमल स्मारक ट्रस्ट में संस्कार झांकी।
जवाहर नगर : श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में नवग्रह जिनालय तथा आदर्श नगर के मुल्तान दिगंबर जैन मंदिर में भरत चक्रवर्ती के सोलह सपने की झांकी।
टोंक फाटक : पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर मधुवन में जैन धर्म का भविष्य झांकी।
गोपालपुरा बाईपास : शक्ति नगर के श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर में अर्हं योग एवं ध्यान की झांकी।
कीर्तिनगर : श्रीपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वंडरफुल जैनिज्म-वैभव जैनत्व झांकी।

महावीर नगर : श्री दिगंबर जैन मंदिर में कर्मों की झांकी।
अग्रवाल फार्म थड़ी मार्केट के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अहिंसक आहार सजीव झांकी।

पटेल नगर श्री चन्द्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में तीर्थराज सम्मेद शिखरजी। कालवाड़ रोड मंगलम सिटी के श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में महावीर के पांच कल्याणक की झांकी। सांगानेर संभाग महल योजना के श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में कर्मों की सांप सीढ़ी, श्योपुर प्रतापनगर के श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में पाप से बचे की झांकी। प्रतापनगर सेक्टर-17 के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में एक अन्तर्यात्री की यात्रा- संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की सजीव झांकी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 2024-सितम्बर-01 दिनांकः 10.09.2024

ई-टेण्डरिंग सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "**खुली निविदा**" ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.: 1- कार्य का विवरण : (अ) एस.एस.ई. (पी.वे.) दक्षिण मथुरा के अधीन सहा. मं. इंजी. प्रथम मथुरा के क्षेत्र में मथुरा पलवल के कीठम-बाद खंड में छह माह के लिये तीसरी लाइन के अनुरक्षण का कार्य। (ब) बाद स्टेशन पर मार्शेलिंग यार्ड में पाथ वे का प्रावधान।	
निविदा सं. : 2024-सितम्बर-01-01	**अनुमानित लागत (₹)** : 82,55,208.57
क्र.सं.: 2- कार्य का विवरण : एस.एस.ई. (पी.वे.) कोसी कलॉ के अधीन सहा. मं. इंजी. प्रथम मथुरा के क्षेत्र में मथुरा पलवल के छाता-होडल खंड में चौथी लाइन के अनुरक्षण का कार्य।	
निविदा सं. : 2024-सितम्बर-01-02	**अनुमानित लागत (₹)** : 73,29,998.73
क्र.सं.: 3- कार्य का विवरण : एस.एस.ई. (पी.वे.) पलवल के क्षेत्र में होडल-पलवल खंड में तीसरी लाइन के अनुरक्षण का कार्य।	
निविदा सं. : 2024-सितम्बर-01-03	**अनुमानित लागत (₹)** : 93,35,560.05
क्र.सं.: 4- कार्य का विवरण : (अ) मथुरा जं. पर कान्हा अधि. विश्राम गृह के नये भवन के प्रथम तल का निर्माण कार्य। (ब) मथुरा जं. पर मेमू तथा ई एम यू के अनुरक्षण के लिये प्लेटफार्म सं. 4 व 5 पर टर्मिनल अटेंशन सुविधाओं का विकास।	
निविदा सं. : 2024-सितम्बर-01-04	**अनुमानित लागत (₹)** : 2,09,99,126.95
क्र.सं.: 5- कार्य का विवरण : मथुरा जं. पर प्लेटफार्म सं. 9/10 तथा 11 का विस्तार मथुरा जं. प्रतीक्षालय का सुधार, मथुरा जं. पर ड्रेन कवर तथा वैली गटर की भारी मरम्मत का कार्य।	
निविदा सं. : 2024-सितम्बर-01-05	**अनुमानित लागत (₹)** : 3,09,99,999.57

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 03.10.2024 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 1627/24 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

राजनीतिक लाभ के लिए संकट को निमंत्रण

मुफ्त रेवड़ियों पर भारत को रहना होगा अलर्ट

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में चुनावी लोकलुभावनवाद का प्रचलन खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। वोट हासिल करने के लिए मुफ्त बिजली, कर्ज माफी, पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने जैसी पेशकश करने का चलन देश के राजनीतिक दलों में तेजी से आम होता जा रहा है। हालांकि ऐसे उपाय उदार लग सकते हैं, लेकिन वे चुनाव जीतने के लिए राज्यों के भविष्य को गिरवी रख रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक और कई शोध संगठनों ने चौंका देने वाले आंकड़े दिए हैं कि ये तथाकथित कल्याणकारी उपाय राजकोषीय जहर हैं, जो आने वाले समय में देश की आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश के उदाहरणों से अच्छे से समझा जा सकता है। वित्त वर्ष 23-24 के लिए भारतीय राज्यों के लिए औसत ऋण और जीएसडीपी अनुपात लगभग 31 प्रतिशत रहा, जबकि पंजाब का यह अनुपात 50 प्रतिशत के करीब है, जो मुख्य रूप से मुफ्त बिजली और कर्ज माफी के कारण है। पंजाब मौजूदा कर्जों पर ब्याज भुगतान को कवर करने के लिए और उधार लेने के लिए मजबूर है। वित्त वर्ष 2024-25 में पंजाब की ओर से ब्याज में 23,900 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने का अनुमान है, जो इसकी राजस्व प्राप्तियों का 23 प्रतिशत है। 2023-24 के संशोधित अनुमान के अनुसार पंजाब का कुल पूंजीगत परिव्यय बजट में निर्धारित 10,355 करोड़ से 38 प्रतिशत कम होने का अनुमान है। इससे यह चिंता होती है कि बजट का कितना हिस्सा परिसंपत्ति निर्माण (एसेट क्रिएशन) की ओर निर्देशित किया जा रहा है। पंजाब ने 2024-25 में बिजली सब्सिडी पर 20,200 करोड़ रुपए खर्च करना तय किया है। यह पिछले दो वर्षों में आवंटित की गई राशि के बराबर है। अकेले इस सब्सिडी से वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य की राजस्व प्राप्तियों का 19 प्रतिशत हिस्सा खर्च होने की उम्मीद है। यह बढ़ते असंतुलन को उजागर करता है, जहां राजस्व व्यय तो लगातार बढ़ता है, लेकिन पूंजी निवेश अपर्याप्त रहता है। हिमाचल की वित्तीय स्थिति राजकोषीय कुप्रबंधन का एक और उदाहरण है। जबसे यहां कांग्रेस ने अपनी सरकार बनाई है, तबसे हिमाचल लगातार बढ़ती हुई वित्तीय देनदारियों से जूझ रहा है, जिसका बकाया ऋण वित्त वर्ष 21-22 में जीएसडीपी के 37 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 24-25 में 42.5 प्रतिशत हो गया है। यह भी अस्थिर राजकोषीय प्रथा को दर्शाता है। सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन में की गई देरी इसी वित्तीय तनाव को उजागर करती है। हाल में अतिरिक्त राजस्व एकत्र करने के लिए हिमाचल सरकार ने दूध उत्पादकों को समर्थन देने के लिए बिजली की खपत पर 0.1 प्रति यूनिट का दूध उपकर और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 0.1 प्रति यूनिट का अतिरिक्त उपकर लगाने का भी निर्णय किया। इतना ही नहीं अतिरिक्त राजस्व के लिए हिमाचल ने वैज्ञानिक, औद्योगिक और औषधीय उपयोग के लिए भांग की खेती को भी वैध कर दिया। ये सभी कदम राज्य में भयंकर वित्तीय कठिनाइयों को दर्शा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सरकार का खर्च 52,965 करोड़ रुपये होने का अनुमान है और राज्य को 5,479 करोड़ का कर्ज चुकाना है। हालात यह है कि ब्याज भुगतान में वृद्धि की भरपाई पूंजीगत खर्चों में कमी से की जा रही है। इस राजकोषीय दबाव के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न क्षेत्रों में बजट में कटौती की गई है। शहरी विकास पर खर्च में 32 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि सामाजिक कल्याण, कृषि और जल आपूर्ति के लिए आवंटन में क्रमशः 15, 9 और 13 प्रतिशत की कमी की गई है। बढ़ते घाटे के साथ हिमाचल को वित्तीय अस्थिरता के बढ़ते जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। दोनों राज्यों में दीर्घकालिक जरूरतों की उपेक्षा करते हुए, पर्याप्त धनराशि अल्पकालिक राजनीतिक वादों की पूर्ति में खपा दी गई है। ध्यान राजकोषीय स्वास्थ्य को मजबूत करने पर दिया जाना चाहिए। अर्जेंटीना और वेनेजुएला का वित्तीय पतन उन भारतीय राज्यों के लिए सख्त चेतावनी है, जो रेवड़ियों का सहारा ले रहे हैं। कभी समृद्ध रहा अर्जेंटीना अत्यधिक खर्च और लोकलुभावन नीतियों के कारण ढह गया, जबकि वेनेजुएला ने अल्पकालिक लाभ के लिए अपनी तेल संपदा को बर्बाद कर दिया। दोनों देश राजकोषीय कुप्रबंधन के कारण अत्यधिक मुद्रास्फीति, गरीबी और राजनीतिक अस्थिरता में फंस गए। यदि भारतीय राज्य इसी राह पर चलते रहे तो वे इन देशों की तरह दुखद आर्थिक इतिहास दोहराने का जोखिम उठाएंगे। इसके भयानक परिणाम हो सकते हैं, जैसे अनियंत्रित मुद्रास्फीति और गरीबी में वृद्धि। भारतीय राजनीति में मुफ्त सुविधाओं का दुरुपयोग सिर्फ एक आर्थिक मुद्दा नहीं है। यह लोकतांत्रिक शासन की नींव को भी खतरे में डालता है। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए राज्य वित्तीय संकट के जोखिम को निमंत्रण दे रहे हैं। इस तरह के वित्तीय कुप्रबंधन से निवेशकों का भरोसा कम हो सकता है, उधार लेने की लागत बढ़ सकती है और देश की आर्थिक प्रगति धीमी हो सकती है। अंततः इन नीतियों का बोझ नागरिकों पर ही पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से धन को गैर-संवहनीय योजनाओं के वित्त पोषण में आवंटन से राज्य ऐसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में असमर्थ हो जाते हैं, जो लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकती हैं। मुफ्त बिजली जैसी महंगी छूट जारी रखने के बजाय राज्यों को दीर्घकालिक समाधानों में निवेश करना चाहिए, जैसे सौर पैनल लगाना, महिलाओं के लिए कार्यस्थल में सुधार करना या कृषि अनुसंधान एवं विकास को वित्त पोषित करना। ये निर्भरता को कम करते हैं और विकास को बढ़ावा देते हैं। अब समय आ गया है कि हम राजकोषीय जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना शुरू करें। राजनीतिक दलों को मुफ्त उपहार के वादों के साथ उनके वित्तीय प्रभाव के बारे में भी लोगों को बताना होगा। इसे कानूनी रूप से बाध्यकारी करना चाहिए, ताकि दीर्घकालीन कल्याणकारी योजनाओं के लिए स्थाई वित्त पोषण सुनिश्चित किया जा सके। हमें जिम्मेदार नागरिकों के रूप में अपने राजनीतिक दलों से इस संदर्भ में जवाबदेही की भी मांग करनी होगी, अन्यथा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ भारत और भारतीय राज्यों की दीर्घकालिक समृद्धि को पंगु बना देंगे और भविष्य की पीढ़ियों को आज की राजकोषीय लापरवाही का बोझ उठाना पड़ेगा।

अर्जेंटीना और वेनेजुएला का वित्तीय पतन उन भारतीय राज्यों के लिए सख्त चेतावनी है, जो रेवड़ियों का सहारा ले रहे हैं। कभी समृद्ध रहा अर्जेंटीना अत्यधिक खर्च और लोकलुभावन नीतियों के कारण ढह गया, जबकि वेनेजुएला ने अल्पकालिक लाभ के लिए अपनी तेल संपदा को बर्बाद कर दिया। दोनों देश राजकोषीय कुप्रबंधन के कारण अत्यधिक मुद्रास्फीति, गरीबी और राजनीतिक अस्थिरता में फंस गए। यदि भारतीय राज्य इसी राह पर चलते रहे तो वे इन देशों की तरह दुखद आर्थिक इतिहास दोहराने का जोखिम उठाएंगे। इसके भयानक परिणाम हो सकते हैं।

घाटी में नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही भाजपा

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है, मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं। इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी?

भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाए तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आए अमित शाह ने कहा था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लाएगी?

कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है, लेकिन पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। भाजपा का कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी, जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। हालांकि कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता भाजपा के इस निर्णय से हैरान जरूर हैं।

गौरतलब है कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद जताया था। लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है

कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है, ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गई थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं, इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि ये स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है, ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गई सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गए हैं, जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूबी समझ रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नए दलों की फौज उतार दी है, ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जाएं। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आजाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं, ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कॉन्फ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कॉन्फ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। बहरहाल घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

शर्म नहीं सम्मान है, हिंदी हमारा अभिमान है

डॉ. नरेंद्र इष्टवाल, प्रोफेसर

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम हिंदी दिवस मना रहे हैं। सितंबर के पहले पखवाड़े में 1 से 14 सितंबर तक देशभर में हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। इस पखवाड़े में हिंदी पर संगोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। हिंदी लेखकों को खोज-खोज कर आमंत्रित किया जा रहा है। उनके व्याख्यान कराए जा रहे हैं और उनका सम्मान किया जा रहा है। लगता है हम सालभर हिंदी की जो उपेक्षा करते हैं, हिंदी पखवाड़े के दौरान उसका प्रायश्चित कर रहे हैं। हिंदी को राष्ट्रभाषा का संवैधानिक दर्जा नहीं दिला सकने का अपराध बोध हमारे मन में है। इस अपराध बोध को हम इस तरह के आयोजनों से कम करने का प्रयास कर रहे हैं। हिंदी सदियों से किसी न किसी रूप में भारत की अभिव्यक्ति का माध्यम रही है। सही मायने में हिंदी ही भारत की आत्मा रही है। अगर हम इतिहास को देंखे तो आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल में सभी महाकाव्य की रचना हिंदी के ही किसी न किसी रूप में ही हुई थी। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई के दौरान हिंदी और गैर हिंदी भाषा क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानियों के बीच सेतु का काम करती थी। हिंदी की इसी ताकत को पहचान कर महात्मा गांधी ने अपने स्वदेशी आंदोलन में से हिंदी को जोड़ा था। गांधीजी का स्पष्ट मानना था कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है। महात्मा गांधी के आने से पहले कांग्रेस का अधिकतर काम अंग्रेजी में ही होता था, लेकिन गांधीजी ने कांग्रेस को अपना सारा काम हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया। गांधीजी की प्रेरणा और प्रभाव से कई गैर हिंदी भाषा कांग्रेसी नेता भी हिंदी सीखने लगे। कांग्रेस के अधिवेशन में सभी नेताओं को चाहे वह किसी भी राज्य से हो हिंदी में ही भाषण देना पड़ता था। इसी कारण बहुत से गैर हिंदी भाषी नेताओं ने हिंदी सीखी। स्वतंत्रता के बाद गांधीजी ने एक समय हिंदी के समर्थन में ऐतिहासिक घोषणा भी कर दी- 'दुनिया से कह दो गांधी अंग्रेजी नहीं जानता' थी। आजादी के बाद भारत की संविधान सभा के सामने जब राष्ट्रभाषा का सवाल आया तो इसकी स्वाभाविक दावेदार हिंदी ही थी। संविधान भाषा के सामने भारत की राष्ट्रभाषा के लिए हिंदी और हिंदुस्तानी का ही नाम आया था। भारत की संविधान सभा में 298 सदस्य थे। इनमें से 208 सदस्य कांग्रेस के थे। कांग्रेस ने यह व्यवस्था कर रखी थी कि संविधान सभा में किसी विषय पर चर्चा करने से पहले उस विषय पर कांग्रेसी सदस्य आपस में विचार-विमर्श कर लें, ताकि संविधान सभा में कांग्रेस सदस्यों का मत एक ही रहे।

राष्ट्रभाषा के सवाल पर कांग्रेसी सदस्यों में काफी वाद-विवाद हुआ। पंडित जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद और सरदार पटेल जैसे नेता हिंदुस्तानी के पक्ष में थे, जबकि कांग्रेस के अधिकतर सदस्य हिंदी के समर्थन में थे। काफी चर्चा के बाद इस विषय पर मतदान हुआ, जिसमें हिंदी की जीत हुई। बाद में संविधान सभा में भी इस विषय पर काफी बहस हुई। संविधान सभा में हुई बहस में टी.रामालिंगम, गोपाल स्वामी आयंगर, शंकर लाल देव और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे अ-हिंदी भाषी सदस्यों ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का समर्थन किया। संविधान सभा के अधिकतर सदस्य चाहते थे की हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा बने। पर कुछ अंग्रेजीदा नेताओं ने हिंदी बनाम अंग्रेजी के मुद्दे को बड़ी चालाकी से हिंदी बनाम अन्य भारतीय भाषाओं का मुद्दा बना दिया। इस कारण संविधान सभा में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने पर सर्व सहमति नहीं हो सकी। इसीलिए हिंदी को राष्ट्रभाषा की जगह राजभाषा बनाने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। संविधान सभा ने ही राजकार्य में सुविधा के लिए अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी को हिंदी के साथ सह राजभाषा भी बना दिया। तब कहा यह गया था कि अगले 15 वर्षों में हिंदी पूरी तरह सक्षम बनाकर अंग्रेजी की जगह ले लेगी, लेकिन यह 15 वर्ष आज तक

नहीं पूरे हुए हैं। बाद में देश में भाषा के नाम पर राजनीति की जाने लगी। इसी राजनीति के चलते संसद में राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा अधिनियम 1967 पारित कर यह व्यवस्था कर दी कि शासन के कार्य में 1965 के बाद हिंदी के साथ अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा और जब तक हिंदी भाषा राज्यों की विधानसभाएं अपनी सहमति न दें तथा संसद के दोनों सदन प्रस्ताव पास न कर दें, तब तक हिंदी के साथ अंग्रेजी का प्रयोग भी संघ में राजकीय प्रयोजन के लिए जारी रहेगा। इस तरह राजभाषा की स्वाभाविक दावेदारी होने के बाद में हिंदी को उसका अधिकार नहीं मिल पाया। अब यह अधिकार भविष्य में कभी मिल सकेगा, इसकी संभावना नगण्य ही लग रही है। अगर संविधान में किए गए वादे के बावजूद हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई है तो इसका जिम्मेदार हमारा राजनीतिक नेतृत्व और हमारे नौकरशाह हैं। देश के शासन में हिंदी को पूरी तरह लागू करने का काम हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाहों को करना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हमारे राजनीतिक नेतृत्व वोटों के चक्कर में भाषा की राजनीति करने में लग गया और हमारे अधिकतर नौकरशाह अंग्रेजीदा संस्कृति से आते थे। इसलिए उन्होंने इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। अगर हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई तो इसके लिए हमारी भाषायी राजनीति जिम्मेदारी है। भारतीय नेता और राजनीतिक दल हिंदी के नाम पर भाषा की राजनीति करने लग गए। हिंदी नेताओं की राजनीति का शिकार बनकर बेचारी रह गई। यह एक कटु सत्य है कि भारत में किसी भी सरकार की नीतियों और निर्णय वोटों की राजनीति से प्रेरित होते हैं। जिस मुद्दे से जितने अधिक वोट जुड़े हुए हों, उस मुद्दे पर सरकार उतनी ही जल्दी निर्णय करती है। हिंदी का यह दुर्भाग्य है कि वह आज तक वोटो का मुद्दा नहीं बन पाई, इसीलिए सरकार और राजनीतिक दलों के लिए हिंदी उपेक्षित ही बनी रही। अगर हिंदी वोटों का मुद्दा बन गई होती तो कभी का उसे उसका स्वाभाविक अधिकार मिल जाता। कोई भी भाषा अपने प्रचार-प्रसार के लिए कभी भी शासन की मोहताज नहीं होती। किसी भी भाषा को जब तक आम आदमी नहीं अपनाता तब तक वह जनभाषा नहीं बनती। मुगल शासनकाल में फारसी और अंग्रेजी शासनकाल में अंग्रेजी शासन की भाषा थी, लेकिन इन भाषाओं को कभी आम आदमी ने नहीं अपनाया, इसीलिए ये भाषाएं सामान्य जन की भाषा नहीं बन सकीं। दूसरी तरफ हिंदी आजादी के पहले तक कभी भी शासन की भाषा नहीं रही। उसे कभी भी राज्य का संरक्षण नहीं मिला, फिर भी वह जनता की भाषा बनी, क्योंकि उसे आम आदमी ने अपना लिया। जन भाषा बन जाने के कारण ही हिंदी जनता के बीच लोकप्रिय हो सकी और आज विदेश में भी फल-फूल रही है। आज हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। कई विदेशी विश्वविद्यालयों में भी हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है। देश में ही नहीं विदेशों में भी हिंदी बोलने व समझने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। विदेशों में विश्व हिंदी सम्मलेन आयोजित हो रहे हैं। हिंदी की इसी लोकप्रियता को देखते हुए हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग भी की जा रही है। अब गैर हिंदी भाषी राज्यों मे भी हिंदी बोली और समझी जा रही है। इन राज्यों में भी अब हिंदी का पहले जैसा विरोध नहीं रहा। हिंदी फिल्मो की वजह से भी इन राज्यों में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। आज हिंदी की लोकप्रिय फिल्में दक्षिण भारतीय भाषाओं में रीमेक हो रही हैं और तमिल, तेलुगू एवं मलयालम की लोकप्रिय फिल्मों के हिंदी संस्करण भी बन रहे हैं।

हिंदी के इस प्रचार-प्रसार के दो प्रमुख कारण हैं- पहला कारण है सूचना क्रांति। सूचना क्रांति से हिंदी को काफी प्रसिद्धि मिली है। आज दक्षिण के राज्यों में हिंदी प्रदेशों से गए युवा हजारों की संख्या में काम कर रहें हैं। इसी तरह दिल्ली-गुरुग्राम और नोएडा जैसे उत्तर भारतीय शहरों में लाखों की संख्या में दक्षिण भारतीय युवा काम कर रहे हैं और यहां की भाषा को बोलने व समझने का प्रयास कर रहे हैं। इन युवाओं ने हिंदी और गैर हिंदी भाषी राज्यों की दूरी कम की है। अब भाषा की कट्टरता भी कम हो गई है। हिंदी के प्रसार का दूसरा कारण है कि आज हिंदी बाजार की भाषा बन गई है। भूमंडलीकरण के कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत एक बड़ा बाजार बन गया है। इन कंपनियों को बाजार में अपना माल बेचने के लिए हिंदी का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए हिंदी भी सीखनी पड़ रही है। आज विदेशी कंपनियां भी अपने विज्ञापन हिंदी में दे रही हैं। हिंदी के इसी बाजार को देखते हुए ही आज डिस्कवरी और नेशनल जियोग्राफी जैसे चैनल भी हिंदी में शुरू हो गए हैं। हमारी सरकारों ने हिंदी की चाहे कितनी अपेक्षा की हो, लेकिन आमजन ने हिंदी को अपना लिया है और इसीलिए दुनिया में हिंदी का प्रचार हो रहा है।

राशिफल

आज दिनांक 14 सितंबर, 2024, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष एकादशी, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, वणिज करण, शोभन योग, राहुकाल: सुबह 9:19 से 10:51 बजे तक, सूर्योदय सुबह 6:17 बजे, सूर्यास्त शाम 6:27 बजे, चंद्रोदय अपराह्न 3:56 बजे, चंद्रास्त सुबह 2:54 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर: 11:58 से 12:47, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:40 से 5:28 बजे तक, चंद्रमा मकर राशि में संचार करेगा।

आज का दिन खुशनुमा रहने वाला है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छा मौका मिल सकता है। ननिहाल पक्ष से धन लाभ मिलता दिख रहा है। मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। बाहरी व्यक्ति से वाद-विवाद में ना पड़े। आज आपके प्रेम जीवन में मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

आज के दिन खर्चों में बढ़ोतरी होने वाली है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में विरोधी बनते कामों में रोड़ा अटकाने की पूरी कोशिश कर सकते हैं। विवाहित लोगों के बीच मनमुटाव हो सकता है।

आज का दिन साझेदारी में किसी काम को करने के लिए अच्छा रहेगा। माता से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को कार्यक्षेत्र में मिली जिम्मेदारी को अच्छे से निभाना होगा। अपनी किसी पुरानी गलती के लिए पछतावा होगा।

आज का दिन सांसारिक सुख भोग के साधनों में बढ़ोतरी लेकर आएगा। शान शौकत की वस्तुओं पर धन व्यय करेंगे। विवाहित जातक संतान के करियर को लेकर चिंतित रह सकते है। शेयर मार्केट में निवेश में धोखा हो सकता है।

आज का दिन धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। भाई बहनों से चल रही अनबन समाप्त होगी। आपको कोई पेट संबंधित समस्या हो सकती है। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। जीवनसाथी के साथ आज रोमांटिक दिन बीतेगा।

आज का दिन आय के नए नए स्त्रोत दिलाने वाला रहेगा। नवविवाहित जातकों के जीवन में मेहमान की दस्तक हो सकती है। आय बढ़ने से आपके कुछ खर्च भी बढ़ सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। जीवनसाथी के साथ मेलजोल बनाकर रखें। सिंगल जातकों के जीवन में प्रेम आ सकता है।

आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम पूरे होंगे। विद्यार्थियों का पढ़ाई लिखाई से मन भटक सकता है। बढ़ते खर्चों को लेकर परेशान रहेंगे। संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

आज का दिन धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में रुका हुआ धन मिलने से प्रसन्नता होगी। रोजगार तलाश रहे लोगों को बेहतर अवसर मिल सकता है। ससुराल पक्ष से धन लाभ मिलेगा। लंबे समय से रुका काम पूरा हो सकता है।

आज का दिन मेहनत भरा रहेगा। परिवार में जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में मन मुताबिक काम मिलने से प्रसन्न रहेंगे। माताजी से आप अपनी किसी समस्या को लेकर बातचीत कर सकते हैं। विवाहित जातकों के बीच व्यवहार मधुर बना रहेगा।

आज का दिन पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में शत्रुओं को मात देने में कामयाब रहेंगे। बड़े निवेश को करने से बचना होगा। किसी से धन उधार ना लें, अन्यथा मुश्किल हो सकती है। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। घर परिवार में सदस्यों को लेकर चल रही अनबन दूर होगी। जीवनसाथी के साथ बातचीत करते समय वाणी की मधुरता बनाए रखें, नहीं तो समस्या हो सकती है। गलत संगति की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आज का दिन राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहेगा। नौकरी में किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती। नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। घर की साज सज्जा की कुछ चीजों की खरीदारी भी कर सकते हैं। प्रेम जीवन में उथल-पुथल हो सकती है, वाणी की मधुरता बनाएं रखें।

मां भारती के मस्तक का आलौकिक श्रृंगार है हिंदी

मां भारती के मस्तक का आलौकिक शृंगार है हिंदी
मेरे प्यारे देश भारत का गौरव है हिंदी

जो घुट्टी के साथ घोलकर मां ने पिलाई थी
जिसे पिताजी ने प्यार से गोद में सुनाई थी
सभी सुर तालों को मिलाने वाली मल्हार है हिंदी

तुलसी, सूर, कबीर और रसखान के लिए
दिनकर, मैथिली, महादेवी और बच्चन के शब्दों को सिए
ब्रह्मा के कमंडल से बहती धार है हिंदी

हमारा भान, सम्मान, स्वाभिमान है हिंदी
हमारी सोच, विचार, व्यवहार है हिंदी
हमारी भाषा, ज्ञान, संसार है हिंदी
हर जनमानस का प्राण और आधार है हिंदी

त्रियंबिका चतुर्वेदी
(7 वर्ष) (कक्षा 3)
महाराजा सवाई भानसिंह विद्यालय, जयपुर

सुडोकु 1871

7				4		2	3	
9					2	7		
	4			1			5	
	1	9	8			3	4	2
		3				1		
		8			6		9	
				6				8
		2		7				
						4		

संकेत: आड़े, खड़े व 3 गुणा 3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सुडोकु 1870 का हल

4	9	8	2	5	1	7	6	3
6	5	1	8	3	7	4	9	2
7	2	3	6	9	4	8	1	5
3	8	5	7	2	6	9	4	1
9	4	2	3	1	8	5	7	6
1	7	6	9	4	5	3	2	8
5	1	7	4	8	2	6	3	9
8	3	4	1	6	9	2	5	7
2	6	9	5	7	3	1	8	4

न्यूज इन बॉक्स

एलन मस्क ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार को फिर कोसा, बता दिया 'फासीवादी'

वाशिंगटन

मशहूर उद्योगपति एलन मस्क एक बार फिर से ऑस्ट्रेलियाई सरकार से भिड़ गए हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरकार को फासीवादी बता दिया है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन गलत सूचनाएं रोकने के लिए एक नया कानून प्रस्तावित किया है। इस कानून के तहत गलत सूचनाएं रोकने में विफल रहने पर सोशल मीडिया कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसी कानून की आलोचना करते हुए मस्क ने ऑस्ट्रेलिया सरकार को फासीवादी बताया है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया की लेबर सरकार ने गुरुवार को संसद में एक कानून पेश किया, जिसके तहत गलत सूचना को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों पर उनके वैश्विक राजस्व का 5 फीसदी तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इस कानून का उद्देश्य तकनीकी दिग्गज कंपनियों पर लगाम लगाना माना जा रहा है और अब दुनियाभर में इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं।

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना को पति ने उतारा मौत के घाट, शव के टुकड़े कर मिक्सर में पीसा

वाशिंगटन

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविक की उनके पति ने घर में बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी पति का नाम थॉमस है जिसने अपनी पत्नी क्रिस्टीना की गला घोंटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं अपना जुर्म छुपाने के लिए उसने अपनी पत्नी के शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए, जिसके बाद उसके शरीर के अंगों को मिक्सर में पीस दिया और उन्हें एसिड में घोलकर अपराध को छिपाने का प्रयास किया गया। लेकिन वह पुलिस की नजरों से बच नहीं पाया। आखिरकार पुलिस ने उसको पकड़ लिया, जहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। लेकिन उसने पुलिस को पूछताछ में जो बात बताई उससे पुलिस भी हैरान रह गई। उसने यह भी कहा कि उसने अपनी पत्नी की हत्या आत्मरक्षा में की और वह उसकी मौत से घबरा गया था, इसलिए उसने पत्नी के शव के टुकड़े किए। यह जघन्य अपराध फरवरी में सामने आया जब जोक्सिमोविक का क्षत-विक्षत शव मिला। अधिकारियों ने जांच शुरू की और तुरंत निष्कर्ष निकाला कि अंग-भंग करने से पहले उसका गला घोंटा गया था। इस जुर्म में पुलिस ने थॉमस को हिरासत में ले लिया था। वहीं, थॉमस ने कोर्ट से जमानत की मांग की थी, जिसको संघीय अदालत ने खारिज कर दिया। थॉमस ने दावा किया कि उसने आत्मरक्षा में पत्नी की हत्या की और आरोप लगाया कि क्रिस्टीना ने उस पर चाकू से हमला किया था। हालांकि, मेडिकल रिपोर्ट उनके बयान का खंडन करती है।

धमकी देते हुए चीन ने कहा- हम आपकी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहते

भारत के कहने पर श्रीलंका में रोके चीन के जहाज, भड़का ड्रैगन

कोलंबो

श्रीलंका ने चीन के जासूसी जहाजों को अपने बंदरगाहों पर आने से रोक लगा रखी है। चीन को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहा है। चीन के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि चीन श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अनुसंधान जहाजों पर रोक लगाने से नाखुश है। वहीं भारत पर परोक्ष रूप से तंज कसते हुए कहा कि कुछ देश इसे अपनी कूटनीतिक जीत मानते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल चीन के कथित रिसर्च जहाजों को लेकर हमेशा चिंता जताई जाती रही है। भारत कहता रहा है कि रिसर्च के नाम पर ये जहाज जासूसी करते हैं और ऐसी जानकारियां इकट्ठा करते हैं जो चीन को युद्ध में मदद करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक कोलंबो पोर्ट सिटी में प्रदर्शनी केंद्र में पत्रकारों से बातचीत के दौरान चीनी दूतावास के उप प्रमुख यानवेई झू ने श्रीलंका पर दबाव बनाने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि चीन में सोशल मीडिया पर लोगों की ओर से इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि श्रीलंका एक मित्रवत देश क्यों है, जब उसने एक ऐसा कदम उठाया है। उन्होंने परोक्ष रूप से कहा कि श्रीलंका ने भारत के इशारे पर चीनी जहाजों को रोका है। झू ने कहा कि तीसरे पक्ष के इशारे पर उठाए गए कदम को कुछ देश एक कूटनीतिक जीत मानते हैं। उन्होंने कहा कि चीन चुप है, क्योंकि उसे श्रीलंका की कठिन स्थिति का फायदा उठाने में दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन श्रीलंका की स्वतंत्रता और संप्रभुता का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि अगर यह श्रीलंका का स्वतंत्र निर्णय है। ऐसी अफवाह है कि दूसरे देशों के प्रभाव में आकर ऐसा किया गया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि श्रीलंका के अधिकारियों के पास इस तरह के शोध करने की क्षमता नहीं है और चीन मदद के लिए आगे आया है।

श्रीलंका ने लगाया एक साल का बैन: श्रीलंका ने एक वर्ष के लिए किसी भी रिसर्च जहाज को अपने बंदरगाहों पर रुकने या अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंदर संचालन करने को रोक दिया है। साल 2023 में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ पीएम मोदी ने मीटिंग की थी। उन्होंने भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं का सम्मान करने का आग्रह किया था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के संबंध में नए प्रस्ताव पेश

स्थाई सदस्यता के लिए अमेरिका भारत के साथ, जापान-जर्मनी का भी समर्थन

वाशिंगटन

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के संबंध में नए प्रस्ताव पेश किए। इस दौरान भारत, जापान और जर्मनी को सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता देने के दीर्घकालीन समर्थन को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने इस बारे में बयान दिया। उन्होंने ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों के लिए वैश्विक नेताओं के न्यूयॉर्क में इकट्ठा होने से कुछ ही दिन पहले यह बात कही। लिंडा ने कहा कि अमेरिका अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में अस्थाई सदस्यता देने के अलावा दो अफ्रीकी देशों को स्थाई सदस्य बनाने का भी समर्थन करता है। उन्होंने विदेश संबंध परिषद के कार्यक्रम में 'बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र सुधार का भविष्य' विषय पर चर्चा के दौरान यह भी घोषणा की कि अमेरिका छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के लिए सुरक्षा परिषद में एक नयी सीट बनाने का समर्थन करता है। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि भारत, जर्मनी और जापान को स्थाई सदस्य बनाने के लिए अमेरिका के दीर्घकालिक समर्थन का क्या अर्थ है। इस पर उन्होंने कहा कि जी4 की जहां तक बात है तो हमने जापान, जर्मनी और भारत के लिए अपना समर्थन जाहिर किया है। ब्राजील के लिए स्पष्ट रूप से समर्थन व्यक्त किया गया। जी4 में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं। चारों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए एक-दूसरे के दावों का समर्थन करते हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, और हम परिषद में उसके शामिल होने का वास्तव में दृढ़ता से समर्थन करते हैं। मुझे लगता है कि भारत को सदस्यता देने से इनकार करने का कोई आधार नहीं है, लेकिन ऐसे लोग होंगे जो विभिन्न कारणों से विभिन्न देशों का विरोध करेंगे। हम आगे होने वाली बातचीत के दौरान इसपर भी बात करेंगे।

अफ्रीका के बारे में थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि तीन अफ्रीकी देश सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य हैं। अफ्रीकी देशों को अपनी बात रखने और आवाज उठाने का पूरा अवसर नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि, अमेरिका सुरक्षा परिषद में अफ्रीकी देशों के लिए अस्थाई सदस्यता के अलावा दो स्थाई सीटें सृजित करने का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि हमारे अफ्रीकी साझेदार ऐसा चाहते हैं और हमारा मानना है कि यह उचित है।

पहली बार सार्वजनिक किया यूरेनियम संवर्धन केंद्र

परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग

उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसी के तहत उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने यूरेनियम संवर्धन के सेंट्रीफ्यूज की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने परमाणु हथियार संस्थान और 'हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री के उत्पादन आधार' केंद्र के दौरे के दौरान यह आदेश दिया। हालांकि इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि यह परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्र कहां पर स्थित है और किम जोंग उन ने कब ये दौरा किया।

कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के अनुसार किम ने यूरेनियम संवर्धन आधार केंद्र के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आधार केंद्र गतिशील रूप से परमाणु सामग्री का उत्पादन कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उत्तर कोरिया ने पहली बार अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र को सार्वजनिक रूप से पेश किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार किम ने आत्मरक्षा के लिए परमाणु हथियारों को तेजी से बढ़ाने के लिए सेंट्रीफ्यूज की संख्या को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। यूरेनियम संवर्धन केंद्र का इस्तेमाल यूरेनियम को सेंट्रीफ्यूज में रखकर और उसे उच्च गति से घुमाकर अधिक समृद्ध यूरेनियम के उत्पादन के लिए किया जाता है। परमाणु हथियारों के निर्माण के लिए अत्यधिक और समृद्ध यूरेनियम जरूरी होता है। अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि उत्तर कोरिया प्योंगयांग के कांगसन परमाणु परिसर और योंगब्योन परमाणु स्थल पर यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है।

दुर्गा पूजा उत्सव को लेकर बांग्लादेश ने रची नापाक साजिश

ढाका

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश और भारत के संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। मोहम्मद युनूस सरकार ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसका असर पश्चिम बंगाल खासकर बंगाली समुदाय के लोगों पर पड़ने वाला है। दरअसल, दुर्गा पूजा के समय बांग्लादेश ने हिल्सा मछली के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कर लिया है। बता दें कि साल 2019 से बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यह नीति अपनाई थी कि हर साल पूजा से एक महीने पहले पद्मा नदी से 1,000 टन से अधिक हिल्सा भारत को निर्यात की जाएगी। गंगा नदी, बांग्लादेश में पद्मा नदी के नाम से जानी जाती है।

पूजा के समय हिल्सा मछली की होगी कमी: कुछ ही दिनों के बाद दुर्गा पूजा की शुरुआत होने वाली है। बंगाली समुदाय के लोग पूजा के दौरान घर में हिल्सा जरूर बनाते हैं, लेकिन बांग्लादेश ने इस बार फैसला किया है कि वो पड़ोसी देश को हिल्सा मछली का निर्यात नहीं करेगी। हालांकि, पश्चिम बंगाल के बाजारों में इस मछली की मौजूदगी तो रहेगी, लेकिन कीमत ज्यादा होने की आशंका है।

बांग्लादेश सरकार ने क्या दी दलील: बांग्लादेश में पशुधन मंत्रालय की सलाहकार फरीदा अख्तर ने बताया कि अब बांग्लादेश के अंतरिम सरकार ने स्थानीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। फरीदा अख्तर का कहना है कि जब तक बांग्लादेश के लोगों के लिए यह पर्याप्त नहीं होती तब तक वह हिल्सा का निर्यात नहीं करेंगे।

स्पोर्ट्स

भारत में पहली बार अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द

महानगर संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट शुक्रवार को एक भी गेंद फेंके बगैर लगातार बारिश के कारण रद्द हो गया और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसी स्थिति आठवीं बार आई है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सात बार ही ऐसा हुआ है जब एक भी गेंद फेंके बिना मैच रद्द हुआ हो। पिछली बार ऐसा 26 साल पहले 1998 में हुआ था। उस समय भी न्यूजीलैंड टीम ही थी जिसे डुनेडिन में भारत से खेलना था। उसी साल और उसी दिन फैसलाबाद में पाकिस्तान और जिम्बाब्वे का टेस्ट भी घने कोहरे के कारण बिना किसी खेल के रद्द किया गया था।

भारत में पहली बार कोई टेस्ट एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द हुआ है। पहले दो दिन गीली आउटफील्ड के कारण खेल नहीं हो सका, जिससे शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर की मैच की मेजबानी की क्षमता पर सवाल उठे हैं। बाकी तीन दिन बारिश के कारण खेल रद्द हो गया। शुक्रवार की सुबह पिच का मुआयना किया गया, लेकिन अभी भी आउटफील्ड में उन जगहों पर पानी जमा है, जो ढकी नहीं हैं। इससे मैच का रद्द होना तय हो गया जिसमें टॉस तक नहीं कराया जा सका। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा कि ग्रेटर नोएडा में अभी भी बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट के पांचवें दिन का खेल रद्द कर दिया गया। पिछले दो सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। उसके अलावा सुविधाओं के अभाव, ग्राउंड कवर की कमी, खराब ड्रेनेज, कुशल मैदानकर्मियों के अभाव और सुपर सोपर पर्याप्त संख्या में नहीं होने से समस्या बढ़ी है। पहले दो दिन सूरज निकलने के बावजूद खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए अंपायरों ने खेल नहीं कराने का फैसला लिया।

सूत्रों की माने तो ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) से दो सुपर सोपर मांगे थे, जो मेरठ स्टेडियम से भेजे गए। दिन में विवाह में इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक शामियाने का इस्तेमाल आउटफील्ड ढंकने के लिए किया गया और शाम को बरसाती लगाई गई। कोटला से डीडीसीए अधिकारियों ने आउटफील्ड कवर भेजे, लेकिन वह काफी नहीं थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के पास कुशल मैदानकर्मी भी नहीं थे, जिसकी वजह से मजदूरों को काम पर लगाया गया। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कानपुर, बेंगलुरू और ग्रेटर नोएडा के विकल्प दिए थे।

एसीबी ने लॉजिस्टिक कारणों से ग्रेटर नोएडा को चुना। अफगानिस्तान इस मैच की मेजबान था जिसे शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता। आईसीसी से 2017 में टेस्ट टीम का दर्जा मिलने के बाद यह उसका दसवां टेस्ट था। यह टेस्ट आईसीसी विश्व चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं है। स्टेडियम के भविष्य पर फैसला मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ की रिपोर्ट आने के बाद होगा।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज : विराट कोहली भी जुड़े

भारत ने चेन्नई में शुरू किया अभ्यास, गंभीर व रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों को दिया संदेश

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया शुक्रवार को चेन्नई पहुंची। बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की यह पहली टेस्ट सीरीज होगी, जिसमें उनका लक्ष्य भारतीय टीम को जिताना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय खिलाड़ियों की कुछ तस्वीरें साझा की, जिनमें गंभीर और रोहित को उन्हें संदेश देते देखा गया।

भारत और बांग्लादेश के बीच पहला मुकाबला एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच कानपुर में 27 सितंबर से शुरू होगा। बीसीसीआई ने शुक्रवार को प्रैक्टिस सेशन की तस्वीरें साझा कीं। बोर्ड ने लिखा- उल्टी गिनती शुरू हो गई है। टीम इंडिया एक रोमांचक घरेलू सत्र के लिए अपनी तैयारी शुरू कर रही है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी टीम से जुड़ गए। वह लंदन से सीधे चेन्नई पहुंचे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बल्लेबाज केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार को ही यहां पहुंच गए थे। खिलाड़ी एक महीने से अधिक के ब्रेक के बाद मैदान पर लौटेंगे। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत को श्रीलंका के हाथों हार मिली थी। नए कोच गौतम गंभीर की यह पहली टेस्ट सीरीज है।

भारत और बांग्लादेश के बीच होने जा रही टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। भारतीय टीम को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेलनी है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में 68.52 प्रतिशत अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि आस्ट्रेलिया 62.52 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को हराया था। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नजमुल हुसैन शांतो ने मेजबानों का सूपड़ा साफ किया था। रावलपिंडी में खेली गई टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश ने पाकिस्तान पर 0-2 से फतेह हासिल की। पहला टेस्ट बांग्लादेश ने 10 विकेट से अपने नाम किया था। वहीं, दूसरा मुकाबला टीम ने छह विकेट से जीता। अब टीम की नजर भारत के खिलाफ भी इस तरह के प्रदर्शन पर होगी।

डायमंड लीग फाइनल में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा और अविनाश साबले, कड़ा होगा मुकाबला

विशेष संवाददाता

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल 2024 में भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले भाग लेंगे। ये स्पर्धाएं शुक्रवार से बेल्जियम में शुरू हुई। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग लेंगे, जिसका समय 14 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:39 बजे निर्धारित है। इस बीच नीरज चोपड़ा भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेंगे, जो 15 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:52 बजे शुरू होगी।

यह पहली बार है जब दो भारतीय एथलीट डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई हुए हैं। नीरज चोपड़ा का डायमंड लीग में सफल इतिहास रहा है, उन्होंने 2022 में फाइनल जीता और 2023 में दूसरा स्थान हासिल किया। 2024 सीजन में चोपड़ा ने दो मीट में 14 अंक अर्जित किए और समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहे। मई में दोहा लेग और पिछले महीने लॉजेन इवेंट दोनों में उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 29 अंकों के साथ भाला फेंक स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहे, उसके बाद जर्मनी के जूलियन वेबर 21 अंकों के साथ दूसरे और चेकिया के गत चैंपियन जैकब वडलेज 16 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम ने इस साल डायमंड लीग में केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की और ब्रुसेल्स फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए। अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज के लिए डायमंड लीग स्टैंडिंग में दो मीटिंग में तीन अंकों के साथ 14वें स्थान पर रहे।

बांग्लादेश में क्रिकेट पर लगेगा बैन, सरकार के आदेश से खेल जगत में मचा हड़कंप

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। आजकल क्रिकेट का रोमांच दुनियाभर में देखने को मिलता है, और इसका अनुसरण करने वाले फैंस भी कम नहीं हैं, लेकिन हाल ही में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है कि अफगानिस्तान में क्रिकेट पर पूरी तरह से बैन लग सकता है। इस आशंका के बीच क्रिकेट जगत में हड़कंप मचा हुआ है, क्योंकि अफगानिस्तान की टीम ने हाल ही में विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने विश्व क्रिकेट में अपनी काबिलियत साबित की है। टीम के स्टार खिलाड़ियों में राशिद खान, गुरबाज, नवीन उल हक और मोहम्मद नबी शामिल हैं, जो न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी लोकप्रिय हैं। ये खिलाड़ी दुनियाभर की क्रिकेट लीग्स में अपनी छाप छोड़ चुके हैं और देश का नाम रोशन कर चुके हैं। हालांकि, हाल की रिपोर्ट्स के अनुसार अफगानिस्तान में क्रिकेट पर बैन लगाने की संभावनाएं उभर रही हैं।

एसीटी हॉकी: भारत-पाकिस्तान में भिड़ंत आज

महानगर संवाददाता

नईदिल्ली। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी भारतीय हॉकी टीम का शनिवार को पाकिस्तान से सामना होगा। एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बहु प्रतिक्षित आखिरी राउंड रॉबिन मैच में भारत अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगा। लगातार चार मैचों में जीत दर्ज कर चुकी भारतीय सेना अंक तालिका में शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है।

लगातार चार मैचों में भारत ने दर्ज की जीत: पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलयेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया। अब टीम की नजर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर है। वहीं, पाकिस्तानी टीम ने मलयेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से हराया है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

भारत-पाकिस्तान हेड टु हेड: मौजूदा फॉर्म की बात करें तो भारत का पलड़ा भारी है। हांगझोउ एशियाई खेलों में पिछले साल भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। उससे पहले चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि 2021 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ढाका में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

दोनों टीमों के कप्तान उत्साहित: भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए काफी उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले कप्तान ने कहा कि मैं अपने जूनियर दिनों से पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलता आया हूं। मेरा उनसे अच्छा संबंध है और वे भाई जैसे हैं। मैदान पर हालांकि किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जज्बात पर काबू रखना होता है। विश्व हॉकी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का कोई मुकाबला नहीं है। मुझे यकीन है कि दुनिया भर में हॉकी प्रेमियों को इस मैच का इंतजार होगा।

संजौली मस्जिद विवादः पूर्व महापौर समेत 43 लोगों पर एफआईआर

महानगर संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में संजौली मस्जिद विवाद मामले में धारा 163 लागू होने के बावजूद हजारों की संख्या में एकत्र होकर प्रदर्शन करने पर पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने मामले में शिमला एमसी की पूर्व मेयर समेत 43 लोगों को आरोपी बनाया है। इन पर गैर कानूनी तरीके से प्रदर्शन करने, पुलिस कर्मियों पर हमला कर उन्हें घायल करने, विशेष समुदाय के खिलाफ लोगों को उकसाने का आरोप है। पुलिस ने संजौली बाजार में हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों की ओर से की गई पत्थरबाजी का वीडियो जारी किया है। इस आधार पर पुलिस पत्थरबाजी करने वालों की पहचान कर रही है। पुलिस के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला किया। इसके बाद पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल प्रयोग किया। एसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने कहा कि गैर कानूनी तरीके से प्रदर्शन करने, पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की गहनता से जांच कर रही है। ऐसे में केस में और लोगों के नाम शामिल हो सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला मुख्यालय के जेल रोड पर बिना नक्शा पास करवाए मस्जिद में किए निर्माण के विरोध में भड़के लोग

हिंदू संगठनों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस ने किया वाटर कैनन का इस्तेमाल

महानगर संवाददाता

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला मुख्यालय के जेल रोड में बिना नक्शा पास करवाए मस्जिद में किए गए निर्माण कार्य के विरोध में मंडी शहर में हिंदू संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया। मंच पर लोगों की ओर से जमकर नारेबाजी की गई। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से नारेबाजी करते हुए चौहाटा बाजार की तरफ रैली निकाली। इसके बाद स्कूल बाजार से जेलरोड की तरफ जाते ही प्रदर्शन उग्र हो गया। बेकाबू प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। उधर, भगदड़ में बहुत से लोगों की तबीयत बिगड़ी है। कई प्रदर्शनकारी पानी की बौछारों के लगने से मौके से हट गए। जबकि एक युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इलाके में माहौल तनावपूर्ण बना रहा। हालांकि, प्रदर्शनकारियों को नेता लगातार आह्वान करते रहे कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया जाए। इसके बाद डीसी मंडी ने प्रदर्शनकारियों से बात की और शांति बनाए रखने का अनुरोध किया। डीसी के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी अब पीछे हटने लगे हैं और प्रदर्शन स्थल को छोड़ रहे हैं। मौके पर पुलिस पूरी तरह से नजर बनाए हुए हैं। मौके पर पुलिस पूरी तरह से नजर बनाए हुए हैं। जिला दंडाधिकारी अपूर्व देवगन ने मंडी शहर के सात वार्डों में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी है। पुलिस और प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए अलर्ट पर है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस का कड़ा पहरा है। प्रदर्शन के दौरान मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे और हर स्थिति पर नजर रखेंगे। शहर की मुख्य सड़कों पर नाकाबंदी कर दी है। मस्जिद के पास बेरिकेडिंग की गई है। मस्जिद के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा है। जेल रोड मंडी सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक बंद किया गया है। पुलघराट की ओर भी यातायात एकतरफा किया गया है। जेल रोड से लेकर स्कूल बाजार तक ट्रैफिक पूरी तरह से बंद है। इस तरफ मस्जिद के पास तक तीन से ज्यादा नाके लगाए गए हैं। उधर, ऊंचे भवनों पर भी कमरों से निगरानी की जा रही है। संजौली में हुई घटना से सबक लेते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से मंडी में पहले से ही कड़े प्रबंध किए गए हैं।

मुस्लिम समुदाय ने खुद ही शुरू किया निर्माण हटाना

गौरतलब है कि नगर निगम मंडी के तहत पैलेस कॉलोनी-1 में जेल रोड के पास मस्जिद में कथित अवैध निर्माण को लेकर उपजे विवाद के बाद मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी ने खुद निर्माण हटाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को आयुक्त कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने से 20 घंटे पहले समुदाय ने निर्माण गिराना शुरू किया। मुस्लिम वेलफेयर कम्यूनिटी के प्रधान रहीम अहमद और सदस्य इकबाल अली ने बताया कि लोनिवि की निशानदेही के बाद अवैध निर्माण गिराया जा रहा है। सुबह निर्माण हटाने को कहा था। मस्जिद अपनी मलकियत पांच बिस्वा जमीन पर बनी है। 33 वर्ग मीटर अवैध हिस्सा निकला है जिसे हटाया जा रहा है। अक्तूबर 2023 में निगम में नक्शे के लिए अप्लाई किया था। तब पीडब्ल्यूडी की एनओसी के बारे में किसी ने अवगत नहीं करवाया था। अब निगम कार्यालय में मस्जिद में अवैध निर्माण हटाने को लेकर पत्र दिया है।

सरकार का महत्वपूर्ण अंग होता है वित्त विभाग : अग्रवाल

उत्तराखण्ड वित्त सेवा संघ का दसवां वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

महानगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड वित्त सेवा संघ का 10वां वार्षिक अधिवेशन देहरादून के राजपुर रोड स्थित होटल अकेता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अधिवेशन का शुभारंभ वित्त मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव वित्त आनंद बर्द्धन, सचिव वित्त दिलीप जावलकर, निदेशक कोषागार दिनेश चंद्र लोहनी व उत्तराखण्ड वित्त सेवा संघ के अध्यक्ष जयपाल सिंह तोमर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने वित्त सेवा से जुड़े अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वित्त सेवा प्रतिष्ठा प्राप्त सेवा है। वित्त विभाग सरकार का महत्वपूर्ण अंग होता है, जो वित्तीय अनुशासन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वित्तमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में वित्त विभाग बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य के विकास में उत्तराखण्ड वित्त सेवा के योगदान का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक परिदृश्यों के अनुसार अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली व नियमों की व्याख्या करनी होगी, ताकि सरकार आम जनमानस की अपेक्षाओं को पूरा कर सके। कार्यक्रम का संचालन वित्त नियंत्रक राजभवन तृप्ति श्रीवास्तव ने किया।

उत्तराखण्ड वित्त सेवा की कार्यकारिणी का पुनर्गठन

इस अवसर पर उत्तराखण्ड वित्त सेवा की कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। अध्यक्ष के पद पर जयपाल सिंह तोमर, महासचिव के पद पर खजान चंद्र पांडेय व उपाध्यक्ष के पद पर भूपेन्द्र प्रसाद कांडपाल को यथावत रखते हुए उपाध्यक्ष कुमाऊं के पद पर सूर्य प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष के पद पर संजीव कुमार व सचिव प्रशासन के पद पर शशि सिंह को चुना गया। संघ के महासचिव खजान चंद्र पांडेय ने समस्त वित्त परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया।

एक घर गिराने से जुड़ी याचिका पर शीर्ष अदालत की टिप्पणी

'कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा है बुलडोजर एक्शन'

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (12 सितंबर) को कहा कि बुलडोजर एक्शन देश के कानूनों पर बुलडोजर चलाने जैसा है। किसी के अपराध में शामिल होने का आरोप उसकी संपत्ति ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता। जस्टिस ऋषिकेश रॉय, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने एक घर गिराने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है तो उसके पूरे परिवार या कानूनी तरीके से बनाए उसके घर पर एक्शन नहीं ले सकते हैं। सितंबर में यह दूसरा मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। इससे पहले 2 सितंबर को कोर्ट ने कहा था कि किसी केस में व्यक्ति दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

गुजरात की खेड़ा नगर पालिका ने दी थी बुलडोजर एक्शन की धमकी

दरअसल, गुजरात में नगरपालिका की तरफ से एक परिवार को बुलडोजर एक्शन की धमकी दी गई थी। याचिकाकर्ता गुजरात के खेड़ा जिले के कठलाल में एक जमीन का सह-मालिक है। उनके खिलाफ 1 सितंबर 2024 को एक मामले में केस दर्ज हुआ था। याचिकाकर्ता के अनुसार, केस दर्ज होने के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने उसके घर पर बुलडोजर चलाने की धमकी दी। उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि आरोपी के परिवार की तीन पीढ़ियां लगभग दो दशकों से उस घर में रह रही हैं। सुप्रीम कोर्ट बोला- कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया से अपराध साबित करिए याचिकाकर्ता की दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ अपराध को कानूनी प्रक्रिया के जरिए कोर्ट में साबित किया जाना चाहिए। जिस देश में कानून सर्वोच्च है, वहां ऐसी धमकियों को कोर्ट नजरअंदाज नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने नगरपालिका अधिकारियों को नोटिस जारी किया और मामले में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राज्य और नगर निगम से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या के आरोप तय

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। 1984 के सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दिल्ली की अदालत ने आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ हत्या, गैरकानूनी ढंग से एकत्र होना, दंगा करना, दंगा भड़काना, अलग-अलग गुटों को एक दूसरे के खिलाफ भड़काना, घरों में जबरन घुसना और चोरी के आरोप तय किए हैं। स्पेशल जज राकेश सियाल ने कहा है कि टाइटलर ने सीबीआई के आरोपों पर कहा था कि वे दोषी नहीं हैं। इसलिए अब टाइटलर के खिलाफ इन आरोपों के हिसाब से ही केस चलेगा। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। अदालत ने 30 अगस्त को हुई पिछली सुनवाई में कहा था कि टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलाने के पर्याप्त सबूत हैं। सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ 20 मई 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें कहा था कि टाइटलर ने भीड़ को उकसाया। इसके बाद गुरुद्वारे में आग लगाई। इस हिंसा में ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरुचरण सिंह मारे गए थे।

चार्जशीट के मुताबिक, एक गवाह ने आरोप लगाया था कि

जगदीश टाइटलर 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक एंबेसडर कार से बाहर निकले। इसके बाद उन्होंने भीड़ को उकसाते हुए कहा था- सिखों को मारो, उन्होंने हमारी मां को मारा है।

सज गया हरियाणा का चुनावी रण

सीएम-पूर्व सीएम समेत 1700 से ज्यादा ने भरा नामांकन

महानगर संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का चुनावी रण सजकर तैयार हो गया है। आखिरी दिन 1088 नामांकन भरने के बाद कुल 17,378 उम्मीदवार मैदान में हैं। 2019 के चुनाव में 1169 उम्मीदवार मैदान में थे। हालांकि नामांकन पत्रों की समीक्षा और नामांकन वापस लेने के बाद इस बार भी संख्या कम होगी। 16 सितंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब राजनीतिक दलों को जोर चुनाव प्रचार पर रहेगा।

भाजपा और आप ने इस बार गठबंधन किए बिना सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, कांग्रेस ने 89 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और भिवानी विधानसभा सीट पर माकपा के उम्मीदवार का समर्थन किया है। जजपा-एएसपी गठबंधन ने 85 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें जजपा के 69 और एएसपी के 16 प्रत्याशी हैं। पार्टी ने 35 युवा उम्मीदवारों को मौका दिया है। वहीं, इनेलो-बसपा ने 89 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए। इनेलो 51 और बसपा 38 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस बार चुनावी मैदान में चार खिलाड़ी भी मैदान में हैं। इनमें विनेश फोगाट, दीपक हुड्डा, कविता दलाल और आरती राव शामिल हैं। चुनाव मैदान में सीएम नायब सिंह सैनी, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, एक विधानसभा अध्यक्ष, दो पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और 16 पूर्व मंत्री मैदान में हैं। वहीं, दस मंत्रियों समेत 67 विधायक चुनावी मैदान में हैं। इनमें भाजपा के 29 और कांग्रेस के 30, जजपा के दो, इनेलो के एक, हलोपा का एक विधायक मैदान में है। चार निर्दलीय विधायक भी मैदान में हैं। इनमें रणजीत सिंह चौटाला, नयनपाल रावत, बलराज कुंडू, रणधीर गोलन चुनावी ताल ठोक रहे हैं।

मैथन एलॉयज को मिला 'आईडीसी फ्यूचर इंटरप्राइज अवॉर्ड-2024'

आसनसोल (मसं)। पश्चिम बंगाल के जाने-माने उद्योगपति व समाजसेवी मैथन एलॉयज लिमिटेड के सीएमडी सुभाष अग्रवाला ने हर्ष व्यक्त करते हुए घोषणा की और कहा कि खुशी हो रही है कि हमारी कंपनी को 'आईडीसी फ्यूचर एंटरप्राइज अवॉर्ड-2024' से सम्मानित किया गया है। डिजिटल नवाचार के लिए आईडीसी विशेष पुरस्कार डिजिटल परिवर्तन और तकनीकी उन्नति में उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देता है। सुभाष अग्रवाला ने बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन संगठनों व नेताओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने डिजिटल पहलों के माध्यम से महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व और नवीन सोच का प्रदर्शन किया है।

प्रदेश

कलशयात्रा के साथ तेजाजी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

सुजानगढ़ (मसं)। निकटवर्ती गांव हरासर में तेजा दशमी के अवसर पर वीर तेजाजी मन्दिर में कलशयात्रा के साथ मूर्ति की स्थापना की गई। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर डीजे की धुन पर नाचते गाते कलशयात्रा निकाली। ग्रामीण हेतराम खिलेरी व बाबूलाल खिलेरी ने बताया कि उन्होंने माता सोहनीदेवी की याद में मन्दिर निर्माण करवाया। चामुंडा माता मंदिर शिमला के पुजारी भागीरथ प्रसाद काछवाल ने विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ मन्दिर में वीर तेजाजी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई। ग्रामीणो ने मन्दिर में धौक लगाकर गांव में खुशहाली की कामना की। इस दौरान बाबूलाल, चुन्नीलाल खिलेरी, लक्ष्मण राम खिलेरी, सरपंच राजेंद्र खिलेरी, रतन सिंह राठौड़, कुशल सिंह, गिरधारी मील, पूर्णाराम गोदारा, भंवरलाल सुंडा, किशनलाल दर्जी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं व पुरुष मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर भादवा सुदी दशमी पर गांव ठरड़ा के बाबा रामदेव मन्दिर में मेला भरा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बाबा रामदेव सेवा समिति के अध्यक्ष अमरसिंह राठौड़ ने बताया कि मेले की पूर्व संध्या पर मन्दिर परिसर में जागरण का आयोजन किया गया।

नायक समाज स्नेह मिलन समारोह कल

झुंझुनूं (मसं)। नायक समाज विकास सेवा समिति झुंझुनूं की बैठक अंगासर रोड स्थित अम्बे माता मंदिर में आयोजित की गई। बैठक प्रदेश महासचिव एडवोकेट पीएल नायक व जिलाध्यक्ष बजरंग लाल नायक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज का स्नेह मिलन समारोह, जो 15 सितंबर को प्रातः 10 बजे अम्बेडकर भवन मंडावा में आयोजित होगा, इसको लेकर चर्चा की गई। समारोह में जिला स्तर व ग्रामीण स्तर के समिति के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। समारोह में समाज में शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने, सामाजिक कुरीतियों का परित्याग करने सहित समाज के विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

शब्दाक्षर राष्ट्रीय संस्था की हुई काव्य गोष्ठी

नवलगढ़ (मसं)। कस्बे में शब्दाक्षर संस्था की ओर से हिंदी दिवस पर जागिड़ अस्पताल परिसर में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। हिंदी के गौरव साहित्य संस्कृति व हमारी विरासत को दर्शाती हिंदी के यशगान को काव्य में पिरोकर कवियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दाक्षर के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दयाशंकर जागिड़ ने की, जबकि मुख्य अतिथि समाजसेवी कैलाश चोटिया थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार शर्मा, सज्जन जोशी, काशीनाथ मिश्रा, अशोक पारीक थे।कवि गोष्ठी में कवि श्रीकांत पारीक, रमाकांत सोनी, काशीनाथ मिश्रा, सज्जन जोशी, रिद्धकरण बासोतिया, डॉ. कैलाश शर्मा आदि ने एक से बढ़कर एक रचनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर डूण्डलोद में 18 से 24 सितंबर को होने वाले श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। ज्ञात रहे 21 सितंबर को कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा।

उप चुनावों से पहले सैनी समाज करेगा टिकट की दावेदारी

महानगर संवाददाता

झुंझुनूं। झुंझुनूं विधानसभा के लिए उप चुनाव प्रस्तावित है, ऐसे में ना केवल नेता, बल्कि सैनी समाज ने भी टिकट की दावेदारी के लिए ताल ठोक दी है। शुक्रवार को सैनी समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रेस वार्ता कर 15 सितंबर को प्रस्तावित राजनीतिक चिंतन सभा की जानकारी दी। सभा के संयोजक व उपचार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कमलचंद सैनी ने बताया कि 15 सितंबर को आयोजित सभा में झुंझुनूं विधानसभा उप चुनाव में समाज के नेताओं को टिकट देने की मांग को लेकर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों ही प्रमुख पार्टी कांग्रेस व भाजपा से समाज की मांग रहेगी कि वे संख्याबल के आधार पर इस बार उप चुनावों में सैनी समाज के प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारे। उन्होंने कहा कि पूरा सैनी समाज एकजुट है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण उदयपुरवाटी विधानसभा चुनाव है, जिसमें समाज ने एकजुटता के साथ एकतरफा वोटिंग कर कांग्रेस के प्रत्याशी को चुनाव जिताया। यही स्थिति झुंझुनूं विधानसभा उप चुनाव में होगी। यदि सैनी समाज को कांग्रेस या भाजपा टिकट देती है तो 95 प्रतिशत सैनी समाज एकजुटता के साथ वोटिंग करेगा। यदि टिकट नहीं दी तो आगे का निर्णय भी सैनी समाज बैठक करके करेगा। आपको बता दें कि डॉ. कमलचंद सैनी खुद भी भाजपा की टिकट की दावेदारी कर रहे हैं।

जयपुर में कर्मचारी महासंघ के चुनाव कल

महानगर संवाददाता

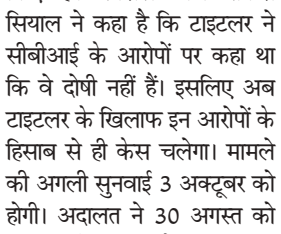

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ प्रदेश अध्यक्ष के लिए 15 सितंबर को चुनाव होंगे। ये बात शुक्रवार को महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र राना ने कही। राना ने बताया कि कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष का दो वर्षीय कार्यकाल पूरा होने पर निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है। निर्वाचन समिति के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सियाराम शर्मा होंगे। राना ने बताया कि 15 सितंबर को सुबह 11 बजे से मनोचिकित्सा केंद्र सेठी कॉलोनी के ऑडिटोरियम में निर्वाचन संपन्न होगा, जिसमें जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के विभिन्न विभागों के 41 राज्य स्तरीय संगठनों के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री और तृतीय सदस्य आगामी दो वर्ष के लिए लोकतांत्रिक तरीके से महासंघ का प्रदेशाध्यक्ष चुनेंगे। चुनाव में संगठनों के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ राज्य भर के महासंघ जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री और जिला संयोजकों के साथ सभी संभागीय संयोजक भी निर्वाचन कार्यक्रम में शामिल होंगे। निर्वाचन पूर्व महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति की साधारण सभा की बैठक होगी, जिसमें महासंघ का आगामी दो साल का कर्मचारी हितैषी एजेंडा तैयार किया जाएगा। जिसमें कर्मचारियों की वेतन विसंगति, पुरानी पेंशन बरकरार रखना, संविदा, निविदा कर्मियों का नियमितीकरण, शिक्षा, पीएचईडी, चिकित्सा आदि विभागों की पदोन्नति, राजनीतिक हस्तक्षेप रहित स्थानांतरण पॉलिसी आदि मांगे प्रमुख हैं।

राजस्थान की नई पर्यटन नीति जल्द आएगी : दीया

जयपुर (महानगर संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार को राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। इस दौरान दीयाकुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का पर्यटन के लिए विजन बहुत ही दूरदर्शी और उत्कृष्ट है। उन्हीं के प्रयास से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की जयपुर यात्रा हुई और जयपुर विश्व के पर्यटन मानचित्र पर छा गया। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में जल्दी ही नई पर्यटन नीति को लांच करेंगे।

बारां जिला कार्यालय के लिए भूमि का अवलोकन

जयपुर (महानगर संवाददाता)। भाजपा भवन निर्माण समिति की ओर से शुक्रवार को बारां जिले में कार्यालय की भूमि की पट्टा रजिस्ट्री करवाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अधिकृत प्रतिनिधि सुनिल कोठारी और प्रदेश विधि सलाहकार खेमचंद शर्मा ने भूमि का अवलोकन किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत निर्माण में पर्यावरण का अधिक योगदानः दीया कुमारी

जयपुर (महानगर संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शुक्रवार को जोधपुर के खेजड़ली शहीद मेले में शिकरत की। उन्होंने मां अमृता देवी शहीद स्मारक पहुंचकर पर्यावरण के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों की धरती को नमन किया। उन्होंने 'पेड़ है तो जल है, जल है तो कल है' की मुहिम को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में पर्यावरण का अधिक योगदान होगा। बजट घोषणा के अनुरूप हम मां अमृता देवी का भव्य स्मारक बनाएंगे। साथ ही 'शहीद अमृतादेवी बिश्नोई सड़क मार्ग' फोर लेन सड़क मार्ग की घोषणा भी की। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मारवाड़ के लोगों के लिए खेजड़ी का वृक्ष किसी वरदान से कम नहीं है।

संसदीय कार्य मंत्री ने मसूरिया में बाबा रामदेवजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जयपुर (मसं)। संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर मसूरिया स्थित बाबा बालीनाथ मंदिर पहुंचकर रामदेवजी महाराज की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गुरु पूज्य बाबा बालीनाथ की समाधि और अखंड ज्योति के दर्शन कर पटेल ने प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

भारत की अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी से ज्यादा वृद्धि की क्षमता: शक्तिकांत

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को सिंगापुर में एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर कहा कि भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत से भी अधिक होने की क्षमता रखती है। यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चालू वित्तीय वर्ष एफवाई-25 के लिए बताई गई 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर से थोड़ा ज्यादा है। दास ने यह बयान ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम में दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारत की वर्तमान विकास क्षमता लगभग 7.5 प्रतिशत से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि यह कार्यक्रम सिंगापुर में स्विस बैंक यूबीएस के सहयोग से

आयोजित किया गया था। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि इस साल के अंत तक हम 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद कर रहे हैं। अप्रेल से जून तिमाही में भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की तुलना में कम थी। इसकी वजह लोकसभा चुनावों के कारण सरकारी खर्च में आई कमी बताई जा रही है। यह दर भारतीय रिजर्व बैंक के 7.1 प्रतिशत के अनुमान से भी कम रही। दास ने कहा कि विकास के पूर्वानुमानों में जोखिम संतुलित हैं और मजबूत मैक्रोइकनॉमिक (सामान्य आर्थिक) आधारों द्वारा समर्थित हैं, जिनमें निजी खपत और निवेश मुख्य कारक हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति अप्रेल 2022 में 7.8 प्रतिशत के अपने चरम से कम होकर 4 प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास आ गई है, लेकिन हमें अभी भी आगे बहुत काम करना है और इस पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है।

इस वित्तीय वर्ष के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई दर के 4.5 प्रतिशत तक कम होने का अनुमान लगाया है। इसके साथ ही अगले वित्तीय वर्ष (एफवाई-26) में औसत महंगाई दर 4.1 प्रतिशत तक घटने की संभावना जताई है, बशर्ते मानसून सामान्य रहे और कोई बाहरी या नीतिगत झटके न आएं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि सेवाओं का निर्यात बढ़ा है, लेकिन बाहरी मांग कमजोर होने के कारण वस्त्र निर्यात (मर्चेंडाइज़ एक्सपोर्ट) की वृद्धि उम्मीद से कम रही है। उन्होंने वित्तीय समेकन (फिस्कल कंसोलिडेशन) की प्रगति, सार्वजनिक कर्ज में कमी और कॉर्पोरेट प्रदर्शन में सुधार को संतुलित विकास के लिए सकारात्मक कारक बताया।

रिलायंस के मार्केट कैप पर भारी एलन मस्क की नेटवर्थ, जकरबर्ग टॉप 3 में

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ 250 अरब डॉलर पहुंच गई है। माना जा रहा है कि 2027 में वह दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन सकते हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 1.10 अरब डॉलर की तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल उनकी नेटवर्थ 21.4 अरब डॉलर बढ़ी है। मस्क की नेटवर्थ दुनिया की 39 कंपनियों के मार्केट कैप से ज्यादा है।

भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 238.69 अरब डॉलर है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी दुनिया की सबसे ज्यादा वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 45वें नंबर पर है। टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियों को चला रहे मस्क की नेटवर्थ सालाना 110 औसत रफ्तार से बढ़ रही है। साल 2027 तक उनकी नेटवर्थ चार गुना से ज्यादा बढ़ जाएगी। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 18 की नेटवर्थ में तेजी आई। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 209 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर बने हुए हैं।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक लाइफ ने की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

महानगर संवाददाता

मुंबई। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के ग्राहकों की पहुंच जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की गई है। साझेदारी के बाद एयू एसएफबी के नए और मौजूदा ग्राहक अब टर्म, रिटायरमेंट, सेविंग्स और चुनिंदा निवेश योजनाओं सहित कोटक लाइफ के लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट (जीवन बीमा उत्पाद) की व्यापक रेंज तक पहुंच सकते हैं।

इस साझेदारी पर, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल ने कहा कि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में, हमारे ग्राहक हमारे हर काम के केंद्र में हैं, और हम उन्हें एक बड़ी रेंज की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे हम बैंकाश्योरेंस सेगमेंट में अपनी पेशकश का विस्तार कर रहे हैं, जीवन बीमा में एक भरोसेमंद लीडर, कोटक लाइफ के साथ साझेदारी, हमारे प्रोडक्ट के सेट को मजबूत करती है और हमारे ग्राहकों के लिए उपलब्ध फाइनेंशियल प्लानिंग के विकल्पों को बढ़ाती है।

कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, महेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि कोटक लाइफ में, हम मानते हैं कि जीवन बीमा हर भारतीय के लिए एक आवश्यकता है। एयू एसएफबी के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य आबादी के उस वर्ग तक पहुंचना है, जो अभी जीवन बीमा से दूर है।

अडाणी ग्रुप बोला- सारे दावे झूठे, यह हमारी मार्केट वैल्यू गिराने की कोशिश

हिंडनबर्ग का आरोप-स्विस बैंकों में अडाणी के 2600 करोड़ फ्रीज

महनगर संवाददाता

मुंबई। अडाणी ग्रुप के चीफ गौतम की उम्र 62 साल है। फोर्ब्स के अनुसार उनकी सालाना नेटवर्थ 7.13 लाख करोड़ रुपए है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 12 सितंबर को अडाणी ग्रुप के खिलाफ नए आरोप लगाए। हिंडनबर्ग ने कहा कि स्विस अथॉरिटीज ने अडाणी ग्रुप से जुड़े 6 स्विस बैंक अकाउंट से 310 मिलियन डॉलर (करीब 2602 करोड़ रुपए) से ज्यादा की रकम फ्रीज की है। हिंडबर्ग ने स्विस मीडिया आउटलेट गोथम सिटी की एक न्यूज रिपोर्ट का हवाला देते हुए ये आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्विस अथॉरिटीज ने ये रकम मनीलॉन्ड्रिंग और सिक्योरिटीज फॉजरी इन्वेस्टिगेशन के हिस्से के रूप में की है। स्विस मीडिया आउटलेट ने स्विस क्रिमिनल कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार अभियोजकों ने विस्तार से बताया कि कैसे अडाणी से जुड़े लोगों ने ओपेक बीवीआई/मॉरीशस और बरमूडा फंड में निवेश किया। इस फंड में खास तौर पर अडाणी ग्रुप के स्टॉक थे। हालांकि, गुरुवार देर रात अडाणी ग्रुप ने इन सभी आरोपों को झूठा बताया। ग्रुप ने कहा कि ये सब उनकी मार्केट वैल्यू गिराने के लिए किया

जा रहा है।

आरोप बेतुके और तर्कहीन

अपने जवाब में, अडाणी ग्रुप ने साफ किया कि वे किसी भी स्विस अदालत की कार्यवाही में शामिल नहीं हैं। न तो उनके ग्रुप की कंपनियों का उल्लेख ऐसे किसी भी अदालती दस्तावेज़ में किया गया है और न ही उन्हें स्पष्टीकरण के लिए कोई अनुरोध मिला है।अडाणी ग्रुप ने कहा- आरोप साफ तौर पर बेतुके और तर्कहीन हैं। हमें यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि यह हमारे समूह की प्रतिष्ठा और मार्केट मूल्य को क्षति पहुंचाने का प्रयास है। ग्रुप ने कहा कि उनका विदेशी होल्डिंग स्ट्रक्चर पारदर्शी और सभी कानूनों के अनुरूप है।

सेबी चेयरपर्सन पर भी लगे थे अडाणी ग्रुप से जुड़े होने के आरोप

इससे पहले हिंडनबर्ग ने सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। बुच ने इन आरोपों को 'निराधार' और 'चरित्र हनन' का प्रयास बताया था। सेबी चेयरपर्सन ने सभी फाइनेंशियल रिकॉर्ड डिक्लेयर करने की इच्छा व्यक्त की थी। अपने पति धवल बुच के साथ एक जॉइंट स्टेटमेंट में उन्होंने कहा, 'हमारा जीवन और फाइनेंसेस एक खुली किताब है।'

हिंडनबर्ग को 46 पेज का कारण बताओ नोटिस

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई। इस रिपोर्ट को लेकर भारतीय शेयर बाजार रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने हिंडनबर्ग को 46 पेज का कारण बताओ नोटिस भी भेजा था। 1 जुलाई 2024 को पब्लिश किए अपने एक ब्लॉग पोस्ट में हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि नोटिस में बताया गया है कि उसने नियमों उल्लंघन किया है। कंपनी ने कहा, सेबी ने आरोप लगाया है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में पाठकों को गुमराह करने के लिए कुछ गलत बयान शामिल हैं। इसका जवाब देते हुए हिंडनबर्ग ने सेबी पर ही कई तरह के आरोप लगाए थे।

रिपोर्ट के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 59 प्रतिशत गिरा था

24 जनवरी 2023 (भारतीय समय के अनुसार 25 जनवरी) को अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर का प्राइस 3442 रुपए था। 25 जनवरी को ये 1.54 गिरकर 3388 रुपए पर बंद हुआ था। 27 जनवरी को शेयर के भाव 18 गिरकर 2761 रुपए पर आ गए थे। 22 फरवरी तक ये 59 गिरकर 1404 रुपए तक पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में शेयर में रिकवरी देखने को मिली। हालांकि, अडाणी ने किसी भी गलत काम के आरोपों से इनकार किया। ऐसे में अडाणी ग्रुप ने अपना 20,000 करोड़ का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर भी कैंसिल कर दिया। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई और सेबी ने भी मामले की जांच की। कोर्ट के फैसले के बाद अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा था, 'कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि सत्य की जीत हुई है।'

बिग बिलियन डेज का 11वां संस्करण

फ्लिपकार्ट के सेलर कॉन्क्लेव से 4,500 विक्रेता हुए सशक्त

महानगर संवाददाता

बेंगलुरु। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने सफलतापूर्वक भारत के नौ बड़े शहरों में अपने सेलर कॉन्क्लेव का आयोजन किया है। फ्लिपकार्ट के बिजनेस हेड मार्केटप्लेस साकेत चौधरी ने कहा, ये सेलर कॉन्क्लेव फ्लिपकार्ट की देशव्यापी पहल का हिस्सा हैं, जिसके तहत 14 लाख से ज्यादा उद्यमियों एवं विक्रेताओं को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए नए अवसर प्रदान करने का लक्ष्य है। हैदराबाद, जयपुर, सूरत, दिल्ली, आगरा, मुंबई, बेंगलुरु, लुधियाना और तिरुपुर में आयोजित सेलर कॉन्क्लेव में 4,500 से ज्यादा विक्रेताओं ने हिस्सा लिया।

जिन्हें बिग बिलियन डेज के 11वें संस्करण के दौरान तेजी से कदम बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियों एवं रणनीतियों से लैस किया। कॉन्क्लेव के दौरान इस तरह के सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य ग्राहकों की मांग, खरीदारी के पैटर्न और विकास से जुड़ी योजनाओं को लेकर गहरी समझ प्रदान करना था। इन्हें इस तरह से तैयार किया गया था, जिससे बिग बिलियन डेज के 11वें संस्करण के दौरान त्योहारी मांग को प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए विक्रेताओं को सही टूल्स

से लैस किया जा सके।

फ्लिपकार्ट ने की त्योहारी सीजन की शुरुआत

15 सितंबर, 2024 से लाइव होने जा रहे 'बिग सेल ऑफ स्मॉल थिंग्स' सेल इवेंट के साथ फ्लिपकार्ट ने अपने त्योहारी सीजन की शुरुआत कर दी है। त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है और ऐसे में बिग बिलियन डेज की तैयारी में जुटे मार्केटप्लेस के विक्रेता प्लेटफॉर्म पर अपने जरूरी एवं महत्वपूर्ण उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। इनमें फैशन, ब्यूटी, होम डेकोर, स्मॉल इलेक्ट्रॉनिक्स समेत विभिन्न कैटेगरी के उत्पाद शामिल होंगे।

1 लाख से ज्यादा नए रोजगार सृजित करते हुए बिग बिलियन डेज इस इकोसिस्टम में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करने के लिए तैयार है। साथ ही मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म से जुड़े विक्रेताओं की तरफ से भी कई तरह के रोजगार एवं अवसर सृजित होंगे।

सोना 73,044 प्रति दस ग्राम पहुंचा, चांदी की कीमतों में 2,912 रुपए की बढ़ोत्तरी

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,243 रुपए बढ़कर 73,044 रुपए पर आ गया। गुरुवार को इसके दाम 71,801 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

वहीं, एक किलो चांदी 2,912 रुपए बढ़कर 86,100 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले गुरुवार को चांदी 83,188 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल सोना अप्रेल में 73,302 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

इस साल सोने में अब तक 9 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 9,692 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,044 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 86,100 रुपए पर पहुंच गए हैं।

2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ था सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16 फीसदी) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

सितंबर में कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट, भारत की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। सितंबर में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल में 10 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। भारत जैसे देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा की जरूरत का 85 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भारत का आयात बिल घटेगा और विदेशी पूंजी का प्रवाह भी कम होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हाल के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका और चीन में मंदी की चिंताओं के चलते पिछले 5 दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमत में लगभग 4 फीसदी और पिछले एक महीने में करीब 14 फीसदी की गिरावट आई है। वर्तमान में ब्रेंट क्रूड की कीमत 72 डॉलर प्रति बैरल से अधिक है, जो 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई थी। कच्चे तेल की कीमतों की

गिरावट का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। घरेलू उद्योग जैसे पेंट, टायर, ऑयल मार्केटिंग कंपनियां और एयरलाइंस कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है, जबकि तेल निकालने वाली कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई है। कच्चे तेल की कीमतों में कमी का लाभ पेंट कंपनियों को हो सकता है, क्योंकि कच्चा तेल पेंट के इनपुट कॉस्ट का 35 प्रतिशत हिस्सा होता है। कोटक सिक्योरिटीज के सुमित पोखरना के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से पेंट कंपनियों को लाभ होगा, हालांकि इस क्षेत्र के स्टॉक्स की कीमतें बढ़ गई हैं। एशियन पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया और कंसाई नेरलोक के शेयरों में हाल ही में तेजी आई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के शेयरों में भी कच्चे तेल की कम कीमतों का असर देखा गया है। हालांकि, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की आशा ने मंगलवार को इन कंपनियों के शेयरों में गिरावट लाई।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के शेयरों में क्रमशः 3.11 प्रतिशत, 1.49 प्रतिशत और 2.69 प्रतिशत की गिरावट आई है। एविएशन सेक्टर में कच्चे तेल की गिरती कीमतों का लाभ हो सकता है, क्योंकि फ्यूल इस क्षेत्र की सबसे बड़ी लागत होती है। इंटरग्लोब एविएशन के शेयर 1.16 प्रतिशत बढ़े, जबकि स्पाइसजेट के शेयरों में 3.89 प्रतिशत की गिरावट आई। कच्चे तेल की कीमतों में कमी से टायर कंपनियों को लाभ हो सकता है, क्योंकि सिंथेटिक रबर की लागत कच्चे तेल पर निर्भर होती है।

बिक्री बढ़ाने के लिए 3.15 लाख रुपए तक के ऑफर की तैयारी

कार कंपनियों ने त्योहारों से पहले कारों पर की छूट की बौछार

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। कार कंपनियां इस साल ग्राहकों पर छूट की बौछार करने जा रही हैं। अगस्त में बिक्री 4.53 फीसदी घटने के बाद इस बार के त्योहारों में खरीदारों को आकर्षित करने के लिए और अधिक छूट देने की तैयारी की जा रही है। शीर्ष 13 कार कंपनियों ने इस साल अब तक जो औसत छूट दी है, वह पिछले पूरे साल के मुकाबले 12 फीसदी अधिक है। मगर बिक्री को रफ्तार देने के लिए कंपनियां इस त्योहारी सीजन में 20,000 रुपए से लेकर 3.15 लाख रुपए तक छूट देने के लिए तैयार हैं।

मारुति सुजूकी, ह्युंडै मोटर, टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और होंडा कार्स जैसी कंपनियां छूट देने में सबसे आगे हैं। पिछले साल भी त्योहारी सीजन में विभिन्न मॉडलों पर 25,000 रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक छूट दी गई थी, जो 2022 के मुकाबले 40 से 45 फीसदी अधिक थी।

उद्योग के आंकड़ों के आधार पर साल 2023 में शीर्ष 13 कंपनियों द्वारा दी गई औसत छूट 34,630 रुपए थी, जो 2024 में अब तक बढ़कर 38,816 रुपए हो गई है। जैटो डायनमिक्स के आंकड़े बताते हैं कि टोयोटा और होंडा ने इस साल अब तक अपनी छूट दोगुनी से ज्यादा कर दी है।

टोयोटा द्वारा दी गई औसत छूट इस साल 140 फीसदी बढ़कर 49,914 रुपए हो गई, जबकि 2023 में यह 20,795 रुपए ही थी। होंडा द्वारा दी गई छूट इस दौरान 120 फीसदी बढ़कर 15,412 रुपए से 33,930 रुपए हो गई। अन्य कंपनियों में फोक्सवैगन की छूट में पिछले साल के मुकाबले 70 फीसदी, टाटा मोटर्स की छूट में 64 फीसदी, ह्युंडै की छूट में करीब 50 फीसदी और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा की छूट में करीब 29 फीसदी इजाफा दिखा है।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार ग्रामीण मांग सुस्त होने से हाल में वाहनों की बिक्री घटी है। इसलिए बिक्री को रफ्तार देने के लिए इस त्योहारी सीजन में भारी छूट दी जा रही है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के नए अध्यक्ष सीएस विज्ञेश्वर ने कहा, 'विभिन्न कंपनियों द्वारा भारी छूट दी जा रही है जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। अक्टूबर में कई त्योहार आने वाले हैं और इसलिए यह वाहन कंपनियों के

लिए एक महत्त्वपूर्ण महीना है। विभिन्न डीलरों और विभिन्न राज्यों में छूट अलग-अलग हो सकती है, इसलिए उसका औसत निकालना मुश्किल होगा।'

जीप इंडिया सबसे अधिक छूट देने वाली कंपनियों में शामिल है। कंपनी कुल मिलाकर 3.15 लाख रुपए तक की छूट दे रही है, जिसमें करीब 2.15 लाख रुपए तो नकद छूट ही है। बाजार की अग्रणी कंपनी मारुति सुजूकी सितंबर के अंत तक अपने विभिन्न मॉडलों पर 15,000 रुपए से 1 लाख रुपए तक छूट दे रही है। इन मॉडलों में स्विफ्ट, सेलेरियो, ब्रेजा, ऑल्टो के10, ईको, जिम्नी, फ्रॉन्क्स, बलेनो और इग्निस शामिल हैं। मारुति के सभी मॉडलों में जिम्नी पर सबसे अधिक 1 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है।

दूसरी ओर चेन्नई में ह्युंडै के एक डीलर ने कहा कि कंपनी अलकजार पर सबसे अधिक करीब 2 लाख रुपए तक छूट दे रही है। वेरना पर 70,000 रुपए तक और वेन्यू पर 55,000 रुपए तक छूट दी जा रही है। इसके अलावा डीलर भी वाहन बीमा पर छूट जैसे प्रोत्साहन दे रहे हैं। डीलर ने कहा, 'इस प्रकार विभिन्न मॉडलों पर छूट औसतन 40,000 रुपए से 80,000 रुपए के बीच है।' टाटा मोटर्स भी टिगॉर पर 30,000 रुपए की छूट दे रही है। उसकी अल्ट्रोज पर 45,000 रुपए, टियागो पर 65,000 रुपए, नेक्सॉन पर करीब 80,000 रुपए, हैरियर पर करीब 1.60 लाख रुपए और सफारी पर 1.89 लाख रुपए तक छूट मिल रही है। ईवी बाजार की भी प्रमुख देसी कंपनी टाटा ईवी ने 31 अक्टूबर तक जारी अपने फेस्टिवल ऑफ कार्स अभियान के तहत विभिन्न मॉडलों के दाम घटा दिए हैं। नेक्सॉन ईवी के दाम 3 लाख रुपए तक और पंच ईवी के दाम 1.2 लाख रुपए तक कम कर दिए गए हैं। टियागो ईवी की कीमतों में 40,000 रुपए की कटौती की गई है। दाम घटाने के अलावा टाटा ईवी देश भर में 5,500 टाटा पावर चार्जिंग पॉइंट पर छह महीने तक मुफ्त चार्जिंग भी दे रही है। दाम घटाए जाने के बाद टाटा टियागो ईवी की कीमत अब 7.99 लाख रुपए से शुरू होगी और पंच ईवी की शुरुआती कीमत 9.99 लाख रुपए होगी।

टाटा समूह ने एक बयान में कहा कि नेक्सॉन ईवी की शुरुआती कीमत अब 12.49 लाख रुपए होगी। कंपनी ने कहा है कि इससे देश में ई-वाहनों को रफ्तार देने में मदद मिलेगी। जैटो डायनमिक्स के अध्यक्ष एवं निदेशक रवि भाटिया ने कहा कि मांग में कुछ समय तक नरमी बनी रहने की आशंका है, जिसके बाद उद्योग मजबूती के साथ उभरेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों के दौरान कारों की पैकेजिंग एवं प्राइसिंग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुझे लगता है कि उसमें कुछ गिरावट दिखेगी। त्योहारी सीजन कुछ ही समय के लिए है और कंपनियां इसे चौतरफा भुनाने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए दाम घटाने, प्रोत्साहन, फाइनैंसिंग व स्क्रैपिंग में विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है।' महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने एक्सयूवी 300 डीजल मॉडल पर 1.1 लाख रुपए तक और पेट्रोल मॉडल पर 97,000 रुपए तक छूट दे रही है। बोलेरो पर छूट का दायरा 85,000 से 89,000 रुपए है जबकि थार 4डब्ल्यूडी पर 15,000 रुपए तक छूट दी जा रही है। स्कॉर्पियो-एन पर 40,000 से 1 लाख रुपए छूट है मगर एक्सयूवी 700 पर इस महीने कोई छूट नहीं दी जा रही है। महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक मॉडलों पर भी आकर्षक छूट दे रही है। कंपनी एक्सयूवी 400 पर 2.75 लाख रुपए तक, एक्सयूवी 700 पर 1.90 लाख रुपए और थार पर 1.50 लाख रुपए तक छूट दे रही है। कमजोर मांग के कारण डीलरों के यहां बिना बिके वाहनों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा है, जिसे कम करने के लिए कंपनियां दाम घटा रही हैं।

स्वच्छता में भी राजस्थान होगा सिरमौर

नवनियुक्त जिलाधीश डॉ. जितेन्द्र सोनी का किया अभिनंदन

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुर व्यापार महासंघ के प्रतिनिधिमण्डल ने शुक्रवार को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय परिसर, बनीपार्क में नवनियुक्त जिलाधीश डॉ. जितेन्द्र सोनी से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका अभिनन्दन किया।

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, महामन्त्री सुरेश सैनी और कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया ने व्यापारियों की मुख्य समस्याओं शहर में ट्रैफिक, पार्किंग, महिलाओं की सुरक्षा और शौचालयों के निर्माण और समुचित रखरखाव, सीसीटीवी कैमरा और समुचित मॉनीटरिंग, सड़कों में बारिश के पानी से जल भराव और आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के सुझावों से डॉ. सोनी को अवगत कराया।

इस दौरान डॉ.सोनी ने कहा कि विशेष त्यौहार नवरात्रि और दिवाली को देखते हुए प्रशासन समस्याओं का त्वरित समाधान करेगा जिनमें सबसे प्रमुख समस्याएं सड़क निर्माण, स्वच्छता और सफाई रहेंगी। साथ ही व्यापारियों को भी प्रशासन का सहयोग करते हुए अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सामने कचरा ना फेंकने और सभी को डस्टबिन्स रखने के लिए कहा।

इस अवसर पर आतिश मार्केट व्यापार मंडल के अध्यक्ष भूपत राय कांटे वाला, किशनपोल बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनीष खूंटेटा, इंदिरा बाजार व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल असवानी, सिंधी कैंप व्यापार मंडल के अध्यक्ष गजानन्द शर्मा, गोपीनाथ व्यापार मंडल सेवा समिति महामन्त्री चन्द्र प्रकाश पारीक और सदस्य श्रीराम अग्रवाल, रेलवे स्टेशन व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता और महामंत्री विष्णु शर्मा, चांदपोल बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री घनश्याम भूतड़ा, लाल कोठी वाणिज्य मंडल समिति के महामन्त्री अशोक कुमार कुमावत और सदस्य योगेश कुमार प्रजापति, चौड़ा रास्ता व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सौभागमल अग्रवाल की सादर और सहर्ष उपस्थिति रही।

जेसीआई जयपुर ओएसिस द्वारा मैराथन का आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। जेसीआई जयपुर ओएसिस की ओर से मैराथॉन एवं साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। जेसीआई जयपुर ओएसिस की अध्यक्ष जैसी राशि मित्तल ने बताया कि जेसीआई इंडिया के जेसीआई वीक-2024 जो कि 15 सितम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 11 सितम्बर को मैराथन एवं साइक्लोथॉन का सेंटर पार्क सी-स्कीम से विधानसभा, टोंक रोड होते हुए रैली निकाली गई, जिसका स्टेचू सर्किल पर समापन हुआ। इस मैराथन मैं जेसीआई जयपुर ओएसिस के सभी सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर जेसीआई इंडिया के भूतपूर्व अध्यक्ष जैसी अंशु सर्राफ भी मौजूद रहे।

पहली बार बायोलॉजिकल ग्राफ्ट से कंधे की हुई जटिल सर्जरी

महानगर संवाददाता

जयपुर। कंधे की मसल्स का फटना यानी आरसी टियर का इलाज दूरबीन के ऑपरेशन द्वारा होता है। कई बार मसल्स खराब होने के कारण वह फेल हो जाता है। डॉ. दिलीप मेहता ने इसके उपचार के लिए राज्य में पहली बार बायोलॉजिकल ग्राफ्ट से दो मरीजों का ऑपरेशन किया। इससे पहले यह सर्जरी जयपुर के बाहर होती थी, दोनों ही मरीज अब बिल्कुल स्वास्थ्य एवं रिकवर कर रहे है। डॉ. दिलीप मेहता शैल्बी हॉस्पिटल जयपुर में सीनियर कंसल्टेंट नई प्रकार की तकनीक से जॉइंट प्रिजर्वेशन जैसे ऑपरेशन कर रहे हैं जिससे जॉइंट प्रिजर्वेशन को सही उम्र तक टाला जा सकता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा

महानगर संवाददाता

जयपुर। एबीवीपी केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य भारत भूषण यादव एवं क्षेत्रीय सोशल मीडिया संयोजक एवं जिला संगठन मंत्री बलवीर सैनी शुक्रवार को सांगानेर प्रवास पर रहे। इस दौरान विद्यार्थी परिषद की कार्य पद्धति नीति नीति व यात्रा के बारे में बताया गया। इस अवसर पर नवीन कार्यकारणी 2024-25 की घोषणा की गई। जिसमें इकाई अध्यक्ष अमित शर्मा, इकाई उपाध्यक्ष मनीषा यादव, राधिका शर्मा, शुभम जांगिड़, पीयूष धनका, नरेन्द्र वर्मा, इकाई मंत्री करीना गुर्जर, इकाई सह सचिव निकिता राठौड़, कुशाल सिंह, प्रतिमा मीणा, युवराज सिंह, चंद्रन कटारिया, सोशल मीडिया संयोजक हेमलता, एसएमएस संयोजक नंदिनी जोड़न, सह संयोजक गौरव बैरवा, अजय चावला, राजू, दीपांजलि, एसएफडी संयोजक मोनिका शर्मा, सह-संयोजक मधु वर्मा, अंजू सिंह, वरेन्द्र लालवात, विजय प्रजापत, रितु शर्मा, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक मानसी गुप्ता, सह संयोजक खुशबू प्रजापत, सविता महावर, गिराज प्रजापत, रवि भाट, खेलो भारत संयोजक आशीष सैनी, सह संयोजक रवि बैरवा, यशराज, सुमित महावार, शिवानी, मीरा शर्मा, नगर छात्रावास संयोजक अनिशा, सह संयोजक अशोक मीणा, छात्रा प्रमुख अंजली शर्मा, एनएसएस संयोजक सचिन मित्तल, सह-संयोजक प्रिंस आर्य, सूरज, कार्यकारिणी सदस्य निशा चौधरी, शिवानी, तनु कंवर, तनु बैरवा, नीतू नागर, अभिषेक वैष्णव, अमन वर्मा, रूपेश, भाचल गुर्जर, मोहित शर्मा, दीक्षित, हिमांशु, जोन बाल्मिक, शैलेश चंडालिया, विजय लक्ष्मी सैन, विकास, राहुल मीना, आजाद यादव को दायित्व की घोषणा की गई। जिसमें जिला संयोजक लोकेश कसाना, सह संयोजक प्रियंका सैनी, नगर मंत्री सोमेंद्र सैनी, मोनिका जांगिड, हनुमान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्रवाल महासभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह कल

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान के नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को विद्याधर नगर स्थित गौतम मैरिज गार्डन में आयोजित होगा। महासभा के चेयरमैन प्रकाश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा के लिए महासभा कार्यालय विजय लक्ष्मी टावर विद्याधर नगर में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें महासभा के आगामी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए भी विचार विमर्श किया गया।

महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद गोयल एवं महामंत्री माखनलाल कांडा ने बताया कि इस अवसर पर दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों की विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। शाम को 6:30 बजे से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत निवारू, पंचायत समिति झोटवाडा जयपुर

क्रमांक: ग्रा.पं. मण्डा/निर्माण/निविदा/2024-25/226 दिनांक: 13.09.2024

ई-निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 225 दिनांक 13.09.2024 द्वारा ग्राम पंचायत **निवारू** में वित्तीय वर्ष **2024-25 के लिए नरेगा एवं अन्य पंचायतीराज व ग्रामीण विकास योजनाओं में सामग्री सप्लाई आपूर्ति हेतु एवं** 226 दिनांक 13.09.2024 द्वारा निर्माण कार्य हेतु E-Procuremant पद्धति से ऑनलाइन राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में समक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिनके जिनके PFG2425A0049 and UBN is: PFG2425WSRC00202 ,एवं PFG2425A0050and UBN is: PFG2425WSRC00203 है। निविदा सूचना की शर्तें वेब पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड/अपलोड की जानी है।

सरपंच
ग्राम पंचायत निवारू
पं.स. झोटवाडा, जयपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत निवारू
पं.स. झोटवाडा, जयपुर

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पति आबादी भूखण्ड, पट्टा नम्बर 1. (बुक नं. 32. मिसल नं. 31, दायर दिनांक 24.07.1997) ग्राम पंचायत कालाडेरा पंचायत समिति गोविन्दगढ, जयपुर, राज, कुल क्षेत्रफल 49.50 वर्गगज है। उक्त सम्पति लक्ष्मण को ग्राम पंचायत कालाडेरा, पंचायत समिति गोविन्दगढ, जिला जयपुर, राज द्वारा आबादी भूमि का विक्रय विलेख पट्टा नं. 01 दिनांक 09.03.1998 द्वारा प्राप्त हुई। लक्ष्मण के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी उनकी पत्नी आंची देवी, पुत्र शंकर लाल, रामनारायण, अर्जुन, सुरेश, राजू लाल, मुकेश कुमार, राकेश कुमार व पुत्री गुलाबी देवी संयुक्त रूप से मालिक, स्वामी व अधिकारी काबिज हुए एवं इन्होने उक्त सम्पति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 19.07.2024 द्वारा श्रीमती आंची देवी के हित में त्याग कर दिया। श्रीमती आंची देवी ने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 25.07.2024 द्वारा श्रीमती ममता देवी चांदोलिया को विक्रय कर दिया। इस प्रकार श्रीमती ममता देवी चांदोलिया उक्त सम्पति की एकमात्र रूप से विधिक रूप से मालिक स्वामी अधिकारी काबिज हुई। अब उक्त सम्पति पर मेरी अभिभाष्य वितीय संस्था SMFG India Home Finance Co. Ltd. से ऋण ले रही है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्य, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

ऋषिकेश महर्षि, एडवोकेट
(एस. आर. एम. पार्टनर)
पता - 82, एवरेस्ट विहार, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर, राज.

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 8200/2024

विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी - नाम दानिश पुत्र मो. हनीफ
विवाद स्थान- निवासी प्लॉट नं. 44, लक्ष्मी नगर, हटवाडा रोड, जयपुर-302006
मृतक मो. हनीफ की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 15-10-2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम मोहम्मद हनीफ पुत्र मो. रशीद निवासी-प्लॉट नं. 44, लक्ष्मी नगर, कच्ची बस्ती, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 15 माह 10 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 12 माह 09 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थी ने मृतक मो. हनीफ के नाम प्रा.पत्र में वर्णित एल.आई.सी. बाबत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र चाहा है।

मुहर

आज्ञा न्यायालय से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर प्रथम

सम्मन वास्ते करार वाद अमूर तनकीह तलवी आर्डर 5 कायदा 1 व 5 व अदालत प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश, महोदय, आगरा।

नम्बर मुकदमा 3339/2022

श्रीमती संगीता चाहर पुत्री जगवीर सिंह पत्नी अजीत सिंह निवासी 64/245 सी, हस्तिनापुरी, आगरा हाल निवासी-न्यू सुरक्षा विहार कॉलोनी, रोहता, थाना सदर बाजार, आगरा मो. नं. 8393892301

.... वादिया

बनाम

अजीत सिंह पुत्र श्री सागरमल निवासी गांव गढ़वालों की धाड़ी, जिला जयपुर (राज.) ....विपक्षी

हरगाह वादिया के आपके नाम एक वाद बाबत अंतर्गत धारा-13 हिन्दू विवाह अधि. के अन्तर्गत दायर किया है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि जो आप व तारीख 27.09.2024 वक्त 10:00 बजे सुबह असालतन हाजिर हो और जबावदेही दावा की करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज का आप इसी रोज पेश करे जिन पर जबावदेही के इस्तलाल पेश करना चाहते हो आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर व रोज मजकूरा में हाजिर न हो तो आपकी गैर हाजिरी में और फैसिल होगी

व सिब्त मेरे वे मुहर अदालत में आज व तारीख 5.4.24 जारी किया गया

आज्ञा से
मुंसरिम
प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश, आगरा।

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 4382/2024

विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी - नाम तरूप स्वामी पुत्र नरेन्द्र कुमार स्वामी
विवाद स्थान- 39, जय भारत कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, मानसरोवर, जयपुर
मृतक श्रीमती वीणा स्वामी की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 17-09-2024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्रीमती वीणा स्वामी पत्नी नरेन्द्र कुमार स्वामी निवासी-39, जय भारत कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, मानसरोवर, जयपुर (राज.) जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 17 माह 09 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 16 माह 08 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

प्रार्थी ने मृतका वीणा स्वामी के नाम प्रा.पत्र में वर्णित चल संपत्ति बाबत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र चाहा है।

10334/16.8.2024

मुहर

आज्ञा न्यायालय से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर प्रथम

कार्यालय ग्राम पंचायत, कुकणिया, पंचायत समिति नोखा

क्रमांक: ई-निविदा/2024-25/75-78 दिनांक: 12.09.2024

(ई-निविदा सूचना 02/ 2024-25)

पंचायत समिति नोखा की ग्राम पंचायत कुकणिया में निर्माण कार्यों हेतु सक्षम स्तर/राजकीय विभाग से तथा वाणिज्य कर विभाग द्वारा जीएसटी में पंजीकृत फर्मों से बोली प्रक्रिया दिनांक 23.09.2024 सायं 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24.09.2024 दोपहर 3.00 बजे खोली जाएगी। कार्यों का विस्तृत विवरण कार्यालय ग्राम पंचायत कुकणिया एवं निम्नलिखित विभागिय वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in **पर देखा जा सकता है।**

UBN NO. 1- PCP2425WSOB00147
2- PCP2425WSOB00148

सरपंच
ग्राम पंचायत कुकणिया

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कुकणिया

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः- ए.जी.सी.-ई.एल.जी.-टी.-18-2024-25 **दिनांकः 11.09.2024**

ई-निविदा सूचना

वरि0 मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-Tendering) द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधिः आगरा मंडल के पारंपरिक (आईसीएफ) एसी कोचों के आरएमपीयू के 24 महीने के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध।
पूर्ण करने की अवधि -24 माह.

कार्य की अनुमानित लागतः ₹ 5848129.97/- (including GST)

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग हेतु Indian Railways website **www.ireps.gov.in देखें। टेन्डरर्स केवल वेब पोरटल** Indian Railways website **www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दि0 04.10.2024 तक टेन्डर डाल सकते है।** **1625/24(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः ए.जी.सी.-ई.एल.जी.-टी-15-2024-25 **दिनांकः** 11.09.2024

ई-निविदा सूचना

वारिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E- Tendering) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधिः आगरा कैंट पर कर्मचारियों के लिए 08 नये टाइप-IV (जी+1) क्वार्टर के प्रावधान हेतु विद्युतीकरण कार्य।

कार्य पूरा करने की अवधिः 08 माह। **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 2340510.66

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु Indian Railways Website **www.ireps.gov.in** देखें। टेंडर्स केवल बेव पोर्टल Indian Railways website **www.ireps.gov.in** पर **15:00 बजे** तक **दिनांक 04.10.2024** तक टेन्डर डाल सकते है। **1626/24 (A)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड
CONTAINER CORPORATION OF INDIA LTD.
(भारत सरकार का नवरत्न उपक्रम) (A Navratna Undertaking of Govt. of India)
इनलैंड कंटेनर डिपो, तुगलकाबाद, नई दिल्ली – 110020
कॉनकॉर CONCOR
आज़ादी का अमृत महोत्सव

सार्वजनिक नीलामी / निविदा सूचना
ई-नीलामी के माध्यम से क्लीयर न किए गए / अदावाकृत आयातित कार्गो का निपटान करना

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड, उत्तरी क्षेत्र, उत्तरी मध्य क्षेत्र व पूर्वी क्षेत्र के उन कंटेनरो पर या 31.01.2024 से पहले एरिया 1 और एरिया 4 के टर्मिनलो पर पड़े रद्दी वस्तुओ, खाली पड़े क्षतिग्रस्त कंटेनरो और अदावाकृत / क्लियर न किये गए आयातित कार्गो की ई-नीलामी के माध्यम से **30.09.2024** को **"जैसा है जहां है के आधार पर"** नीलामी करेगा। **नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तों एवं कार्गो विवरणो के साथ सभी विवरण 16.09.2024 से www.concorindia.co.in** एवं **www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध होंगे।** सभी आयातकों जिनमे सरकारी उपक्रम / विभाग भी शामिल हैं, के कंटेनर / सामान किसी विवाद, न्यायालय / अधिकरणों / अन्यों द्वारा दिये गए स्थगन के कारण या ऐसे किसी ऐसे अन्य कारण से संबन्धित टर्मिनलों पर अदावाकृत / क्लीयर न किए गए पड़े हैं और वेबसाइट में अपलोड की गई उक्त सूची मे आते हैं, वे संबन्धित कार्यकारी निदेशक, एरिया 1 और एरिया 4 कॉनकोर और संबधित कमीशनरी, सीमा शुल्क आयुक्त को तदनुसार सूचित कर सकते हैं और इस सूचना के **7 (सात दिनों)** के भीतर ऐसे सामानो के निपटान के संबंध मे अपनी आपातियाँ / दावे दर्ज करा सकते हैं। ऐसा नहीं करने पर और कोई सूचना दिये बगैर सामानो की **"जैसा है जहां है के आधार पर"** नीलामी कर दी जाएगी। पूर्ण विवरण के लिए कृपया **www.concorindia.co.in** एवं **www.mstcecommerce.com** पर लॉग ऑन करें। **कार्यकारी निदेशक, एरिया 1**

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 8920242025 **दिनांक : 11.09.2024**

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक **09.10.2024** को **13:30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं. 1 | **निविदा नं.: 200** | **अनुमानित मूल्य (रू) : 5,43,25,376.51** | **बयाने की रकम (रू) : 4,21,600.00**

कार्य का विवरण : उप मुख्य परियोजना प्रबन्धक गतिशक्ति प्रयागराज के तहत फिरोजाबाद पनकी धाम, इटावा और मैनपुरी स्टेशन पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट (एसटीपी) और सम्बन्धित कार्यों की स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।

क्र.सं. 2 | **निविदा नं.: 201** | **अनुमानित मूल्य (रू) : 3,80,73,391.50** | **बयाने की रकम (रू) : 3,40,400.00**

कार्य का विवरण : उप मुख्य परियोजना प्रबन्धक गतिशक्ति प्रयागराज के तहत चुनार, मानिकपुर और सोनभद्र स्टेशन पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट (एसटीपी) और संबंधित कार्यों की स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।

कार्य समापन की अवधि : क्र.सं. 1 व क्र.सं. 2 के लिये : 32 माह

निविदा खुलने की तिथि : क्र.सं. 1 व क्र.सं. 2 के लिये : 09.10.2024

इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अर्न्तगत सिमिलर कार्य : क्र.सं. 1 व क्र.सं. 2 के लिये : एसटीपी/ईटीपी कीस्थापना एवं परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य

नोट :- 1. आन लाइन निविदा दिनांक **09.10.2024** को **13:30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **2.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 09.10.2024 तक उपलब्ध है। **1621/24 (D)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: 03/2024 **दिनांकः** 12.09.2024

ई-निविदा सूचना

उप.मुं.सि. एवं दूर.सं.इंजी/जी.एस., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु 'खुली निविदा' केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई- टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती हैः-

ई-निविदा सं.: आगरा-एसटी-जीएस-2024-04 | **कार्य की लागतः** ₹34,01,929.12

कार्य का नामः (1) आगरा-पलवल सेक्शन में किमी 1418/08-10 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 538 के स्थान पर 02-लेन रोड ओवर ब्रिज का निर्माण, **(2)** आगरा-पलवल सेक्शन में किमी 1444/14-16 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 550 के स्थान पर 02-लेन रोड ओवर ब्रिज का निर्माण और **(3)** आगरा-पलवल सेक्शन में किमी 1457/14-16 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 556 ए के स्थान पर 02 - लेन रोड ओवर ब्रिज का निर्माण के कार्य के संबंध में एस एंड टी कार्य।

निविदा बन्द दिनांकः 07.10.2024, निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को 15.00 बजे तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नही की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नही किया जायेगा। **1634/24 (A)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 : JHS/Br/L/2024-25/14 **दिनांक : 09.09.2024**

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी./ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 10.10.2024 को 15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा नं0 : Br-JHS-2024-17 | **अनुमानित मूल्य (रू) : Rs. 2,70,83,939.88/-**

कार्य का विवरण : महोबा-खजुराहो-ललितपुर (40 पुल) पर पीएससी गर्डर पुलों के बीयरिंग के निरीक्षण के लिए निरीक्षण मार्ग, सीढ़ी और निरीक्षण पालने का प्रावधान।

बयाने की रकम (रू) : Rs. 2,85,400/- | **कार्य समापन की अवधि : 12 माह**

निविदा खुलने की तिथि : 10.10.2024

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : स्टील गर्डर की मरम्मत जिसमें फील्ड रिवेटिंग या किसी भी पुल का काम शामिल हो जिसमें निर्माण/लॉन्चिंग या रीगर्डरिंग या ओपन वेब गर्डर शामिल हो।

नोट : (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट पर समय **15:00 बजे** तक निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 10.10.2024** तक उपलब्ध है। **(2)** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **(4)** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **(5)** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिग अथवा गेट वे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। **(6)** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **(7)** आनलाइन निविदा **दिनांक 10.10.2024 15:00 बजे** तक प्रस्तुत की जा सकती है। **1620/24 (C)**

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर पश्चिम रेलवे

सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
भण्डार विभाग ई-प्रोक्यारेमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या : एस/2024/73 **दिनांक : 12.09.2024**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प. रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर जयपुर-302017. निम्नलिखित पदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदाएं www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जाएंगी।

क्र. सं	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	37243043	नक्कल to RDSO drg.no SK-62724 Alt.30, item-2	7443	नग	30-09-24
2	6324ENG20	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ़ थिक वेब स्विच	590	सेट	30-09-24
3	40241798	माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर सूटेबल फॉर यूज़ इन रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट ऑफ़ एलएचबी टाइप इओजी एसी कोचेस	188	नग	01-10-24
4	37241944	टॉप साइड बियरर लाइनर टू आरडीएसओ drg. WD-85079-S-1, Alt.-15	18231	नग	03-10-24
5	40241274A	लीड एसिड डीजल लोकोमोटिव स्टार्टर बैटरीज	70	सेट	08-10-24
6	10240559	एयर कंप्रेसर (वाटर कूलर) फॉर एचएचपी लोकोमोटिव	16	नग	08-10-24
7	70242191	टू कंपोनेंट इपोक्सी टॉप कोट एलास्टिफाईड सी/शेड आरएल-7012	53518	लीटर	14-10-24
8	30240413A	डबल साइड ओपनेबल डोर क्लोजर	1236	नग	15-10-24
9	40241640	4.5 केडब्लू अंडरस्लंग कांस्टेंट वोल्टेज, रेगुलेटेड कम इमरजेंसी बैटरी चार्जर	133	नग	16-10-24
10	37241897	मॉडिफाइड एलस्टोमेरिक पैड्स फॉर कैसनब बोगी	31100	नग	22-10-24
11	37241898	वाइड जॉब/एडाप्टर टू आरडीएसओ drg. no. SK-78527 Alt-7	3379	नग	29-10-24
12	30242189	पैड फॉर सेकेंडरी सस्पेंशन टू FIAT	3012	नग	05-11-24
13	6324ENG36	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ़ ब्रिज स्लीपर	258	सेट	05-11-24
14	30240099	हाई कैपेसिटी थर्मोप्लास्टिक पॉलिस्टर एलास्टोमर लोअर वॉशर	23594	नग	11-11-24

संशोधन

Sr. No.	Tender No.	Description	Tender Notice No.	Existing Closing Date	Note
1	50245216	सप्लाई ऑफ़ इलेक्ट्रिक पॉइन्ट मशीन रोटरी लॉकिंग टाइप हाई थ्रस्ट ऑफ 220 एम एम	S/2024/71 दिनांक 30.08.24	07.10.2024	आइटम का विवरण या लेटेस्ट शब्द में संशोधित किया गया है

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेशन/ बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करें। **(2)** 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें 1066-DK/24

FINOVA CAPITAL FINANCING DREAMS **फिनोवा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड**

702, सातवी मंजिल, यूनिक एस्पायर, प्लॉट नं. 13-14, कॉस्मो कॉलोनी, आम्रपाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर-302021, राज

परिशिष्ट IV-A

नियम 8(6) के लिए देखें अचल सम्पतियों के विक्रय के लिए विक्रय सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के शर्तें व नियम 8 (6) के अन्तर्गत अचल सम्पत्ति की नीलामी सूचना

आमजन एवं व्यक्ति विशेष देनदारों तथा जमानती को सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लेखित प्रत्याभूत ऋणदाता की गिरवी/प्रभारित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा **फिनोवा कैपिटल प्रा. लि.** जो कि आगे एफसीपीएल सन्दर्भित किया जावेगा के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया था को "जैसे है जहाँ है" एवं जो भी है जैसा भी है के आधार पर नीलामी द्वारा निम्न तालिका मेंदर्शित बकाया राशि एवं भविष्य का व्याज, लागत व शुल्क की वसूली हेतु विक्रय किये जाने का निर्णय लिया गया है।

ऋणी/जमानती/बंधककर्ता का नाम	बकाया राशि	संपत्ति का विवरण (प्रतिभूत आस्ति)	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि 10%	निविदा ब्रिकी की तिथि व समय
(ऋण खाता संख्या) FINWLALONS000005001330 हामिद खान तेली पुत्र घासी लाल तेली (ऋणी), शमी बानो पत्नी हामिद खान तेली (सहऋणी), फारूख खान पुत्र हामिद खान तेली (सहऋणी), धर्मेन्द्र वर्मा पुत्र जयनारायण (गारंटर)	रु. 32,18,214/- दिनांक 29.01.2024 तक की राशि + आगे से भविष्य का ब्याज व खर्चे पूर्णभुगतान तक लागू।	अचल संपत्ति के सभी अभिन्न अंग स्थित ग्राम जामडोली तहसील निवाई जिला टोंक, एक रिहायशी प्लॉट, कुल क्षेत्रफल 595.99 वर्गगज, जो कि हामिद खान तेली के स्वामित्व में है, जिसकी सीमाएं: पूर्व में: रोड, पश्चिम में: अन्य भूमि, उत्तर में: रोड, दक्षिण में: अन्य भूमि	रू. 9,63,065/-	रू. 96,306/- 03.10-24 तक एवं बिड बढाने की राशि 25,000/-	निलामी तिथि 04-10-2024 प्रात:11-00 बजे; निलामी स्थल वार्ड नंबर 25, राजीव नगर, ट्रॉली वाले के पास, जमात, निवाई टोंक, राजस्थान। निरीक्षण तिथि 01.10.2024

निविदा की शर्तें :-

1. निविदा में सहभागिता करने हेतु इच्छुक खरीददार अपनी निविदा कम्पनी में उपलब्ध उपरोक्त संपत्ति के निविदा प्रपत्र जो कार्य दिवस के समय फिनोवा कैपिटल प्रा. लि. से प्राप्त किऐ जा सकते हैं, में अपने द्वारा निवेदित मूल्य लिखकर सील बन्द लिफाफे में जिसके ऊपर "टेण्डर ऑफर सम्पत्ति का विवरण" लिखा हो के साथ उपरोक्त वर्णित धरोहर राशि जो की आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत हो, बैंकर्स चैक/मॉग ड्राफ्ट जो कि फिनोवा कैपिटल प्रा. लि. उपरोक्त शाखा के पक्ष में जमा करा कर निविदा में भाग ले सकते हैं। प्राप्त निविदाऐ फिनोवा कैपिटल प्रा. लि. पर उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष खोली जावेगी। इसके पश्चात् निविदा कर्ताओं के बीच खुली बोली लगवाने का विकल्प प्राधिकृत अधिकारी के पास सुरक्षित है। यदि बोली सफल नहीं होती है तो असफल निविदाकर्ताओं को उसी दिन धरोहर राशि लौटा दी जायेगी।
2. सफल निविदाकर्ता को सफल बोली की 10 प्रतिशत राशि (धरोहर राशि सहित) प्राधिकृत अधिकारी के द्वारा सफल निविदाकर्ता के नाम की उद्घोषणा करने के तुरन्त पश्चात, जमा करवाना होगा अन्यथा धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी।
3. सफल निविदाकर्ता को शेष राशि विक्रय की पुष्टि के दिन से 15 दिन के अन्दर प्रतिभूत लेनदार को जमा कराना आवश्यक है, अन्यथा जमा राशि बिना सूचना जब्त समझी जायेगी।
4. सम्पत्ति अथवा निविदा से संबंधित जानकारी हेतु इच्छुक निविदाकर्ता, 7014042735 पर किसी भी कार्य समय के दौरान सम्पर्क कर सकते हैं या कार्यालय समय के दौरान उपरोक्त शाखा कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट:-यह सूचना पत्र ऋणी/जमानती/बंधककर्ता के लिए भी नियम 8(6)के अधीन 15 दिवस का सूचना पत्र भी माना जायेगा।

दिनांक :- 13.09.2024
स्थान :- टोंक, राजस्थान

प्राधिकृत अधिकारी
फिनोवा कैपिटल प्रा. लि.

संक्षिप्त समाचार

झांसा देकर लोगों को ठगने वाले 14 साइबर ठग पकड़े

महानगर संवाददाता

भरतपुर। जिला पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अलग-अलग थानों की पुलिस ने 14 साइबर ठगों को गिरफ्तार कर उनसे ठगी के काम लिए जाने वाले मोबाइल, फर्जी सिम जब्त की गई है। आरोपी सेक्सटॉर्शन और महंगा सामान सस्ते दामों में बेचने के नाम पर ठगी करते थे। कैथवाड़ा थाना अधिकारी मदन लाल मीना ने बताया कि थाने की एक टीम ने डाबक-बुआपुर के जंगलों में दबिश देकर 6 साइबर ठगों को पकड़ा। एक साइबर ठग फरार हो गया। इस दौरान मौके से 11 मोबाइल और एक एटीएम कार्ड बरामद किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह होटल व धर्मशाला बुकिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर फंसाते हैं और लोगों से ठगी करते हैं। वहीं नगर थाना पुलिस की टीम ने पडलवास रोड पर दबिश दी। जहां से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से 6 मोबाइल जब्त किए गए हैं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह लोगों को ऑनलाइन प्रॉपर्टी, मोबाइल, मोटर बाइक, विनेश एड, हाउस होल्ड एप्लाइंस का फर्जी विज्ञापन देकर ठगी करते थे। पहाड़ी थाने ने कार्रवाई करते हुए 5 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी बनी सिंह ने बताया कि धीमरी रोड घाटमीका से 3 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, जिनसे 3 मोबाइल जब्त किए गए हैं। तीनों आरोपी सेक्सटॉर्शन के जरिए ठगी करते हैं। इसके अलावा दो और साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है।

बालिग होते ही युवती ने छोड़ा घर

जयपुर (महानगर संवाददाता)। शहर में बालिग होते ही युवती का अपना घर छोड़कर जाने का मामला सामने आया है। वह मार्केट जाने की कहकर घर निकली और मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। परिवार ने सुबह उसे बर्थ-डे विश किया था। खोह नागोरियान थाने में परिजनों ने युवती की गुमशुदगी दर्ज करवाई है। हैड कांस्टेबल हंसराज ने बताया कि खोह नागोरियान निवासी महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि उसकी बेटी प्राइवेट कंपनी में जॉब करती थी। 11 सितम्बर को उनकी बेटी का 18वां जन्मदिन था। सुबह उठने पर परिवार ने बेटी को उसके 18वें जन्मदिन को विश किया था। दोपहर करीब 12 बजे वह बैंक से रुपए निकलवाने जाने की कहकर घर से निकली थी। बैंक से रुपए निकलवाने के बाद मार्केट कपड़े खरीदाने जाने को कहा था। दोपहर तक वापस घर नहीं लौटने पर कॉल करने पर मोबाइल स्विच ऑफ मिला। काफी प्रयास के बाद भी मोबाइल बंद मिलने पर परिजनों ने इधर-उधर तलाश, लेकिन लापता बेटी का कहीं पता नहीं चला। बालिग होते ही बेटी के घर से लापता होने की परिजनों ने खोह नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

चाकू से जानलेवा हमला कर छात्रों को किया लहूलुहान

इंस्टाग्राम पर जान से मारने की दे रहे धमकी, आरोपी हॉस्टल से फरार

महानगर संवाददाता

सीकर। हॉस्टल में रह रहे छात्रों पर दूसरे हॉस्टल के रहने वाले छात्रों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर छात्र लगातार इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला सीकर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र का है। नागौर के रहने वाले छात्र के पिता ने पुलिस में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा सीकर के एक प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट में 12वीं क्लास में पढ़ता है। बेटा अपने दोस्त के साथ हॉस्टल में रहता है। पास ही गली में स्थित एक बॉयज हॉस्टल में रहने वाले 2 छात्र 8-10 लड़कों के साथ उनके हॉस्टल में आए और उन पर चाकुओं से हमला करना शुरू कर दिया। घटना में दोनों छात्र लहूलुहान हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। घटना के बाद घायल छात्रों को सीकर के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हमलावर हॉस्पिटल में भी छात्रों को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। घटना की सूचना घायलों के परिजनों को दी गई, जिसके बाद परिजन आरोपी हमलावर के हॉस्टल में पहुंचे। हमलावर हॉस्टल से फरार हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश कर रहे हैं।

शराब पार्टी के बाद हुए झगड़े में दोस्त का मर्डर

सीकर (महानगर संवाददाता)। जिले के धोद थाना क्षेत्र में शराब पार्टी के बाद झगड़े में दोस्त का मर्डर कर दिया। युवक ने अपने ही दोस्त के सिर पर भारी चीज से वार कर दिया। थानाधिकारी गिरधारी लाल ने बताया कि थाना क्षेत्र के चंदेली का बास में एक युवक का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक के सिर पर वार कर मर्डर किया गया है। युवक मिथुन निवासी पर्वता बिहार का रहने वाला था। युवक अपने चाचा के लड़के अरुण और उसके गांव के रहने वाले राहुल कुमार के साथ गुरुवार रात को शराब पार्टी कर रहा था। पार्टी के बाद राहुल कुमार और मिथुन के बीच झगड़ा हो गया। राहुल कुमार ने मिथुन के सिर में भारी चीज से वार किया, जिससे मिथुन की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद राहुल कुमार मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी अरुण ने ठेकेदार को दी। ठेकेदार ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पर ग्रामीण सीईओ रमेश माचरा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि मृतक मिथुन, अरुण और आरोपी राहुल कुमार चंदेली का बास में ठेकेदार के पास रहते हैं। तीनों बिजली के पोल लगाने का काम करते हैं। मृतक जेसीबी चलाता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी की तलाश कर रही है।

पिकअप ने मारी बाइक को टक्कर मासूम सहित दंपती घायल

जयपुर (मसं.)। शिवदासपुरा थाना इलाके में ओवर स्पीड पिकअप ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मासूम सहित दंपती घायल हो गए। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। पुलिस ने कानोता टोल प्लाजा के पास से पिकअप को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में सवाई माधोपुर के बास टोडरा निवासी हंसराज सैनी, उसकी पत्नी संतोष सैनी और उनका एक साल का बेटा घायल हो गया। मासूम बेटे को लेकर पति-पत्नी बाइक से गोनेर में निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करने आए थे। इसी दौरान शिवदासपुरा रिंग रोड पर ओवर स्पीड पिकअप ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर तेज रफ्तार में पिकअप दौड़ा ले गया। राहगीरों की सूचना पर शिवदासपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जांच में पता चला कि ओवर स्पीड पिकअप टक्कर मारकर बाइक को करीब 20 फीट तक घसीट ले गई। घायल दंपती व बच्चा रोड किनारे गिरे और बाइक उछलकर डिवाइडर पर जाकर गिरी। शिवदासपुरा थाने के कांस्टेबल शिवनारायण मीणा व लेखराज गुर्जर ने पिकअप का पीछा किया तो वह कानोता टोल प्लाजा के पास से खड़ी मिली, लेकिन पिकअप का ड्राइवर मौके से गायब मिला। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

फैमिली कोर्ट ने पत्नी की सैलरी पति के बराबर होने पर खारिज की गुजारा भत्ते की याचिका

'पत्नी का अफेयर साबित तो गुजारा भत्ता मिलना मुश्किल'

महानगर संवाददाता

जयपुर। शहर की फैमिली कोर्ट ने गुजारा भत्ते की एक याचिका इसलिए खारिज कर दी, क्योंकि पत्नी की सैलरी पति के बराबर थी। कोर्ट का कहना था कि अगर पत्नी सक्षम है और पति के बराबर कमाती है तो गुजारा भत्ता पाने का कोई हक नहीं है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर पत्नी पर अफेयर साबित हो जाता है तो भी उसे गुजारा भत्ता मिलना मुश्किल है। इससे कुछ महीने पूर्व जोधपुर में फैमिली कोर्ट का फैसला इससे हटकर था। पत्नी पढ़ी-लिखी थी और जॉब भी करती थी। बावजूद इसके पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया गया। दोनों ही मामले अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही केस में रजनीश वर्सेज नेहा मामले में फैसला और उसके बाद जारी हुई गाइडलाइन का हवाला दिया गया। पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर तलाक का मामला फैमिली कोर्ट पहुंच था। पत्नी ने गुजारा भत्ता याचिका में बताया कि उसका पति पेशे से डॉक्टर है, उसकी पति की मासिक आय 2.50 लाख रुपए है। इसलिए गुजारा भत्ते के 75 हजार रुपए हर माह दिलाया जाए। जवाब में पति ने कहा कि उसकी पत्नी बैंक में मैनेजर हैं। वह तमाम कटौतियों के बाद हर महीने उसे 70 हजार 939 रुपए सैलरी मिल रही है। ऐसे में उसका प्रार्थना पत्र कानूनी रूप से योग्य नहीं है।

लग्जरी लाइफ के लिए भरण पोषण न्यायोचित नहीं

इस मामले में फैसला सुनाते हुए फैमिली कोर्ट ने कि सुप्रीम कोर्ट के नेहा बनाम रजनीश केस का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि केवल लग्जरी लाइफ जीने के लिए भरण पोषण दिलाया जाना न्यायोचित नहीं है। उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर तय है कि पति और पत्नी समान रूप से उच्च शिक्षित हैं। दोनों उच्च पद पर कार्यरत होकर लगभग समान वेतन अर्जित कर रहे हैं। ऐसे में प्रार्थना पत्र अस्वीकार किया जाता है।

महाराष्ट्र से जुड़ा है तलाक का मुकदमा

पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर तलाक का मुकदमा महाराष्ट्र से जुड़ा है। मामले में पत्नी नेहा ने नागपुर की फैमिली कोर्ट में वर्ष 2013 में भरण पोषण की मांग करते हुए याचिका लगाई। कोर्ट ने फैसला देते हुए भरण पोषण के लिए नेहा को 15 हजार रुपए और बच्चे को 5 हजार रुपए महीने देने का आदेश सुनाया था। रजनीश ने आदेश के खिलाफ मुंबई हाईकोर्ट में अपील की। हाईकोर्ट ने भी नागपुर फैमिली कोर्ट के फैसले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी कर दिए। इसके बाद रजनीश ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी थी।

भरण पोषण के लिए कौन कर सकता है आवेदन

सीनियर एडवोकेट वेदप्रकाश वर्मा ने बताया कि हिंदू मैरिज एक्ट के तहत कोई भी महिला पति से विवाद होने पर फैमिली कोर्ट में भरण पोषण के लिए आवेदन कर सकती है। वहीं भारतीय न्याय संहिता धारा 144 के तहत बुजुर्ग माता-पिता अपने बच्चों से, पेरेंट्स पर निर्भर बच्चे अपने माता-पिता से मासिक भरण पोषण के लिए आवेदन याचिका पेश कर सकते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से यह तय नहीं है कि कितना गुजारा भत्ता दिया जाएगा। इसका आकलन इनकम और खर्च के आधार पर तय करके ही दिया जाता है।

अधिकारी पर बुजुर्ग को धक्का मारने का आरोप, एसएचओ लाइन हाजिर, एएसआई निलंबित

अतिक्रमण हटाने गईं एसडीएम को महिला ने बाल पकड़कर खींचा

महानगर संवाददाता

गंगापुरसिटी। जिले के टोडाभीम के नाद गांव में धर्मकांटे को हटाने गई एसडीएम को महिला ने बाल पकड़कर खींचा। वहीं लोगों का आरोप है कि एसडीएम ने बुजुर्ग को धक्का मार दिया था। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। मामले में एसपी ने टोडाभीम थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं एएसआई को निलंबित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शी सियाराम मीना ने बताया कि दो-चार पुलिस वाले आए थे। मैं दूसरे गांव का रहने वाला हूं। मैंने यहां किराना और चाय की दुकान कर रखी थी। 27 अगस्त को पहला समन मिला, उसी दिन मैंने अपना सामान हटा लिया था। यहां धर्मकांटा भी था, उसी रात उसमें भी मिट्टी भरकर बंद कर दिया था। गुरुवार को एसडीएम सुनीता मीणा आई थीं। जिनका ये निर्माण है, उन्होंने एसडीएम से हाथ जोड़कर विनती की। इसी दौरान एसडीएम ने बुजुर्ग जगमोहन को धक्का मार दिया। इसी दौरान बुजुर्ग की बहू कल्लो ने एसडीएम को समझाया कि वे ऐसा नहीं करें, लेकिन एसडीएम नहीं मानीं तो धक्का-मुक्की हो गई।

धर्मकांटा हटा दिया फिर भी जेसीबी ले आईं एसडीएम

बुजुर्ग जगमोहन के भतीजे बथू लाल मीना ने बताया कि गुरुवार को पहले नायब तहसीलदार और तहसीलदार आए थे। उनके साथ 4-5 पुलिस वाले भी थे। उन्होंने हमसे पूछा कि क्या मामला है तो हमने बता दिया कि देख लिजिए खातेदारी में है। भतीजे बथू लाल मीना ने बताया कि नोटिस आते ही हमने धर्मकांटे को हटा दिया था। फिर भी एसडीएम जबरदस्ती जेसीबी ले आई। जो कमरे बन थे, उसमें हमारी महिलाएं बैठी थीं। एसडीएम उन्हें तोड़ना चाह रही थीं। हमने उनसे ऐसा नहीं करने की विनती की। इसी दौरान एसडीएम ने चाचा के धक्का मार दिया। बथू लाल का कहना है कि प्रशासन जिसे अतिक्रमण बताकर कार्रवाई करने पहुंचा है, वह खातेदारी जमीन है।

हाल ही ट्रांसफर लिस्ट में एसडीएम का हो चुका ट्रांसफर

मामले में गंगापुरसिटी एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि एसडीएम ने मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। मामले में पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की गई है। बता दें कि हाल ही में आई आरएएस की ट्रांसफर लिस्ट में सुनीता मीणा का टोडाभीम से तबादला हो गया है। उनकी जगह पूजा मीणा को टोडाभीम एसडीएम लगाया गया है। पूजा के चार्ज नहीं लेने के कारण अभी भी सुनीता मीणा यहां का पदभार संभाल रही हैं। इधर, तहसीलदार ने मामले में कोई भी बयान देने से इनकार किया है।

दो सगे भाइयों समेत तीन मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

महानगर संवाददाता

भीलवाड़ा। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के हुरडा कस्बे के एक तालाब में डूबने से 2 सगे भाई समेत 3 मासूमों की मौत हो गई। तीनों बच्चे दोस्तों के साथ खेल मैदान में क्रिकेट खेलने गए थे। मैच खत्म होने के बाद तालाब में नहाने उतरे और गहरे पानी में जाने से हादसे का शिकार हो गए।

जानकारी के अनुसार हुरडा कस्बे में अंबेडकर छात्रावास के पीछे बराली तालाब है, जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। तालाब के पास ही खेल मैदान है, जहां तीनों बच्चें दूसरे साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। गुलाबपुरा थाना प्रभारी पूरणमल ने बताया कि शुक्रवार करीब 12 बजे मैच खत्म होने के बाद प्रिंस पुत्र सत्यनारायण खटीक, हेमेंद्र पुत्र रघुवीर दमामी व लोकेंद्र पुत्र रघुवीर दमामी पानी में नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान गहरे पानी में जाने से तीनों डूब गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और रेस्क्यू टीम के साथ तीनों बच्चों के शव को बाहर निकालने का प्रयास किया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दो बच्चों के शव पानी से निकाले जा सके। उसके आधे घंटे बाद तीसरे बच्चे का शव निकाला गया। बच्चों को बाहर निकालते ही सीपीआर भी दिया गया, लेकिन तीनों बच्चें मौके पर ही दम तोड़ चुके थे। पुलिस ने बताया कि हेमेंद्र और लोकेंद्र दोनों सगे भाई थे, जो कक्षा दसवीं व नवीं में पढ़ते थे। उनके पिता रघुवीर दमामी आटे की चक्की चलाते है। इनके परिवार में दोनों भाइयों के जाने के बाद सिर्फ बड़ी बहन बची है। वहीं प्रिंस दसवीं कक्षा का छात्र था। पिता सत्यनारायण खटिक टैंपो ड्राइवर हैं। परिवार में प्रिंस सबसे छोटा था, जिसकी मौत के बाद परिवार में बड़ा भाई और बड़ी बहन है। हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए हैं। इस बीच गांव में तीन बच्चों की मौत होने से मातम छा गया।

नहाने के लिए मामा-भांजे ने नाले में लगाई छलांग, दोनों बहे

नाना के मृत्युभोज कार्यक्रम में आया था भांजा

महानगर संवाददाता

टोंक। दतवास थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर बरसाती नाले में नहाने गए मामा-भांजा बह गए। लोगों ने भांजे को पांच मिनट में ही निकाल लिया, लेकिन मामा का पता नहीं लगा है। एसडीआरएफ की टीम उसे तलाश रही है। इस हादसे से नाले में बहे मामा के पिता का मृत्यु भोज कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो गया। सब परिजन रोते बिलखते नाले के दोनों ओर जमा हो गए। लोगों ने बताया कि दतवास थाना क्षेत्र के अगरपुरा रैगरो की ढाणी निवासी करण रैगर पुत्र नेनू राम रैगर के पिता नेनू का गत दिनों निधन हो गया था। शुक्रवार को उसकी गंगा प्रसादी (मृत्युभोज) कार्यक्रम था। करण का भांजा दौसा जिले के लालसोट तहसील क्षेत्र के तलाब गांव महाराजपुरा निवासी हंसराज उर्फ गोलू पुत्र रामकरण रैगर समेत अन्य मेहमान भी आए हुए थे। भांजा हंसराज उसकी मम्मी के साथ नाना के इस कार्यक्रम में आया हुआ था। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे मामा करण रैगर अपने भांजे हंसराज को लेकर गांव से करीब दो किमी दूर बरसाती नाले में नहाने चला गया।

वहां दोनों ने नाले में नहाने के लिए छलांग लगाई। इस दौरान आस-पास कुछ चरवाहे भी थे। उन्हें मामा-भांजा पानी में दिखाई नहीं दिए तो उन्होंने पानी में देखा। उन्होंने भांजे को तो बहते हुए निकाल कर झिलाई अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में परिजन और रिश्तेदार भी दौड़े। फिर सूचना पाकर पुलिस, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम मामा करण को तलाश रही है। नाले में बहे करण के दो भाई व एक बहन हैं। करण दूसरे नम्बर का था। वह कारीगरी का काम करता था। वहीं हंसराज तीन भाई हैं। वह सबसे छोटा था।

नाकाबंदी तोड़कर फरार होने पर पीछाकर दबोचा, दो कार भी जब्त

12.25 लाख का डोडा पोस्त पकड़ा, 5 तस्कर गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

सिरोही। जिलेभर में डोडा पोस्त तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पिंडवाड़ा पुलिस ने मालेरा तिराहे पर नाकाबंदी तोड़कर फरार हुए 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से दो कार सहित छह बोरियों में रखा 12.25 लाख रुपए कीमत का 81 किलो 700 ग्राम डोडा पोस्त जब्त किया है। एसपी अनिल कुमार के अनुसार पिंडवाड़ा थाने के सब इंस्पेक्टर पन्नालाल और जीएसटी टीम को खबर लगी कि तस्कर एक कार में डोडा पोस्त लेकर पिंडवाड़ा की तरफ आ रहे हैं। इस सूचना पर उदयपुर-पालनपुर फोर लाइन स्थित मालेरा तिराहे पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान पंजाब नंबर की कार आती दिखाई दी, जिसे रोककर पूछताछ की। इस पर पुलिस को शक हुआ कि कार में सवार तीनों ही युवक संदिग्ध हैं। पुलिस वाले कुछ सोचते इससे पूर्व ही वे तीनों कार लेकर घटनास्थल से फरार हो गए। पुलिस ने उनके पीछे आ रही पंजाब नंबर की कार को रोककर उसमें सवार दो युवकों और कार की तलाशी ली तो उसमें डोडा पोस्त भरा हुआ मिला। पुलिस ने डोडा पोस्त सहित कार को जब्त कर उसमें सवार युवकों को गिरफ्त में ले लिया।

गाड़ी खराब हुई तो छोड़कर भागे तस्कर

पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर फरार हुई कार का पीछा किया तो वाटेरा रास्ते के पास गाड़ी खराब होने पर तस्कर उसको छोड़कर वहां से फरार हो गए। इसी दौरान पीछे से पुलिस पहुंची और करीब डेढ़ किलोमीटर तक उनका पीछा कर तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एस्कॉर्ट कर रही कार भी जब्त कर लिया। पिंडवाड़ा पुलिस ने पंजाब के मुक्तसर निवासी शमी सिंह पुत्र सोहन सिंह वाल्मीकि, चरणजीत सिंह पुत्र दारा सिंह वाल्मीकि, गुरमीत सिंह पुत्र दारा सिंह वाल्मीकि, पिंदर सिंह पुत्र कुलवंत सिंह सोनार और रमनदीप सिंह पुत्र प्रकाश सिंह जाट सिख को गिरफ्तार किया। इस मामले की जांच एसपी के निर्देश पर स्वरूपगंज थाना अधिकारी को सौंपी गई है।

तेजाब डालने की धमकी दे बॉयफ्रेंड ने किया युवती से रेप

महानगर संवाददाता

जयपुर। शहर में एक बॉयफ्रेंड के युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर बॉयफ्रेंड ने शादी करने का वादा किया और शादी का झांसा देकर उसके साथ देहशोषण करता रहा। पुलिस को बताने पर तेजाब डालने की धमकी दी। गलतागेट थाने में पीड़िता ने आरोपी बॉयफ्रेंड के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

मामले की जांच एसएचओ गलतागेट लिखमा राम कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि चार दरवाजा निवासी 23 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ समय पहले उसकी उत्तर प्रदेश निवासी हसब्बर खान से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी हसब्बर खान ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि मिलने के बहाने उसने गलतागेट इलाके में स्थित एक होटल में बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने शादी करने का वादा किया। शादी करने का झांसा देकर हसब्बर लगातार देहशोषण करने लगा। शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपी ने मना कर दिया। पुलिस में शिकायत करने की कहने पर आरोपी ने तेजाब डालने की धमकी दी। धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने गलतागेट थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

धोखेबाज पति समेत परिवार के 6 लोगों को खाने में दी नशे की गोलियां, सभी के सोने के बाद भागी

शादी के 20 दिन बाद ही लुटेरी दुल्हन बाइक लेकर फरार

महानगर संवाददाता

बूंदी। शादी के 20 दिन बाद ही दुल्हन फरार हो गई। भागने से पहले महिला ने पति समेत 6 लोगों को खाने में नशीली गोलियां दी। मामला बूंदी के दबलाना इलाके के धारधड़ी गांव का है। एएसआई महेंद्र कुमार ने बताया कि धारधड़ी गांव निवासी दुर्गा शंकर गुर्जर ने पास के ही गांव भीमगंज की मंजू गुर्जर के साथ गत 23 अगस्त 2024 को शादी की थी। तब से मंजू दुर्गा शंकर के परिवार के साथ ससुराल में रह रही थी। गुरुवार रात को मंजू ने घर के सभी सदस्यों के लिए खाना बनाया था। परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए। देर रात तबीयत खराब होने का सिलसिला शुरू हुआ। उल्टी और चक्कर आने के साथ बेसुध हो रहे थे तो पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने सभी को बूंदी जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कहा कि पति के साथ ही रेशमा पत्नी मुखराज गुर्जर, कैलाशी बाई पत्नी खाना राम, मुखराज पुत्र खाना राम, खाना राम पुत्र पोख, दिव्यांशु पुत्र राजेश गुर्जर का इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि जांच में सभी को नशे की गोलियां मिलाकर खाना खिलाने की बात सामने आई है। ऐसे में आशंका है कि रात को खाने में नशे की गोलियां मिलाई गई होंगी, जिसका असर देर रात शुरू हुआ। नशे की गोलियां मिला खाना खिलाने के बाद दुल्हन बाइक लेकर घर से फरार हो गई। महिला बाइक और ट्रैक्टर भी चलाना जानती है।

इंस्टाग्राम पर बनाती थी रील

पीड़ित दुर्गा शंकर गुर्जर के चाचा शिवराज गुर्जर ने बताया कि ससुराल के लोगों को खाने में नशे की गोलियां मिलाकर फरार हुई महिला के परिजनों ने शादी के एवज में 9 लाख रुपए लिए थे। इससे पहले इस लुटेरी दुल्हन की नैनवां इलाके में दो जगह शादी हो चुकी थी। दुर्गा शंकर से यह तीसरी शादी थी। यही नहीं लुटेरी दुल्हन इंस्टाग्राम पर रील बनाकर चर्चा में रहती है। रील के चक्कर में ही दुर्गा शंकर शादी के झांसे में आ गया था।

संक्षिप्त समाचार

नुकसानदायक है पॉम ऑयल, आयात रोकने की मांग

महानगर संवाददाता

जयपुर। देशभर में खाद्य तेलों में विदेश से आयातित पॉम ऑयल की मिलावट जनता के स्वास्थ्य और किसानों के लिए नुकसानदायक है। सरकार को इसके आयात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और खाद्य तेलों में इसकी मिलावट रोकनी चाहिए। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र लिखा है। जाट ने पत्र में कहा है कि देश में तिलहनों की आत्मनिर्भरता की दिशा में वर्ष 2012 से पॉम मिशन 11,040 करोड़ रुपए से आरंभ किया है, किंतु इसके परिणाम अच्छे नहीं रहे हैं। खाद्य तेलों में ब्लेंडिंग के नाम पर इसकी मिलावट की जा रही है, जबकि देश में मिलावट के खिलाफ कानून बना हुआ है। सरसों के तेल में इसकी मिलावट पर रोक है, इसके बावजूद मिलावट हो रही है और देशवासियों को सरसों का शुद्ध तेल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जाट का कहना है कि पॉम ऑयल खाद्य पदार्थों की श्रेणी में नहीं आता तो भी उसे खाद्य पदार्थ की श्रेणी में रखा गया है। खाद्य तेलों में ताड (पॉम) के तरल पदार्थों के मिलावट को युवाओं में हृदयघात से मृत्यु का अहम कारण माना जा रहा है। पॉम ऑयल को अधिकतम छह माह तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन इसका लंबे समय तक उपयोग होता है। जाट ने बताया कि आयातित खाद्य तेलों में 56 से 77 प्रतिशत तक का अंश पॉम ऑयल का रह चुका है। जाट ने कहा कि इस आयात के कारण देश के तिलहनों के उत्पादों के दामों में गिरावट आती है और किसानों को भी पूरा मूल्य नहीं मिल पाता। उन्होंने मांग की है कि पॉम ऑयल के आयात को रोकने के लिए तुरंत कुछ किया जाना चाहिए।

रीट पेपर लीक के आरोपी पाराशर-मीणा की प्रॉपर्टी कुर्क, 26 लाख की प्रॉपर्टी-कैश जब्त

प्रदीप पाराशर

रामकृपाल

जयपुर (मसं)। राजस्थान में तीन साल पहले (26 सितंबर 2021) हुए रीट पेपर लीक मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने मामले के मुख्य आरोपी प्रदीप पाराशर और रामकृपाल मीणा के प्रॉपर्टी कुर्क की है। इन दोनों के पास कुल करीब 26.59 लाख रुपए चल-अचल संपति मिली है। ईडी ने आरोपियों के बैंक अकाउंट से मिले करीब 11 लाख रुपए भी जब्त किए हैं। करीब 2 महीने पहले ईडी ने प्रदीप को गिरफ्तार किया था। इन दोनों के साथ जिन तीन लोगों ने अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़वाया था, उनके भी खातों से कैश जब्त किया गया है।

जूली ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

महानगर संवाददाता

जयपुर/अलवर। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आमजन से मुलाकात की। जूली ने मालाखेड़ा क्षेत्र के गांव पूनखर में करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर जूली ने कहा कि स्वास्थ्य भवन निर्माण के बाद ग्रामीणों को यहां अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अब ग्रामीणों को जिला मुख्यालय पर नहीं जाना पड़ेगा। बेहतर चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। इसके बाद जूली ने मालाखेड़ा उपखंड के गांव सुमेल स्थित तेजाजी महाराज के मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की ओर से जूली का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सरपंच हजारीलाल मीणा, पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर, जगदीश मीणा, उमरदीन खान, करण सिंह चौधरी, कोठारी चौधरी, कैलाश, जय किशन, रसीला, विजय राम, कमल चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

शेखावाटी क्षेत्र के कद्दावर नेता थे सुंदरलाल काका : देवनानी

जयपुर (मसं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक सुंदरलाल काका के निधन पर दुख जताते हुए कहा है कि सुंदरलाल शेखावाटी क्षेत्र के कद्दावर नेता थे। उनके निधन से क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। सात बार के विधायक रहे सुंदरलाल ने राज्य सरकार में मंत्री, राज्य मंत्री और संसदीय सचिव पद पर कार्य करके राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई थी। उन्होंने कहा कि सुंदरलाल प्रखर वक्ता और जमीन से जुड़े जननेता थे।

फोटो : राठौड़ के नाम से एक फोटो है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने अर्पित की श्रद्धांजलि

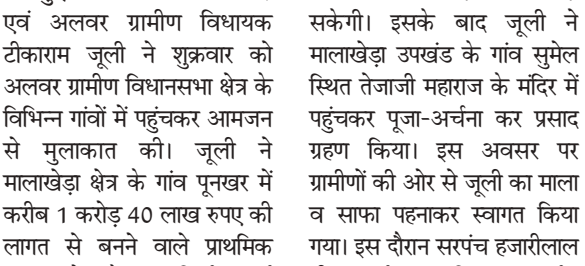

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर पूर्व मंत्री सुंदरलाल काका के निधन पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि भाजपा में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

पुलिस का नजर आ रहा है इंटेलिजेंस फेलियर: बेनीवाल

महानगर संवाददाता

जयपुर। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने खरनाल में तेजाजी मेले में अव्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने इसे पुलिस का इंटेलिजेंस फेलियर बताया। बेनीवाल ने एक्स पर कहा कि उपराष्ट्रपति का दौरा होने के बावजूद नागौर जिले की पुलिस इंटेलिजेंस फेलियर नजर आया। लोगों को घंटों तक इंतजार करने के बाद भी खरनाल में तेजाजी के दर्शन के बिना लौटना पड़ा। बेनीवाल ने कहा कि 2008 के बाद खरनाल में तेजाजी का मेला परवान चढ़ने लगा और इस बात से कई लोगों को परेशानी होने लगी। तेजाजी में सर्वसमाज की आस्था है और भाजपा के कुछ लोगों ने तेजाजी के मंदिर के भोपा को भाजपा का दुप्पटा पहनाकर धार्मिक कार्यक्रम का राजनीतिकरण करने का प्रयास किया। उसकी वजह से लोगों में भाजपा के प्रति भारी आक्रोश नजर आया। जिले की पुलिस मेले की व्यवस्था संभालने में नाकाम रही। मैंने मौके पर जाकर अव्यवस्था संभाली नहीं तो भगदड़ हो सकती थी।

वन विभाग ने नेशनल वाइल्डलाइफ बोर्ड और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से मांगी है मदद

तेंदुओं की बढ़ती संख्या बनी परेशानी, इंसानों पर कर रहे हमले

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के जंगलों में तेंदुओं की लगातार बढ़ती संख्या अब चिंता का कारण भी बन रही है। भोजन के लिए ये तेंदुए जंगलों से बाहर निकल रहे हैं और इंसानों को अपना शिकार बना रहे हैं। पिछले पांच महीनो में ऐसे छह मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब वन विभाग ने नेशनल वाइल्डलाइफ बोर्ड (एनडब्ल्यूबी) और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) से मदद मांगी है। प्रदेश के जंगलों में बाघों के साथ

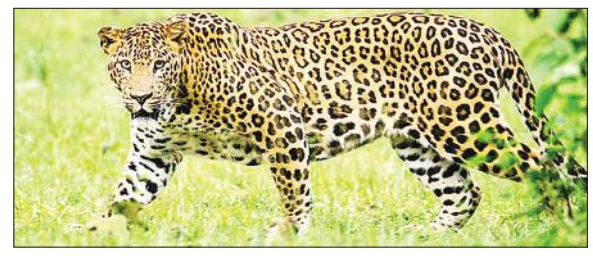

ही तेंदुओं की संख्या में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के जंगलों में तेंदुओं की आबादी 507 थी, जो इस बार बढ़ कर 925 हो चुकी है। बड़े अभयारण्यों की बात करें तो एनटीसीए, वन विभाग तथा वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के संयुक्त सर्वे के अनुसार सरिस्का टाइगर रिजर्व में 167, रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में 87, मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में 49 और रामगढ़ टाइगर रिवर्ज में 19 तेंदुए पाए गए थे। जंगलों में तेंदुओं की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन जिस अनुपात में संख्या बढ़ रही है, उस अनुपात में उन्हें शिकार नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में तेंदुए इंसानी आबादी की ओर रुख कर रहे हैं और यही स्थिति चिंता का कारण बन रही है। पिछले दिनों में शहरी आबादी में तेंदुओं के आने की दो घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। ये दोनों घटनाएं चौमूं की हैं। चौमूं-जयपुर रोड पर एक निजी अस्पताल के बेसमेंट में तेंदुआ घुस गया। इसके बाद मंगलवार रात को भी एक तेंदुआ चौमूं की सड़कों पर नजर आया। हालांकि दोनों घटनाओं में किसी इंसान पर हमला नहीं हुआ, लेकिन बीते 5 महीनों में तेंदुओं के हमलों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 6 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें हाल ही 8 सितंबर को 40 वर्षीय मीराबाई की तेंदुए के हमले में जान चली गई। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार इंसानी मौतों के बढ़ते मामलों को देखते हुए विभाग ने नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड को पत्र लिखकर इस मामले में मार्गदर्शन मांगा है। इसके साथ ही नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से भी संपर्क किया गया है।

तेंदुए के हमले से हाल ही हुई मौतें

30 मई	राजसमंद में ढाई साल के बच्चे पर हमला
23 जून	उदयपुर के झाड़ोल में 55 वर्षीय लक्ष्मीलाल पर हमला
29 जून	राजसमंद के राजनगर में रणसिंह पर हमला
16 अगस्त	उदयपुर के फालसिया में स्कूल जाते हुए 10 वर्षीय बच्चे पर हमला
26 अगस्त	राजसमंद के राजनगर में ही 35 वर्षीय रुक्मा भील पर हमला।
8 सितंबर	40 वर्षीय मीराबाई पर हमला।

श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का स्थापना दिवस समारोह आयोजित

भारत को कृषि क्षेत्र में बनाना है अग्रणी: हरिभाऊ बागड़े

महानगर संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में ऐसे शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया, जिससे भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्वित केंद्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया, ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके। बागड़े शुक्रवार को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया। समारोह में बागड़े ने कहा कि यह समय वर्षा का है। इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। हर बार अच्छी

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से किया संवाद

राज्यपाल ने इससे पहले कृषि शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि को स्वयं की उद्यमिता में बदलें। नौकरी के बजाय कृषि क्षेत्र को ही भविष्य के लिए चुनें, ताकि देश आपके ज्ञान, अर्जित शिक्षा से कृषि क्षेत्र में अग्रणी बन सके। उन्होंने कृषि और पशुपालन से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी और सराहना की।

वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का दौर है। कृषि पर भी बहुत से संकट हैं। इस दौर में अधिकाधिक पौधे लगाकर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही हम देश का विकास कर सकते हैं। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि खेतों में अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिटट्री की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। इससे उत्पादित फसल के उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि प्राकृतिक खेती की ओर लौटा जाए। उन्होंने उद्यानिकी और कृषि में तकनीक के प्रयोग से अधिक उत्पादन का भी आह्वान किया।

'खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर मिलकर करें प्रयास'

बागड़े ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करने। खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कृषि उत्पादों में उद्यमिता विकास के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर सब मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह सुखद है कि आजादी से पहले यहां कृषि शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास हुए हैं। उन्होंने खेती और पशुपालन के लिए व्यावहारिक सोच रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी और सांसद राव राजेंद्र सिंह ने भी विचार रखे।

पर्यटन शासन सचिव एवं आरटीडीसी एमडी ने किया निगम इकाइयों का निरीक्षण

महानगर संवाददाता

जयपुर। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन एवं आरटीडीसी प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ शुक्रवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल गणगौर, खासा कोठी, कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़ एवं शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पर्यटन सचिव रवि जैन ने बताया कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके, इसलिए निगम द्वारा संचालित इकाइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निगम द्वारा संचालित होटल्स के प्रमोशन के लिए नवचार के साथ मार्केटिंग की जाएगी। वर्षों से घाटे में चली आ रही आरटीडीसी को मुनाफे में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आरटीडीसी प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पधारो म्हारे देश के साथ हम देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान पधारने का आमंत्रण देते हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि राजस्थान आने वाले सभी पर्यटकों को आवास, भोजन एवं परिवहन की अच्छी सुविधा मिले।

शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हीलस का दूर 25 से

उन्होंने कहा कि निगम द्वारा संचालित इकाइयों में खाने की क्वालिटी को सुधारने, स्टाफ के लिए ड्रेस कोड एवं आरटीडीसी की आय बढ़ाने के लिए बंद पड़े दुर्ग कैफेटेरिया नाहरगढ़ एवं हवेली पन्ना मीणा आमेर फोर्ट को फिर से शुरू करने के लिए मौके पर जाकर वस्तुस्थिति को जाना। निगम प्रबंध निदेशक ने बताया कि शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हीलस का भी निरीक्षण कर जायजा लिया। आगामी 25 सितंबर से शाही रेलगाड़ी का पहला दूर शुरू होने जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर भाजपा पर लगाए आरोप

'राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा से बौखला गई भाजपा'

महानगर संवाददाता

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और इस यात्रा को लेकर देशभर में अफवाह फैलाने लग गई है। ये बात शुक्रवार को गहलोत ने एक्स पर कही। गहलोत ने कहा कि भाजपा द्वारा 15-20 सालों तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा एवं अपेक्षा का केंद्र बिंदु बन गए हैं। इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या करने की बातें कर रहे हैं। ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है। लोकसभा चुनावों में संविधान बदलने एवं आरक्षण हटाने के इरादे लेकर गई भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया। इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है एवं आवश्यकता के अनुरूप इसकी सीमा भी बढ़ानी चाहिए।

'अमेरिका में बोले गए एक-एक शब्द का अर्थ देश समझता है'

राहुल गांधी देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसे वे अंजाम तक लेकर जाएंगे और भाजपा के आरक्षण से खिलवाड़ करने के इरादे कभी पूरे नहीं होने देंगे। भाजपा देश को गुमराह करने का प्रयास अब बंद कर दे, क्योंकि देश समझता है कि राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में बोले गए एक-एक शब्द का अर्थ क्या है और इसके पीछे राहुल की क्या भावना है।

तो क्या भाजपा सरकार हिंसा का समर्थन करती है : जूली

भाजपा के पूर्व विधायक सलविंदर सिंह मारवाह जिस प्रकार खुलेआम राहुल गांधी को मारने की धमकी दे रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार हिंसा का समर्थन करती रही है। ये बात शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक्स पर कही। जूली ने कहा कि भाजपा का ये नेता खुलेआम इस देश के नेता प्रतिपक्ष को मारने की धमकी दे रहा है। प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि यह बयान भाजपा का है या नहीं और यदि यह बयान व्यक्तिगत है तो पार्टी उस पर क्या कार्रवाई कर रही है। यह हम किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कोर्ट ने बुलडोजर चलाने से नहीं रोका, कब्जे हटाना प्रशासन की प्राथमिकता : राठौड़

जयपुर (मसं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर फिर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मैं देशभर में हो रहे विरोध का समर्थन करता हूं। भाजपा को कांग्रेस नेताओं को घेरने की जरूरत नहीं है, वे स्वयं अपनों से घिरे हुए हैं। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, वह बिना किसी तथ्यों के मुद्दे बना रही है। राठौड़ ने कहा कि कोर्ट ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए कभी रोक नहीं लगाई। अतिक्रमण हटाना प्रशासन की प्राथमिकता है और रहेगी।

समारोह | **भाषा एवं पुस्तकालय विभाग की ओर से एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में होगा आयोजन**

हिंदी दिवस पर आज दस विधाओं में दिए जाएंगे में हिंदी सेवा पुरस्कार

महानगर संवाददाता

जयपुर। भाषा एवं पुस्तकालय विभाग की ओर से शनिवार को राज्यस्तरीय हिंदी दिवस समारोह का आयोजन एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सभागार में किया जाएगा। इस अवसर पर दस विधाओं में हिंदी सेवा पुरस्कार दिया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी होंगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत एवं सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल व भाषा विभाग के

सचिव कृष्ण कुणाल करेंगे और कार्मिक विभाग के सचिव के.के. पाठक मुख्य वक्ता होंगे।

विभाग के निदेशक मनीष गोयल ने बताया कि इस वर्ष से हिंदी सेवा पुरस्कार लेखन की दस विधाओं में दिया जाएगा। हिंदी साहित्य (कथा) में डॉ. अखिलेश पालरिया को उनकी कृति 'मेरी प्रिय कहानियां', हिंदी साहित्य (कथेतर) में डॉ. विजय जोशी को 'अनुभूति के पथ पर : जीवन की बातें', जनसंचार, पत्रकारिता एवं सिनेमा में बजरंग लाल जेठू को 'हिंदी विज्ञान पत्रकारिता, संविधान एवं विधि में डॉ. सतीश कुमार को 'मैं विधायिका हूं', विज्ञान, तकनीकी एवं अभियांत्रिकी में डॉ. डीडी ओझा को 'जलशोधन-प्राचीन से अर्वाचीन', चिकित्सा विज्ञान (भारतीय चिकित्सा पद्धति) में डॉ. दीपक सिंह राजपुरोहित को 'नाड़ी दीप विज्ञान', वाणिज्य, प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र में डॉ. सचिन गुप्ता को 'उद्यमिता दृष्टिकोण', कला, संस्कृति एवं पर्यटन में डॉ. राजेश कुमार व्यास को 'कलाओं की अंतर्दृष्टि', कृषि, उद्योग, वानिकी एवं प्रसार में डॉ. सुनीता गुप्ता व डॉ. नरेंद्र कुमार गुप्ता को संयुक्त रूप से 'फसल कार्यिकी के मूल सिद्धांत' तथा दर्शन, योग एवं अध्यात्म में डॉ. दीपिका विजयवर्गीय को 'चैतन्य महाप्रभु और गौड़ीय संप्रदाय' के लेखन के लिए हिंदी सेवा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस बार हिंदी दिवस समारोह में छात्र-छात्राओं के कॅरियर एवं मार्गदर्शन के लिए एक उपयोगी परिचर्चा का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव निशांत जैन, परिष्कार कॉलेज जयपुर के निदेशक डॉ. राघव प्रकाश, हिंदी विद्वान गजादान चारण एवं कवि व शिक्षाविद् सुरेंद्र डी. सोनी और भाषा विभाग के निदेशक मनीष गोयल व डॉ. रेणुका राठौड़ संवाद करेंगे। इस अवसर पर माइक्रोसॉफ्ट के हिंदी निदेशक, डॉ. बालेंदु शर्मा 'दाधीच' 'तकनीक में हिंदी प्रयोग' पर अपनी प्रस्तुति देंगे।

समारोह में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में हिंदी विषय में शत-प्रतिशत अंक लाने वाले 318 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा 2, सहकार मार्ग, ज्योतिनगर, लालकोठी, जयपुर-15 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी-848, फेज-3, रीको सीतापुरा, जयपुर से मुद्रित। संपादक: गोपाल शर्मा, संपादकीय प्रभारी: जिज्ञासु शर्मा*। फोन: 0141-2741076, 2741077 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com * आर.एन.आई. 67873/97/ पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर-JaipurCity/008/2021-23